CMYK

अधिकतम :26°C
न्यूनतम: 12°C

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

हल्द्वानी, सोमवार 17 नवम्बर 2025 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 23 अंक 82 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 12 विक्रमी सम्वत् 2082 | 25 जमादिउल उला1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

अन्याय बड़ा हो, तो प्रतिरोध उससे भी बड़ा होना चाहिए: योगी

पेज 2

कोलकाता टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 30 रनों से हराया

खेल टाइम्स

आखिर क्यों नहीं रुकते देश में आतंकवादी हमले

सम्पादकीय

मेक्सिको में भ्रष्टाचार के खिलाफ जेन-जी का प्रदर्शन

पेज 12

संक्षिप्त समाचार

ड्रग तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में 110 म्यूल बैंक खाते फ्रीज

नई दिल्ली। दिल्ली में ड्रग तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 110 म्यूल बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है और करीब 70 लाख रुपये नकद जब्त किए हैं। एजेंसी को तलाशी के दौरान दुबई-आधारित क्रिप्टोकरंसी वॉलेट के उपयोग के सबूत भी मिले। ईडी ने यह कदम नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की उस शिकायत के आधार पर उठाया, जिसमें नवम्बर 2024 में 82.53 किलो हाई-ग्रेड कोकीन की बरामदगी का मामला दर्ज किया गया था। इस ड्रग की अंतर्राष्ट्रीय कीमत करीब 900 करोड़ रुपये आंकी गई थी। एनसीबी ने इस मामले में पहले ही पांच लोगों को गिरफ्तार कर रखा है। ईडी ने 14 नवम्बर को दिल्ली-एनसीआर और जयपुर में कुल पांच जगहों पर तलाशी ली। इस दौरान 110 म्यूल बैंक खाते फ्रीज (इनमें 73 यूपीआई और डिजिटल वॉलेट से जुड़े खाते शामिल), 70 लाख रुपये नकद, कई डिजिटल डिवाइस और दस्तावेज, दुबई आधारित क्रिप्टो वॉलेट के जरिये धन भेजने के सबूत हैं।

दिल्ली में एक्यूआई 450 पार पहुंचा

नई दिल्ली। दिल्ली में ठंड के साथ-साथ प्रदूषण का लेवल बढ़ गया है। रविवार सुबह 8.30 बजे तक एक्यूआई लेवल 450 से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। उत्तर भारत से बर्फीली हवाएं लगातार चलने से राजस्थान में सर्दी बरकरार है। रविवार को सीकर जिले में कोल्ड-वेव का येलो अलर्ट जारी किया गया है। जयपुर, अजमेर संभाग के जिलों में सुबह-शाम शीतलहर (कोल्ड-वेव) का प्रभाव है। इन संभाग के अधिकांश जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज हो रहा है।शीतलहर ने मैदानी राज्यों में ठिठुरन बढ़ा दी है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, छत्तीसगढ़, पंजाब, हरियाणा और बिहार-झारखंड में ठंड बढ़ गई है। बीते चौबीस घंटे में 2डिग्री से 3डिग्री सेल्सियस तक पारा लुढ़क गया है। राजस्थान के फतेहपुर में 5डिग्री और सीकर में 5.4डिग्री सेल्सियस दर्ज किया है। मध्य प्रदेश के 4 जिलों में पारा 10 डिग्री के नीचे चल रहा है। रीवा और नौगांव में पारा 7 डिग्री के आसपास चल रहा है।

सुरेश गोपी को मिला मनोरमा न्यूज न्यूजमेकर पुरस्कार

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को यहां एक समारोह में केंद्रीय पर्यटन और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री एवं अभिनेता सुरेश गोपी को मनोरमा न्यूज़ न्यूज़मेकर पुरस्कार 2024 प्रदान किया। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने सिनेमा और राजनीति की चुनौतियों पर प्रकाश डाला और दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट सफलता के लिए सुरेश गोपी की प्रशंसा की। श्री राधाकृष्णन ने युवाओं को प्रेरित करने के लिए देश में सकारात्मक विकास को उजागर करने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया और बेजुबानों को आवाज़ देने में पत्रकारिता की ज़िम्मेदारी पर ज़ोर दिया।

दिल्ली लालकिला ब्लास्ट मामले में नया बड़ा खुलासा

सुसाइड बॉम्बर की तलाश में था उमर

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली लाल किला ब्लास्ट केस के आतंकी डा. उमर नबी से जुड़े कुछ लोगों को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हिरासत में लिया है। उसने पूछताछ में सामने आया है कि डाक्टरों वाला ये व्हाइट कॉलर मॉड्यूल पिछले साल ही एक सुसाइड बॉम्बर की तलाश में था। इसका जिम्मा डा. उमर पर ही था। वही मॉड्यूल के एजेंडे को लगातार आगे बढ़ा रहा था।

उमर का मानना था कि मॉड्यूल में एक सुसाइड बॉम्बर का होना जरूरी है। अधिकारियों ने बताया हिरासत में काजीगुंड का जसीर उर्फ दानिश भी है। उसके मुताबिक अक्टूबर 2023 में कुलगाम की एक मस्जिद में उसकी डाक्टरों वाले इस टेरर मॉड्यूल से मुलाकात हुई थी। इसके बाद उसे फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी ले जाया गया, जहां किराए के कमरे में उसे रखा गया। मॉड्यूल चाहता था कि वह ओवर-ग्राउंड वर्कर बने, लेकिन उमर ने उसे कई महीनों तक सुसाइड बॉम्बर बनने के लिए ब्रेनवॉश किया। मॉड्यूल की प्लानिंग इसलिए फेल हुई क्योंकि जसीर ने आर्थिक स्थिति खराब होने और इस्लाम में आत्महत्या हराम होने का हवाला देकर सुसाइड बॉम्बर बनने से इन्कार कर दिया था। दिल्ली में सुभाष मार्ग सिग्नल पर 10 नवम्बर को हुए ब्लास्ट में 13 लोग मारे गए थे। 20 से ज्यादा घायलों का इलाज जारी है। 3 की हालत गंभीर है। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग और कुलगाम में एनएसजी ने फर्टिलाइजर्स की दुकानों की तलाशी ली। उनके रिकॉर्ड जांचे गए। साथ ही कार डीलर्स, विस्फोटक मैगजिन, मिलावट करने वाले और संवेदनशील रॉ मटेरियल का मैनेजमेंट करने वाली इंडस्ट्रीज की भी जांच की गई। दिल्ली धमाके के बाद से दिल्ली पुलिस अलर्ट पर है। सेंट्रल दिल्ली में एंटी-टेरर सिक्योरिटी बढ़ाई गई है। शनिवार रात अभियान में पुलिस ने 34 लावारिस वाहन जब्त किए। साथ ही 417 वाहनों का चालान किया गया। पुलिस ने बाजारों, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में हथियारबंद जवान तैनात किए हैं। होटल, गेस्ट हाउस, साइबर कैफे, केमिकल शॉप्स और सिम विक्रेताओं पर सघन वेरिफिकेशन चल रहा है। किराएदारों और मजदूरों की जांच भी बढ़ाई गई है। हरियाणा के नूंह में डा. उमर नबी ने एक घर में किराए का कमरा लिया हुआ था। यहां की सुरक्षा बढ़ाई गई है। मकान की मालिक फरार है, जो अल-फलाह यूनिवर्सिटी में इलेक्ट्रिशियन का काम कराने वाले शख्स की बहन है।

दावा: जिसका ब्रेनवॉश किया, उसने इस्लाम में खुदकुशी को हराम बताकर कर दिया था इन्कार

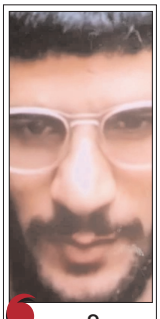

डा. उमर के साथी अमीर को एनआईए ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किला क्षेत्र में हुए कार बम धमाके की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को बड़ी सफलता मिली है। एजेंसी ने उस कश्मीरी निवासी को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने आत्मघाती हमलावर के साथ मिलकर इस आतंकी वारदात को अंजाम देने की साजिश रची थी।

इस हमले में 13 निर्दोष लोगों की मौत हो गई थी, जबकि करीब 32 अन्य घायल हुए थे। यह गिरफ्तारी मामले की दिशा बदल सकती है और आतंकियों के नेटवर्क को उजागर करने में अहम साबित हो सकती है। एनआईए के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी अमीर रशीद अली उस कार का पंजीकृत मालिक है, जिसका इस्तेमाल आत्मघाती हमलावर द्वारा धमाके में किया गया था। प्रारंभिक जांच से सामने आया है कि आरोपी ने हमलावर के साथ मिलकर पूरी योजना तैयार की थी। एजेंसी ने दिल्ली पुलिस से केस अपने हाथ में लेने के बाद आरोपी की तलाश के लिए व्यापक अभियान शुरू किया था। कई राज्यों में खोज अभियान चलाने के बाद आखिरकार अमीर रशीद अली को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। सूत्रों के मुताबिक, एनआईए अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी की आतंकियों से संपर्क की अवधि कितनी लंबी थी, वह किस नेटवर्क के संपर्क में था और इस साजिश में अन्य कितने लोग शामिल थे।

■ **इसी के नाम थी धमाके में इस्तेमाल की गई कार**

श्रीनगर थाने में ब्लास्ट तेज रोशनी व गर्मी से हुआ : फॉरेंसिक अधिकारी

श्रीनगर/नई दिल्ली। श्रीनगर के नौगाम पुलिस स्टेशन में 14 नवम्बर को सैंपलिंग के दौरान हुए ब्लास्ट को फॉरेंसिक टीम ने एक दुर्घटना बताया है। उसने स्पष्ट किया कि यह आतंकी हमला नहीं था। फॉरेंसिक टीम की जांच में सामने आया है कि एफएसएल और एनएसजी की टीम अमोनियम नाइट्रेट, पोटेशियम नाइट्रेट, सल्फर और अन्य केमिकल्स के आखिरी बॉक्स से सैंपल की जांच कर रही थीं, तभी बहुत ज्यादा रोशनी होने के कारण बाहर गर्मी बढ़ी और धमाका हो गया। ये सैंपल दिल्ली ब्लास्ट मामले में फरीदाबाद से जब्त लगभग 360 किलो विस्फोटक सामग्री से लिए गए थे। दरअसल 14 नवम्बर की रात करीब 11.20 बजे नौगाम थाने में ब्लास्ट हो गया, जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई और 32 लोग घायल हो गए थे। इनका 92 आर्मी बेस और एसकेआईएमएस सौरा हास्पिटल में इलाज चल रहा है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के डीजीपी नलिन प्रभात और संयुक्त सचिव (कश्मीर) प्रशांत लोखंडे ने संयुक्त बयान में कहा कि जब्त केमिकल बहुत खतरनाक और संवेदनशील थे। इसलिए टीम ज्यादा सावधानी से काम कर रही थी। इसके बावजूद धमाका हो गया।

घाटी की जगह अब पाक-बांग्लादेश में आतंकियों की भर्ती

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर और दिल्ली में लालकिले के पास धमाके के बाद कई अहम तथ्य उजागर हैं। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि आईएसआई भारत में आतंकवाद के लिए अब आतंकियों की भर्ती कश्मीर में करने की बजाए पाकिस्तान व बांग्लादेश में करने लगी है।

ऐसा केंद्र सरकार की घाटी में बढ़ती कार्रवाई के बाद किया जा रहा है। भारतीय सेना में सेंट्रल कमांड के चीफ ऑफ स्टाफ रहे सेवानिवृत लेफ्टिनेंट जनरल रवींद्र प्रताप शाही (एवीएसएम) कहते हैं कि घाटी में पिछले कुछ वर्षों में सैन्य बलों की सख्ती के चलते पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों की कमर टूटी है। वे सख्त निगरानी के कारण लोकल रिक्रूटमेंट नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में उन्होंने अब नया पैंतरा अपनाते हुए आतंकियों को बांग्लादेश व पाकिस्तान में बुलाकर प्रशिक्षण देना शुरू कर दिया है। ये पिछले दिनों की चल रही जांच में सामने आया है। वर्ष 1983-85 व 1994-95 तक कश्मीर के अनंतनाग, पहलगाम और राजौरी में तैनात रहे ले. जनरल आरपी शाही कहते हैं कि संभव नहीं है कि महज तीन-चार माह में 360 किलो विस्फोटक इकट्ठा कर लिया जाए। किसी को शक न हो इसलिए आतंकी संगठनों ने अपने मंसूबों को साकार करने के लिए डाक्टरों को चुना। विदेशी ताकतों ने ट्रेनिंग और वित्तीय मदद की है, जिसका खुलासा इंटरपोल की मदद से जल्द ही होगा। शाही कहते हैं कि जांच एजेंसियां, सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की सक्रियता के चलते बड़ी साजिश नाकाम हो गई। अब सेना को एक बार फिर अपना रौद्र रूप दिखाने का वक्त आ गया है। कैप्टन योगेंद्र सिंह यादव कहते हैं कि पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन ऐसे हमले से भारत को उकसा रहा है कि वह उससे युद्ध करे। वे नहीं चाहते हैं कि भारत विकासशील से विकसित राष्ट्र बने लेकिन हमें इसका माकूल जवाब देना होगा। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि ऑपरेशन सिंदूर 2.0 शुरू किया जाए।

■ **केंद्र सरकार की जम्मू- कश्मीर में बढ़ती सख्ती के बाद आईएसआई ने बदली भारत में रणनीति**

आतंकवाद 1989-90 में कश्मीर से शुरू हुआ: थरूर

श्रीनगर। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने रविवार को कहा कि आतंकवाद 1989-90 में कश्मीर से शुरू हुआ और धीरे-धीरे मुंबई, पुणे, दिल्ली तक फैल गया है। भारत पिछले 30 साल से आतंकवाद से चुनौती झेल रहा है। अब इस पर कठोर और असरदार एक्शन की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि हर आतंकी घटना में दो चीजें बेहद अहम होती हैं। यह पता लगाना कि वारदात किसने और क्यों की और ऐसे हमलों को दोबारा होने से रोकने के उपाय। हर मुद्दे को युद्ध और शांति के चश्मे से नहीं परखा जा सकता। आतंकवाद पर सख्ती जरूरी है, लेकिन देश के विकास के बड़े लक्ष्य को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। थरूर का ये बयान जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम और नेशनल कॉन्फ्रेंस के चीफ फारूक अब्दुल्ला के दिल्ली ब्लास्ट पर दिए बयान पर आया।

■ **कहा: भारत पिछले 30 साल से आतंकवाद से चुनौती झेल रहा**

पीएम ने बुलेट ट्रेन परियोजना टीम के सदस्यों से की बातचीत

सूरत/नई दिल्ली। पीएम मोदी ने सूरत में निर्माणाधीन भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना की टीम के सदस्यों से बातचीत की और उनसे समय-सारिणी के लक्ष्यों के पालन सहित परियोजना की प्रगति के बारे में जानकारी ली।

प्रधानमंत्री ने देश की सबसे महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से एक मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएएचएसआर) की प्रगति की समीक्षा शनिवार को की थी और सूरत में निर्माणाधीन बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा किया था। यह परियोजना देश के हाई-स्पीड कनेक्टिविटी के युग में प्रवेश का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने समीक्षा के साथ ही बुलेट ट्रेन से जुड़े कई कर्मचारियों बातचीत की। केरल की इंजीनियर ने गुजरात के नवसारी के नॉइज़ बैरियर फ़ैक्ट्री में काम करने का अनुभव साझा किया, जहां रीबार केज वेल्डिंग के लिए रोबोटिक इकाइयों का उपयोग किया जा रहा है। श्री मोदी ने उनसे देश की पहली बुलेट ट्रेन के निर्माण के व्यक्तिगत अनुभव और इस ऐतिहासिक उपलब्धि को परिजनों के साथ साझा करने के बारे में पूछा। प्रधानमंत्री के सवाल पर उन्होंने कहा कि देश की पहली बुलेट ट्रेन के निर्माण में योगदान पर गर्व होता है।

जयंत चौधरी रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए

लखनऊ/मथुरा। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय अधिवेशन-2025 में रविवार को जयंत चौधरी सर्वसम्मति से फिर से अध्यक्ष चुने गए हैं। मथुरा के कोसीकलां में रविवार को आयोजित पार्टी अधिवेशन में मौजूद प्रतिनिधियों ने श्री जयंत का स्वागत किया। अधिवेशन में आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक प्रस्तावों पर भी व्यापक चर्चा हुई। आर्थिक प्रस्ताव के तहत कृषि भूमि के विभाजन और युवाओं के पलायन को रोकने के लिए गांव-कस्बों में स्थानीय रोजगार सुनिश्चित करने का संकल्प दोहराया गया।

समुद्रयान चेन्नई के ओशन इंस्टीट्यूट में ले रहा आकार

चेन्नई, वार्ता

चेन्नई के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी (एनआईओटी)में समुद्रयान आकार ले रहा है। इस वैज्ञानिक पनडुब्बी के हिस्से असेम्बल हो रहे हैं। दिलचस्प बात है कि पहले समुद्रयान के शत-प्रतिशत पार्ट्स इम्पोर्ट किए जाने थे, लेकिन कोविड और जियो पॉलिटिकल कारणों से पार्ट्स नहीं मिल पाए।

नतीजतन, अब 2025 में समुद्रयान के 50 फीसदी हिस्से भारतीय संस्थानों ने ही तैयार कर लिए। एनआईओटी के उपनिदेशक एस. रमेश ने कहा कि समुद्रयान का बेसिक फ्रेम, मत्स्य-6000, कम्युनिकेशन, नेविगेशन और कंट्रोल सिस्टम सॉफ्टवेयर भारत में ही विकसित किए गए हैं। कुछ कैमरे, सेंसर, अकास्टिक फोन और सिंटेक्टिक फोम आयात करने पड़े। लक्ष्य है कि 2026 में 30 मीटर, 200 मीटर और 500 मीटर की गहराई में समुद्रयान के तीन अलग-अलग रिहर्सल और टेस्ट होंगे। सभी उपकरणों और हर हिस्सों को नार्वे की एजेंसी डीएनवी (डेट नार्स्क वेरीटॉस) से सर्टिफिकेशन हासिल हो चुका है। समुद्रयान का टाइटेनियम मिश्रधातु से बना मुख्य ढांचा एनआईओटी परिसर के असेंबली हाल में आ चुका है। इसे तैयार करने में इलेक्ट्रान बीम वेल्डिंग का देश में पहली बार इस्तेमाल हुआ है। समुद्रयान मिशन भारत का पहला मानवयुक्त समुद्र मिशन है, जिसका मकसद मत्स्य-6000 नाम के मानवयुक्त पनडुब्बी में 3 वैज्ञानिकों को समुद्र की 6,000 मीटर की गहराई तक भेजना है। यह भारत के डीप ओशन मिशन का एक हिस्सा है। इसके तहत समुद्र के संसाधनों और जैव-विविधता का अध्ययन किया जाएगा। 2027 में गगनयान के मानव मिशन के साथ हिंद महासागर में 3 भारतीय एक्वानाट्स समुद्र की गहराई में गोता लगाएंगे। समुद्रयान सागर निधि जहाज से हिंद महासागर पहुंचेगा। 30 मीटर प्रति मिनट की गति से उतरते हुए करीब 4 घंटे में यह 6 किमी की गहराई तक पहुंचेगा। सैंपल कलेक्शन, सर्वे, स्कैनिंग और साइंटिफिक गतिविधियों के लिए चार घंटे मिलेंगे। समुद्रयान के मोबाइल व्हीकल मत्स्य-6000 में एक्वानाट सैंपल लेंगे। मत्स्य-6000 को इस तरह डिजाइन किया गया है कि इसमें 3 एक्वानाट यात्रा कर सकेंगे। 2.1 मीटर व्यास के व्हीकल में सामान्य रूप से 12 घंटे, इमरजेंसी में 96 घंटे रहने का प्रावधान है। मत्स्य-6000 को इस तरह डिजाइन किया गया है कि इसमें 3 एक्वानाट यात्रा कर सकेंगे। 2.1 मीटर व्यास के व्हीकल में सामान्य रूप से 12 घंटे, इमरजेंसी में 96 घंटे रहने का प्रावधान है।

■ **यान के 50 फीसदी हिस्से स्वदेशी**
■ **ये खास वैज्ञानिक पनडुब्बी चार घंटे में 6 किमी की गहराई में पहुंचेगी**

मिरगी
घबराएं नहीं उचित इलाज करवाएं

मिरगी कोई भूत-प्रेत, छाया या आत्मा आदि का प्रकोप नहीं है। इसका इलाज नीम-हकीम, फकीर और ढोंगी लोग नहीं कर सकते हैं। इसका इलाज केवल उचित दवाओं द्वारा योग्य डाक्टर ही कर सकते हैं। यह एक साधारण रोग है। इसका इलाज संभव है।

मिरगी के लक्षण
- अचानक बेहोश होकर जमीन पर गिर जाना
- आंखे पथराना
- हाथ-पैर ऐंठ जाना
- मुंह से झाग निकलना
- मुंह एक तरफ हो जाना
- जीभ का बाहर व दांतो के बीच आना
- मुट्ठियां कसना
- गर्दन टेढ़ी पड़ना
- अचानक झटका-सा लगना
- घे-घे-औं-औं की आवाज आना

अगर आपमें या आपके आस-पास किसी में इस प्रकार के लक्षण हैं तो विश्व प्रसिद्ध वरिष्ठ मिरगी रोग विशेषज्ञ डा. अय्यूब हसन 'मार्शल' के इलाज से लाभ उठाकर हमेशा के लिए मिरगी से छुटकारा पाएं।

डा. अय्यूब हसन 'मार्शल'
M.B.B.S., G.M.C.S. (U.K.), F.C.G.P., F.A.P.S. (U.S.A.)
M.A.P.A.(U.S.A.), M.R.C.S.M.I.P.S., F.I.P.S., M.I.E.A.(INDIA)
- आजीवन सदस्य भारतीय मिरगी एसोसिएशन
- पूर्व सी.एम.ओ., इरविन अस्पताल, नई दिल्ली
- फैलो ऑफ इंडियन साइकैट्रिक सोसाइटी
- पूर्व सी.एम.ओ., जी.बी. पन्त अस्पताल, नई दिल्ली

मिलने का पता
मार्शल चिकित्सा केन्द्र
निकट चन्द्रा टाकीज़ व सैन्ट्रल बैंक के सामने
मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) मो.: 9997411423, 9358348826

नोट
जांच कराने वाले रोगी बालों को शैम्पू से धोकर आयें
समय 11 बजे से 5 बजे तक मंगलवार अवकाश
असुविधा से बचने के लिए कृपा पहले से समय लेकर मिलें।

संक्षिप्त समाचार

प्रतिबंधित कफ सिरप मामले में 28 लोगों के खिलाफ मामले दर्ज

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में कोडीन युक्त प्रतिबंधित कफ सिरप प्रकरण में शनिवार को अंतर्राज्जीय गिरोह के सरगना शुभम जायसवाल और उसके पिता भोला जायसवाल सहित 28 कारोबारियों के खिलाफ कोतवाली में मामले दर्ज किए गए है। गाजियाबाद पुलिस द्वारा कुछ दिनों पहले प्रतिबंधित कफ सिरप को लेकर बड़े ड्रग रैकेट का खुलासा किया गया था। इस मामले के तार जुड़ते हुए मुख्य आरोपी मैदागिन निवासी शुभम जायसवाल और उसके पिता भोला प्रसाद तक पहुंचे हैं। इस प्रकरण में उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन और पुलिस की जांच में पाया गया कि करोड़ों रुपये की प्रतिबंधित कफ सिरप बेची और खरीदी गई।

सरकारी जमीन पर कब्जे के मामले में गठित एसआईटी टीम ने जांच शुरू की

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में अतीक अहमद के गुर्गो द्वारा सरकारी जमीन पर कब्जे के मामले में गठित दो सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) टीम ने रविवार से अपनी जांच शुरु कर दी है। एसआईटी की टीम में शामिल आईजी डा. बलकार सिंह और आवास आयुक्त मामले की जांच कर रहे हैं। जांच के बाद गोपनीय रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के मरियाडीह और रसूलपुर काशीपुर गांव में 22 आराजियों पर अतीक एवं अशरफ के करीबी जैद खालिद ने कब्जा किया हुआ था। बताया जा रहा है यह जमीन एटीएस को यूनिट स्थापित करने के लिए शासन की तरफ से जारी की गई थी, यहीं पर ईवीएम रखने के लिए वेयरहाउस बनाए जाने का भी प्रस्ताव था।

चुनाव आयोग ने मतदाता विवरण डिजिटलीकरण की समय सीमा बढ़ाई

कोलकाता, वार्ता

■ अब तक लगभग 50 लाख फॉर्म शामिल हो चुके

चुनाव आयोग (ईसीआई) ने पश्चिम बंगाल में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में गणना प्रपत्रों के माध्यम से एकत्रित मतदाता विवरणों के डिजिटलीकरण को पूरा करने के लिए नवम्बर के अंत तक की समय सीमा तय की है।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के अनुसार बूथ स्तर पर पहले से ही चल रहे डिजिटलीकरण कार्य में अब तक लगभग 50 लाख फॉर्म शामिल हो चुके हैं। सीईओ कार्यालय के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर यूनीवार्ता को बताया कि आयोग के निर्देशानुसार रविवार से डेटा प्रविष्टि की गति बढ़ाई जाएगी। पूरी प्रक्रिया महीने के अंत तक पूरी होने की उम्मीद है। राज्य के सीईओ मनोज कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में शनिवार शाम को जिलाधिकारियों और उनके अधीनस्थ चुनाव अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक के दौरान समय सीमा को अंतिम रूप दिया गया। ईसीआई के वरिष्ठ अधिकारी वर्चुअली तरीके से बैठक में शामिल हुए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ईसीआई की चार सदस्यीय टीम चार नवम्बर से शुरू हुई संशोधन प्रक्रिया की प्रगति का आकलन करने के लिए 18 से 21 नवम्बर तक पश्चिम बंगाल का दौरा करेगी। प्रतिनिधिमंडल में उप चुनाव आयुक्त ज्ञानेश भारती, प्रमुख सचिव एसबी जोशी और मलय मलिक और उप सचिव अभिनव अग्रवाल शामिल होंगे। चार दिवसीय प्रवास के दौरान ईसीआई की टीम कोलकाता, दक्षिण 24 परगना, नादिया, मुर्शिदाबाद और मालदा में एसआईआर कार्यान्वयन की समीक्षा करेगी। गौरतलब है कि यह इस महीने ईसीआई टीम का दूसरा दौरा होगा। यह राज्य में संशोधन प्रक्रिया पर आयोग की करीबी निगरानी को रेखांकित करता है। इससे पहले भारती के नेतृत्व में एक टीम ने उत्तर बंगाल का दौरा किया था और गणना शुरू होने के तुरंत बाद चार जिलों में प्रगति की समीक्षा की। तीन चरणों में आयोजित किया जा रहा एसआईआर चार नवम्बर को शुरू हुआ और अगले साल मार्च तक समाप्त होने की उम्मीद है। पश्चिम बंगाल में आखिरी बार 2002 में इतना व्यापक संशोधन हुआ था।

सरकार को एसआईआर पर घेरेंगे विपक्षी दल

अब नई रणनीति के साथ जनता के बीच जाने की तैयारी

नई दिल्ली, वार्ता

■ बिहार में हार के बाद कांग्रेस ने 12 राज्यों के नेताओं को बुलाया दिल्ली

बिहार में हार के बाद कांग्रेस पार्टी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2-0 वाले राज्यों के नेताओं को दिल्ली बुलाया है, क्योंकि पार्टी अब नई रणनीति के साथ जनता के बीच जाना चाहती है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार मंगलवार 18 नवम्बर को सुबह इंदिरा भवन में तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, पुडुचेरी, अंडमान, निकोबार द्वीप और लक्षद्वीप के पार्टी नेताओं को दिल्ली बुलाया गया है। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे करेंगे और इसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता विपक्ष राहुल गांधी तथा संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल मौजूद रहेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार कांग्रेस एसआईआर मामले को लेकर जनता के बीच नई रणनीति के तहत जाना चाहती है। क्योंकि मतदाता सूची पुनरीक्षण 2-0 वाले 12 राज्यों में से तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। यही वजह है कि बिहार में मिली हार के बाद पार्टी इन राज्यों में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है। सूत्रों ने बताया कि इंडिया गठबंधन आगामी लोकसभा सत्र में भी एसआईआर पर जोरदार हंगामा करने की तैयारी में हैं। इस मामले को लेकर नवम्बर के अंतिम सप्ताह में कांग्रेस पार्टी दिल्ली की रामलीला मैदान में बड़ी रैली करने की तैयारी में है। गौरतलब है कि एसआईआर 2-0 कार्यक्रम शुरू हो चुका है और यह 4 दिसम्बर तक चलेगा।

मोदी के चेहरे और शाह के चक्रव्यूह के आगे विपक्ष चारों खाने चित: कृपा शंकर सिंह

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपा शंकर सिंह ने रविवार को बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की जीत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे और गृह मंत्री अमित शाह के चुनावी चक्रव्यूह के आगे विपक्षी महागठबंधन चारों खाने चित हो गया। कृपा शंकर सिंह आज जौनपुर स्थित अपने आवास पर ष्यूनीवार्ताष्से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव में जीत विकास में विश्वास रखने वाले हर बिहारी की जीत है। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विश्वास कर रहा है और उनके कार्यों और नीतियों की वजह से बिहार विधानसभा चुनाव में राजग को प्रचंड बहुमत मिला है। जंगलराज और तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों को अब बिहार में लूट का मौका नहीं मिलेगा।

स्वाधीनता में वीरों एवं वीरांगनाओं का योगदान अविस्मरणीय

अन्याय बड़ा हो, तो प्रतिशोध उससे भी बड़ा हो: योगी

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ वीरांगना ऊदा देवी ने पीपल के पेड़ पर चढ़कर 36 अंग्रेज सैनिकों को ढेर किया था
■ लखनऊ के पासी चौराहा पर वीरांगना ऊदा देवी की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी ने विदेशी हुकूमतों के चूलों को हिलाने एवं अत्याचार का जवाब देने के लिए 16 नवम्बर 1857 को लखनऊ के सिकंदरबाग में पीपल के पेड़ पर चढ़कर 36 अंग्रेज सैनिकों को ढेर किया था। उनका नाम इतिहास में अमर हो गया।

वीरांगना ऊदा देवी का बलिदान प्रेरणा देता है कि अन्याय बड़ा हो तो प्रतिरोध उससे भी बड़ा होना चाहिए। योगी ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी ने अन्याय के खिलाफ लड़ने के लिए देश के क्रांतिकारियों एवं युवाओं को मार्गदर्शन भी दिया। मुख्यमंत्री योगी एवं केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को लखनऊ के सेक्टर-19, वृंदावन कॉलोनी स्थित पासी चौराहा पर वीरांगना ऊदा देवी की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की स्वाधीनता में वीरों एवं वीरांगनाओं का योगदान अविस्मरणीय है। इस मामले में लखनऊ की भूमि अनोखी है। उन्होंने कहा कि 1857 के प्रथम स्वातंत्र्य समर का केंद्र बिंदु उत्तर प्रदेश ही था। शहीद मंगल पांडेय ने बैरकपुर में इसकी हुंकार भरी थी। धन सिंह कोतवाल ने उसे मेरठ में आगे बढ़ाया था। झांसी में महारानी लक्ष्मीबाई अमर योद्धा के रूप में उसे नेतृत्व दे रही थीं। बिठूर में तात्या टोपे उस लहर को मजबूती प्रदान कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बेगम हजरत महल का भी जिक्र किया और कहा कि वीरांगना ऊदा देवी पासी जैसे अमर सेनानियों के साथ मिलकर विदेशी फिरंगियों को भगाने के लिए प्रथम स्वातंत्र्य समर की अमर योद्धा के रूप में वे स्मरण की जाती हैं। वीरांगना ऊदा देवी न केवल नारी शक्ति, बल्कि हर हिंदुस्तानी के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में विरासत का सम्मान कर रही है।

जो काम वो नहीं कर पाए, वो योगी कर रहे हैं

लखनऊ। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं योगी को धन्यवाद देना चाहूंगा कि जो काम वो लोग नहीं कर पाए, वो योगीजी कर रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि मुगलों के इतिहास को बढ़ा-चढ़ाकर नाम देने वालों ने पासी समुदाय का नाम नहीं दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि मैं तो कभी कल्पना नहीं कर सकता था कि कोई ऐसा मुख्यमंत्री आएगा, जो समाज के बारे में इतना सोचेगा, जो योगी जी ने करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि बहराइच में महाराजा सुहेलदेव जी का भव्य स्मारक बनाया गया है, ऐसा ही एक भव्य स्मारक महाराजा बिजली पासी जी का लखनऊ में भी बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जो यह फैसला किया है, इसकी भी सराहना की जानी चाहिए।

एसआईआर को लेकर लठैतवादी दलों का डरना अच्छी बात: मौर्य

लखनऊ, वार्ता

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर लठैतवादी दलों का डरना अच्छी बात है। उपमुख्यमंत्री मौर्य ने समाजवादी पार्टी का नाम लिए बगैर इशारों में हमला करते हुए कहा है कि ष्मतदाता सूची के एसआईआर की प्रक्रिया शुरू होने के बाद 'लठैतवादी' दलों में जो घबराहट दिख रही है, वह लोकतंत्र के लिए अच्छी बात है। उन्होंने रविवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए कहा कि 'लठैतवादी' दलों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनर्निरीक्षण (एसआईआर) से डरना अच्छी बात है। अभी तक ऐसे दल लाठियों के बल पर अपनी राजनीति चमकाते थे। लेकिन एसआईआर जैसे नेक कार्य के बाद ऐसे दलों की राजनीति पर हमेशा के लिए विराम लग जाएगा। एसआईआर को लेकर एक दिन पूर्व बिहार विधानसभा चुनाव के रुझान को लेकर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा था कि बिहार में जो खेल एसआईआर ने किया है, वह अब देश के अन्य राज्यों में दोहराया नहीं जा सकेगा। उन्होंने दावा किया कि इस 'साजशि' का भंडाफोड़ हो चुका है और आने वाले समय में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश सहित किसी भी राज्य में भाजपा ऐसी रणनीति लागू नहीं कर पाएगी।

सेंसेक्स 84562.78
निफ्टी 25910.05

सोना रु. 125428
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 160656
प्रति किलो

वैश्विक कारकों से तय होगी बाजार की दिशा

मुंबई, वार्ता

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही डेढ़ फीसदी से अधिक की तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में वैश्विक कारक बाजार की दिशा तय करेंगे। घरेलू स्तर पर कंपनियों के तिमाही परिणाम कुल मिलाकर अच्छे रहे हैं और बाजार इस समय अपने उच्चतम स्तर के करीब बना हुआ है।

अब निवेशकों की नजर भारत. अमेरिका व्यापार वार्ता की प्रगति पर है। साथ ही अगले सप्ताह आयात-निर्यात के आंकड़े आने वाले हैं जो बाजार को प्रभावित कर सकते हैं। लगातार दो सप्ताह की गिरावट के बाद बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,346.50 अंक (1.62 प्रतिशत) की बढ़त हासिल कर शुक्रवार को 84,562.78 अंक पर पहुंच गया। पांचों दिन सूचकांक हरे निशान में बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 417.75 अंक यानी (1.64 फीसदी) की साप्ताहिक बढ़त के साथ 25,910.05 अंक पर बंद हुआ। मझौली और छोटी कंपनियों में अपेक्षाकृत कम तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.58 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.98 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त में रहा। सेंसेक्स की 30 में से 22 कंपनियों के शेयरों में साप्ताहिक बढ़त देखी गई। अच्छे तिमाही परिणाम के दम पर एशियन पेंट्स का शेयर 11 प्रतिशत उछल गया। एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 5.40 प्रतिशत, भारती एयरटेल में 4.88, अडानी पोर्ट्स में 4.34, टीसीएस और सनफार्मा दोनों में 3.76, टेक महिंद्रा में 3.68 और बीईएल में 3.07 प्रतिशत की तेजी रही। सप्ताह के दौरान एलएंडटी का शेयर 2.93 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 2.75, आईसीआईसीआई बैंक का 2.17, इंफोसिस का 1.70, एक्सिस बैंक का 1.59, टाइटन का 1.48, मारुति सुजुकी का 1.30 और भारतीय स्टेट बैंक का शेयर 1.19 प्रतिशत चढ़ा। आईटीसी, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनीलिवर के शेयर भी हरे निशान में रहे।

ट्रेंट में सबसे अधिक 5.09 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट रही। बजाज फाइनेंस का शेयर 4.54 फीसदी, टाटा स्टील का 4.02, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का 3.46, इटरनल का 0.78 और कोटक महिंद्रा बैंक का 0.67 प्रतिशत टूट गया।

जीएसटी सुधारों के बाद देश में कृत्रिम धागों से मिलेगी कपड़ा उद्योग को गति

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत नई पीढ़ी के सुधारों में कपास और कृत्रिम धागों (एमएमएफ) पर कर की दर एक समान पांच प्रतिशत कर दी गई है, जिससे कपड़ा उद्योग की रफ्तार और बढ़ने की उम्मीद है। कपड़ा उद्योग पारंपरिक रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश के सकल घरेलू उत्पाद में कपड़ा एवं वस्त्र उद्योग का योगदान 2.3 प्रतिशत रहा। कुल औद्योगिक उत्पादन में इसका योगदान 13 प्रतिशत और निर्यात में 12 प्रतिशत है। भारत कपड़े और वस्त्रों का दुनिया में छठा सबसे बड़ा निर्यातक है। वित्त वर्ष 2023-24 में 34.4 अरब डॉलर का कपड़ा द्धतैयार वस्त्र और अन्य उत्पाद समेतत्र निर्यात किया गया था और इस क्षेत्र के वैश्विक व्यापार में देश की हिस्सेदारी 3.91 प्रतिशत है। कृषि के बाद यह सबसे बड़ा रोजगार देने वाला क्षेत्र है। इसमें 4.5 करोड़ लोग सीधे काम करते हैं। कपास उगाने में पानी की काफी खपत के कारण यह अधिक महंगा होता है। यही कारण है कि दुनिया में अब कृत्रिम धागे ही ज्यादा इस्तेमाल किए जाते हैं। जीएसटी के तहत सितम्बर तक कपास पर पांच प्रतिशत और एमएमएफ पर 18 प्रतिशत कर लग रहा था। कारण देश में एमएमएफ का इस्तेमाल अब भी कपास से पीछे है। गत 22 सितम्बर से लागू अगली पीढ़ी के सुधारों में अब कपास और एमएमएफ दोनों पर बराबर कर लगाया जा रहा है।

चावल, गेहूं, दालों में साप्ताहिक तेजी चीनी नरम खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव बढ़ गए। गेहूं और दालों के दाम भी चढ़ गए। चीनी सस्ती हुई जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 76 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,818.29 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई।

गेहूं 11 रुपये की मजबूती के साथ 2,857.13 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। आटे की कीमत 3,312.86 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग अस्थिर रही। बीते सप्ताह मूंगफली तेल औसतन 149 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। सरसों तेल की औसत कीमत स्थिर रही। पाम ऑयल में 21 रुपये प्रति क्विंटल की साप्ताहिक बढ़त देखी गई। सोया तेल 38 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ। सूरजमखी तेल की कीमत 72 रुपये और वनस्पति की 78 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। दाल.दलहनों में साप्ताहिक तेजी रही। चना दाल की कीमत 46 रुपये और मूंग दाल की 50 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। तुअर दाल पांच रुपये और उड़द दाल तीन रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। मसूर दाल की औसत कीमत स्थिर रही। मीठे के बाजार में सप्ताह के दौरान गुड़ के औसत भाव आठ रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गए। वहीं चीनी 16 रुपये प्रति क्विंटल गिर गई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के औसत थोक भाव शनिवार को इस प्रकार रहे- दाल-दलहन: दाल चना 7857.75 रुपये, मसूर काली 8098.83 रुपये, मूंग दाल 10089.10 रुपये, उड़द दाल 10372.10 रुपये, तुअर दाल 10506.18 रुपये प्रति क्विंटल। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2857.13 रुपये और चावल 3818.29 रुपये प्रति क्विंटल।

तापमान में हल्की मौसमी गिरावट होने की संभावना

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ प्रदेश के मध्यवर्ती भागों में 18 नवम्बर तक आंशिक शीतलहर की स्थिति बरकरार रह सकती है, तापमान में गिरावट कम होगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दिन और रात का तापमान सामान्य से काफी नीचे रहने की वजह से बीती रात इटावा, बरेली, कानपुर, बाराबंकी एवं अमेठी में शीतलहर का असर दिखाई दिया हैं। मौसम विभाग के अनुसार आगामी 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में हल्की मौसमी गिरावट होने की संभावना है, जिसके चलते रात एवं भोर के समय प्रदेश के मध्यवर्ती भागों में 18 नवम्बर तक आंशिक शीतलहर की स्थिति बरकरार रह सकती है, वहीं सोमवार से हवाओं की दिशा परिवर्तन के साथ तापमान में गिरावट कम होगी।

मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक डा.एके सिंह ने कहा कि प्रदेश में इस समय कोई सक्रिय मौसम तंत्र मौजूद नहीं है, लेकिन पश्चिमी हिमालईय क्षेत्रों से आ रही ठंडी एवं शुष्क उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण रात के तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की जा रही है। आसमान साफ रहने की वजह से रात में विकिरणीय शीतलन बढ़ गया है, वहीं मध्य भारत पर बने प्रतिचक्रवात के प्रभाव से ठंडी हवाओं के अधोगमन ने भी प्रदेश के मौसम को और अधिक शीतल बना दिया है। उन्होंने कहा कि इन सम्मिलित प्रभावों के परिणामस्वरूप पिछले कुछ दिनों से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में दिन और रात दोनों तापमान सामान्य से काफी नीचे बने हुए हैं। हालांकि दिन में धूप निकलने के बाद शीतलहर का प्रभाव काफी हद तक कम हो जाएगा, लेकिन इस अवधि में अधिकतम तापमान भी सामान्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार 17 नवम्बर से हवाओं के दिशा परिवर्तन के साथ तापमान में गिरावट की यह प्रवृत्ति थमने लगेगी तथा ठंड में थोड़ी कमी महसूस होगी। इससे प्रदेश को शीतलहर जैसी स्थितियों से आंशिक राहत मिलने की उम्मीद है। इसी दौरान प्रातःकालीन घंटों में हल्की धुंध व कहीं-कहीं हल्का कोहरा भी पड़ सकता है।

फ्रंटियर टेक्नोलॉजी अपनाने से बदल जाएगी खेती की सूरत

नई दिल्ली। अगर भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना है ,तो कृषि को डेटा, नवाचार और तकनीक पर आधारित बनाना होगा। यह वास्तव में 'हर किसान तक तकनीक पहुंचाने' की रूपरेखा है, ताकि खेती अधिक लाभकारी, टिकाऊ और भविष्य के लिए तैयार हो सके। इस डेटा और फ्रंटियर टेक्नोलॉजी से भारत के खेतीबाड़ी के काम में तकनीकी क्रांति आएगी।

डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन 2-0 में किसानों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाना होगा। यह बात नीति आयोग की हाल ही जारी एक खास रिपोर्ट में कही गई है। 'कृषि की पुनर्कल्पना: फ्रंटियर टेक्नोलॉजी आधारित परिवर्तन हेतु एक रोडमैप' नामक यह रिपोर्ट भारत के कृषि क्षेत्र में बड़े तकनीकी बदलाव लाने की रूपरेखा प्रस्तुत करती है। यह रोडमैप देश के 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बनाया गया है। इस रिपोर्ट ने यह भी कहा है कि केवल तकनीक अपनाने से नहीं, बल्कि उसे 'स्मार्ट तरीके से लागू और जोड़ने' से असली बदलाव आएगा। कृषि भारत की अर्थव्यवस्था, रोजगार और खाद्य सुरक्षा की रीढ़ है, इसलिए किसानों की आय बढ़ाना और पैदावार को बेहतर करना एक ऐसा जरूरी कदम है, जिस पर प्रगति जारी रखनी होगी। इस रास्ते में प्रमुख रुकावटें जलवायु परिवर्तन, सीमित भूमि, घटती उपज, तकनीकी असमानता, डेटा की कमी और वित्तीय बाधाओं की है। इसके अलावा मिट्टी और दूसरे प्रकार के डेटा की कमी, किसानों के भरोसे का अभाव, डिजिटल डिवाइड यानी तकनीकी को लेकर विभाजन, प्रतिभा की कमी, पूंजी की सीमाएं और नीति असंगति के कारकों को भारतीय कृषि के पिछड़ जाने के अहम बिंदु के रुप में देखा गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का कृषि क्षेत्र ऐसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है, जो विकास और पैदावार में बाधा डालती हैं। देश के 86 प्रतिशत किसान छोटी जोत वाले हैं जिनके पास औसतन 0.74 हेक्टेयर भूमि है। खेती की प्रमुख चुनौतियों में कम पैदावार, छोटी जोत और जलवायु परिवर्तन के असर शामिल हैं। कटाई के बाद होने वाला नुकसान सालाना 18 अरब अमे. रिकी डॉलर से अधिक है।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहे फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

एयर फोर्स ऑडिट ब्रांच देहरादून में ही रहने देने का अनुरोध

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

नई दिल्ली /देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से एयर फोर्स ऑडिट ब्रांच देहरादून में ही यथावत रहने द ` न ` अ ा ै र ग्वालदमख्रनंदकेसरीख्रथरालीख्रदेवालख्रमुन्दोलीख्रवाण मोटर मार्ग के रख-रखाव का कार्य लोक निर्माण विभाग से ही कराए जाने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री धामी ने अवगत कराया कि एयर फोर्स ऑडिट ब्रांच लंबे समय से देहरादून में बिना किसी व्यवधान के संचालित हो रही है। प्रदेश की सीमाएँ चीन व नेपाल से लगने तथा यहां सेना व सुरक्षा बलों के अनेक महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान होने के कारण देहरादून का सामरिक महत्व अत्यंत अधिक है। उन्होंने रक्षा मंत्री से अनुरोध किया कि एयर फोर्स ऑडिट ब्रांच देहरादून से ही यथावत संचालित रहे, इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएँ।मुख्यमंत्री ने ग्वालदम ख्र न ं द क े स र ी ख्र थरालीख्रदेवालख्रमुन्दोलीख्रवाण

■ सीएम धामी ने की रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात, मुख्यमंत्री के प्रस्तुत विषयों पर दिया सकारात्मक रूप से विचार करने का आश्वासन

मोटर मार्ग के रख-रखाव एवं अनुरक्षण का कार्य भविष्य में भी उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग के पास ही बनाए रखने का अनुरोध भी किया। उन्होंने कहा कि यह मार्ग विश्वप्रसिद्ध नंदा देवी राजजात यात्रा का प्रमुख रूट है, जिसकी अगली यात्रा वर्ष 2026 में प्रस्तावित है। प्रदेश की धार्मिक, सांस्कृतिक आस्था से जुड़े इस महत्वपूर्ण आयोजन की सुचारू व्यवस्था के लिए मार्ग का रख-रखाव स्थानीय स्तर पर लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाना अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय परिस्थितियों, समन्वय तथा त्वरित कार्य निष्पादन के दृष्टिगत लोक निर्माण विभाग ही इस मार्ग के रख-रखाव के लिए सर्वोत्तम विभाग है तथा इससे आगामी यात्रा सहित स्थानीय आवागमन को भी बड़ी सुविधा मिलेगी।रक्षा मंत्री ने मुख्यमंत्री के प्रस्तुत विषयों पर सकारात्मक रूप से विचार करने का आश्वासन दिया।

सीएम ने देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र के मेधावी छात्र-छात्राओं के साथ किया संवाद

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

नई दिल्ली/ देहरादून। नई दिल्ली स्थित उत्तराखण्ड निवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भारत दर्शन शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम 2025 में देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र के मेधावी छात्र-छात्राओं के साथ संवाद किया। मुख्यमंत्री विश्वास व्यक्त किया कि इस भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने बहुमूल्य अनुभव प्राप्त किए होंगे। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उनके विद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी और बताया कि इस तरह के शैक्षिक भ्रमण अब राज्य स्तर पर भी शुरू किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्ञान, विज्ञान और अनुसंधान से नई चीजें सीखने का अवसर मिलता है। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन का अनुभव साझा किया करते हुए बताया कि उनके पिताजी के सेना से सेवानिवृत्त होने के समय वे 9वीं कक्षा के छात्र थे और 10वीं उत्तीर्ण करने के लिए अकेले खटीमा से नैनीताल एक्सप्रेस पकड़कर सागर गए थे। यह उनका पहला शैक्षिक भ्रमण था जिसने उन्हें सतत सीखने की प्रेरणा दी। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में उद्देश्य निर्धारित करने और स्वअनुशासन अपनाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी भारत के भविष्य के कर्णधार हैं और युवाओं के कंधों पर देश की जिम्मेदारियां आएंगी। पढ़ाई का समय पुनः नहीं आता, इसलिए परिश्रम, कौशल और नियमों का पालन करते हुए लक्ष्य प्राप्त करना आवश्यक है।मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि लेखन प्रक्रिया को साफ-सुथरा बनाना चाहिए। कभी अपने लक्ष्यों से भटकें नहीं। उल्लेखनीय है कि देवप्रयाग विधानसभा से विधायक विनोद कंडारी ने आठ वर्ष पूर्व इस पहल की शुरुआत की थी। इस वर्ष भारत दर्शन शैक्षिक भ्रमण 2025 के तहत देवप्रयाग के मेधावी छात्रों ने ऐतिहासिक साबरमती आश्रम का भ्रमण किया। इस अवसर पर छात्रों के साथ उनके शिक्षक-शिक्षिकाएं भी उपस्थित थे।

मांगों को लेकर सीएम को सौंपा ज्ञापन

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से रविवार को मुख्यमंत्री आवास में आंगनबाड़ी कार्यकत्री/सेविका/ मिनी कर्मचारी संगठन के सदस्यों ने भेंट की। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्री संगठन ने विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया। जिस पर मुख्यमंत्री ने सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्री संगठन की प्रदेश अध्यक्ष रेखा नेगी एवं अन्य सदस्य मौजूद रहे।

गुलदार का खधैफ, ग्रामीण दहशत में

चकराता। विकासखंड चकराता के लाखामंडल क्षेत्र में इन दिनों गुलदार की दहशत बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कई दिनों से गुलदार आबादी क्षेत्र के आसपास घूम रहा है और पशुओं पर हमला कर रहा है, लेकिन वन विभाग द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। ग्राम प्रधान बिना भट्ट ने बताया कि ग्रामीण लगातार वन विभाग से शिकायत कर रहे हैं, परंतु अब तक स्थिति जस की तस बनी हुई है। बुधवार को भी ग्रामीणों ने गुलदार को गांव के पास देखा, जिसके बाद क्षेत्र में भय का माहौल और गहरा गया है। लाखामंडल स्कूल में पढ़ने वाले लावड़ी, दत्तरोटा, भटाड़, मोठी, गोठाड़, धोरा पुडिया सहित कई गांवों के छात्र-छात्राएं इन दिनों डर के साये में स्कूल आ-जा रहे हैं। शिक्षकों ने भी अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों को स्कूल लाने और ले जाने में स्वयं साथ रहें ताकि किसी भी अनहोनी से बचा जा सके।रेंज अधिकारी विनोद चौहान ने बताया कि वन विभाग की टीम सुबह-शाम गश्त कर रही है। अभी तक गुलदार का प्रत्यक्ष सामना नहीं हुआ है, लेकिन एहतियातन निगरानी बढ़ा दी गई है।

जोशी ने किया हाथी बडकला में 619 लाख की पेयजल योजना का शिलान्यास

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने नयागांव विजयपुर हाथीबड़कला के सामुदायिक भवन में रुपये 619.66 लाख की लागत से निर्मित होने वाले ट्यूबवैल एवं ओवरहैड टैंक पेयजल योजना का विधिवत शिलान्यास किया। क्षेत्रवासियों ने कैबिनेट मंत्री जोशी का स्वागत किया और इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए आभार जताया।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार विकास कार्यों को तेज गति से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि “हमारी सरकार जिन योजनाओं का शिलान्यास करती है, उनका समय पर लोकार्पण भी सुनिश्चित करती है। मंत्री जोशी ने कहा कि सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र के साथ काम करते हुए जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार जनता की सरकार-जनता के द्वार की भावना के साथ कार्य कर रही है।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार संवेदनशील होकर जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि कहीं पर भी कोई छोटी या बड़ी घटना घटित होती है तो मुख्यमंत्री और मंत्रीगण तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति की स्वयं समीक्षा करते हैं, यही हमारी सरकार की संवेदनशील कार्यशैली है। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समय सीमा के भीतर सभी निर्माण कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से हजारों स्थानीय लोगों को नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित होगी तथा ये सभी परियोजनाएं क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था को मजबूत करते हुए नागरिकों को निर्बाध जल सेवा प्रदान करने में मील का पत्थर साबित होंगी।

■ मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में विकास कार्यों को तेज गति से आगे बढ़ा रही राज्य सरकार

काबीना मंत्री ने नयागांव सड़क चौड़ीकरण, नवादा में ब्राहमण सभा भवन में टिन शेड, सामुदायिक भवन हेतु जरनेटर सेट दिये जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भारतीय सर्वेक्षण विभाग से वार्ता कर सड़क मार्ग को खोलने सम्बन्धी कार्यवाही को भी प्राथमिकता पर किया जाऐगा।इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राजीव गुरुंग, ज्योति कोटिया, संध्या थापा, सरोज गुरुंग, ज्योति कोटिया, शहीद अजित प्रधान की माता हेमा कुमारी प्रधान, राजेंद्र खंडवाल, माधो प्रसाद, राजेंद्र सिंह थापा, समीर डोभाल, कैप्टन दिनेश प्रधान, सुखदेव गुरुंग, मीन बहादुर, जूना गुरुंग, जल निगम के ईई दीपक नौटियाल, ईई सचिन कुमार सहित सैकड़ों क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

राज्यसभा सांसद की अगुवाई में सीएम से मिला बार एसोसिएशन देहरादून का प्रतिनिधिमंडल

■ चौंबर निर्माण को शुल्क माफी की मांग रखी, ,सीएम ने दिया सकारात्मक कार्यवाई का आश्वासन

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून।भाजपा राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष व सासंद राज्यसभा डा. नरेश बंसल के नेतृत्व में रविवार को देहरादून बार एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल अपनी मांगो को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मिला।

डा. नरेश बंसल ने प्रतिनिधिमंडल संग सीएम धामी से बार एसोसिएशन की मांगो पर चर्चा की।ज्ञात हो बार एसोसिएशन के पिछले कुछ दिनो से जिला न्यायालय परिसर मे वकीलों के चौम्बर निर्माण के लिए चयनित भूमि में एमडीडीए द्वारा लगभग चार करोड़ के शुल्क माफी की मांग कर रहा है। इसी क्रम में डा. नरेश बंसल से एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने भेंट कर शुल्क माफी के लिए आग्रह किया । डा. नरेश बंसल की अगुवाई में रविवार को देहरादून बार एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल सीएम धामी से मिला व अपना मांग पत्र सौंपा। जिस पर डा. नरेश बंसल ने सीएम धामी से सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आग्रह किया, जिसे उन्होंने स्वीकार किया व इस पर अधिकारियों से चर्चा कर सकारात्मक कार्यवाई का आश्वासन दिया। इस अवसर पर देहरादून बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मनमोहन कंडवाल ,सचिव राजबीर सिंह बिष्ट ,पूर्व चौयरमैन सुरेन्द्र पुंडीर आदि उपस्थित रहे।

छात्राओं ने सीखे आपदा प्रबंधन के गुर

सहिया। सरदार महिपाल राजेंद्र जनजातीय पीजी कॉलेज साहिया के 26 छात्र-छात्राओं ने भारत स्काउट्स एंड गाइड्स उत्तराखंड द्वारा भूपालवाला, देहरादून में आयोजित आपदा मित्र प्रशिक्षण में प्रतिभाग कर आपदा प्रबंधन से जुड़े महत्वपूर्ण कौशल सीखे। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों में दक्ष बनाना है, ताकि आपात स्थिति में वे समाज की प्रभावी सहायता कर सकें।

सहसपुर पुलिस ने चलाया सत्यापन अभियान

सहसपुर। कोतवाली सहसपुर पुलिस द्वारा शंकरपुर सहसपुर मे सत्यापन अभियान चलाकर उल्लंघन कर्ताओ के विरुद्ध पुलिस एक्ट में चालानी कार्यवाही की गई। पुलिस ने 10 मकान मालिकों का किरायेदारों का सत्यापन न कराये जाने पर 100,000 रूपये का चालान न्यायालय तथा 81 पुलिस अधिनियम के अन्तर्गत 2500 रुपये का वसुला गया तथा 4 संदिग्ध व्यक्तियों को थाने लाकर पूछताछ की गई। थाना प्रभारी ने बताया कि सत्यापन की कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

सहकारिता से खुले आम लोगों की समृद्धि के द्वार

एस. आलम अंसारी

देहरादून। राज्य गठन के बाद ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में सहकारित विभाग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 25 वर्ष के कालखंड में सहकारी संस्थाओं के माध्यम से प्रदेश के किसानों, महिलाओं, काश्तकारों, कारीगरों और युवाओं को सशक्त बनाने और पलायन को रोकने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण व प्रभावशाली योजनाएं संचालित की गई। इसके साथ ही सहकारी संस्थाओं को अधिक संगठित, व्यापक और पारदर्शी बनाय गया। प्रदेश की शत-प्रतिशत पैक्स समितियों का कम्प्यूटरीकरण कर सहकारिता का लाभ आम लोगों को पहुंचाया गया। मुख्यमंत्री घस्यारी कल्याण योजना व माधो सिंह भण्डारी सहकारी सामूहिक खेती योजना जैसी अभिनव योजनाओं ने सहकारिता को जनांदोलन का स्वरूप प्रदान किया।

■ 11 लाख लाभार्थियों को बांटा 6957 करोड़ ब्याज मुक्त ऋण, शत-प्रतिशत डिजिटल हुई सहकारी समितियां, कामों में आई तेजी, विभाग के प्रशासनिक ढ़ांचे में सुधार को उठाये ऐतिहासिक कदम

सहकारिता में प्रशास. निक सुधार

राज्य गठन के समय सहकारिता विभाग में जहां 528 विभागीय पद स्वीकृत थे, वहीं अब इनकी संख्या 607 हो गई है। इसी प्रकार सहकारी समितियों की संख्या 1800 से बढ़ाकर 6346 की गई। जिला सहक. ारी बैंक शाखाएं 207 से 330 की गई। जबकि शीर्ष सहकारी संस्थाओं 03 से बढ़कर 14 हो गई है। इसी प्रकार वर्तमान में पैक्स समितियों की कुल संख्या 672 है। जहां पर आम लोगों को सभी सहकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। इसके अलावा सहकारिता विभाग ने विधिक एवं प्रशासनिक ढांचे को सुदृढ करने के लिए कई ऐतिहासिक कदन उठाये जिसके तहत सहकारी संस्थागत सेवामण्डल, सहकारी न्यायाधिकरण, सहकारी निर्वाचन प्राधिकरण का गठन किया गया।

पारदर्शी भर्ती व मानव संसाधन सशक्तिकरण

राज्य गठन के बाद विभाग में पारदर्शी भर्ती के माध्यम से योग्य कार्मिकों को नियुक्ति दी गई। सरकार ने पहली बार वर्ष 2018-19 में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्था आईबीपीएस के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं के माध्यम से जिला सहकारी बैंकों एवं शीर्ष सहकारी बैंकों में वर्ग-01, 02 व 03 के पदों पर 597 अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी गई। जबकि 177 पदों पर वर्तमान में भर्ती प्रस्तावित है। इसके अलावा सीधी भर्ती, राज्य आंदोलनकारी व मृतक आश्रित कोटे के माध्यम से विभिन्न पदों पर 475 कार्मिकों की नियुक्ति की गई।

ब्याज मुक्त ऋण से 11 लाख लोग लाभान्वित

सहकारिता विभाग के अंतर्गत संचा. लित दीनदयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना के तहत वर्ष 2017 से सितम्बर 2025 तक 1134434 लाभार्थियों एवं 6413 स्वयं सहायता समूहों को कुल 6957. 88 करोड़ ब्याज मुक्त ऋण वितरित किया जा चुका है, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इस योजना के तहत किसानों की आय दोगुना करने के उददेश्य से कृषि कार्यों के लिए 01 लाख, कृषियेत्तर कार्यों के लिए 03 लाख और स्वयं सहायता समूहों को 05 लाख तक की धनराशि का ब्याजरहित ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

किसानों की उपज खरीद में वृद्धि

उत्तराखंड राज्य सहकारी संघ द्वारा प्रदेशभर में किसानों की उपज को खरीदा जा रहा है, जिससे किसानों को खास लाभ हो रहा है। 239 क्रय-केन्द्र के माध्यम से स्थानीय कृषकों से 67171.92 कुन्तल मिलेट्स खरीदकर कुल 26.52 करोड़ का भुगतान किसानों को किया गया।

घास के बोझ से मुक्त हुई महिलाएं

प्रदेश के दूरस्थ ग्रामीण पर्वतीय क्षेत्रों की महिलाओं को चारे बोझ से मुक्त किये जाने के उददेश्य से मुख्यमंत्री घस्यारी कल्याण योजना के तहत अनुदानित दर पर पैक्ड सायलेज एवं सम्पूर्ण मिश्रित पशु आहार वितरित किया जा रहा है। प्रदेश के 11 जिलों में लगभग 182 सहकारी समितियों के माध्यम से आतिथि 555582 मैट्रिक टन सायलेज वितरित कर 54 हजार लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया।

सामूहिक खेती से सरसब्ज हुई बंजर जमीन

माधो सिंह भण्डारी सहकारी सामूहिक खेती योजना आज मॉडल योजना के तौर पर पहचानी जा रही है। इस योजना के तहत राज्य में पलायन के कारण हुई बंजर हुई जमीन को खेती योग्य भूमि बनाया गया। वर्तमान में राज्य के सभी 13 जनपदों में 24 सहकारी समितियों से जुड़े लगभग 2400 किसानों के माध्यम से कुल 1235 एकड़ भूमि पर संयुक्त सहक. ारी खेती की जा रही है।

आईटीबीपी को उपलब्ध करा रहे स्थानीय उत्पाद

वाईब्रेंट विलेज योजना के तहत भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल एंव भारतीय सेना की राज्य में तैनात वाहिनी के लिये वॉकल फॉर लोकल परिकल्पना को साकार कर फेडरेशन व समितियों के सदस्यों के द्वारा उचित मूल्य पर स्थानीय उत्पादों जीवित बकरी, भेड़, कुक्कट, ट्राउट फिश व फल-सब्जियों की आपूर्ति की जा रही है।

संकल्प से सिद्धि मंत्र को किया जा रहा साकार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प से सिद्धि मंत्र को आत्मसात करते हुए प्रदेश में एनसीडीसी के माध्यम से राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना का संचालन किया जा रहा है। जिसके तहत चार क्षेत्र सहकारिता, मत्स्य, भेड़-बकरी पालन एवं डेयरी विकास के अंतर्गत विभिन्न गति. विधियां संचालित की जा रही है। इसके माध्यम से 50000 किसान प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हो रहे हैं 670 पैक्स समितियां हुई कम्प्यूटरीकृत

ऑक्सफोर्ड स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में 42वें वार्षिक कार्निवल का आयोजन

देहरादून।में स्थित ऑक्सफोर्ड स्कूल ऑफ एक्सीलेंस ने इस वर्ष के शानदार थीम कार्निवल क्रेज के तहत अपने 42वें वार्षिक संस्करण का आयोजन किया। देहरादून के 5, म्युनिसिपल रोड स्थित स्कूल परिसर में आयोजित इस प्रिय वार्षिक कार्यक्रम ने छात्रों, अभिभावकों और स्कूल समुदाय को पारिवारिक मनो. रंजन और सांस्कृतिक प्रदर्शन के एक शानदार दिन के लिए एक साथ लाया। कार्यक्रमों की शुरुआत सुबह 10 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुई, जिसके बाद सुबह 11 बजे से बहुप्रतीक्षित वार्षिक स्कूल फेट शुरू हुआ। उपस्थित लोगों ने विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आनंद लिया, जिनमें विविध फूड स्टॉल, आकर्षक गेम्स और जीवंत म्यूजिक शामिल थे, जिसका उत्साह एक रोमांचक तांबोला और लकी ड्रॉ के साथ चरम पर पहुँचा।

गुटबाजी से ध्यान हटाने की कोशिश है कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तनः भट्ट

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा कि कांग्रेस मे हुआ नेतृत्व परिवर्तन और नई समिति का गठन हर चुनाव से पहले की प्रक्रिया है और इसका कोई असर चुनाव नतीजों पर नही पड़ने वाला है। जनता कांग्रेस की हर गतिविधि से वाकिफ है।

पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब मे भट्ट ने कहा कि जिन चेहरों को समिति मे जगह मिली है वह कांग्रेस मे बड़े गुट हैं। राज्य की जनता भी उनसे भली भाँति वाकफ्फि है। इस रणनीति से कांग्रेस को कितना लाभ हुआ यह तो बाद का सवाल है, लेकिन इससे कुछ नये गुट भी निश्चित रूप से उभरे है। कांग्रेस मे ही चर्चा आम है कि उनके बायोवृद्ध नेता को सन्यास के संकेत दिये गए हैं। भट्ट ने कहा कि कांग्रेस की संगठनिक रचना और रणनीति उसका निजी विषय है, लेकिन विकास कार्यों को लेकर उसकी नकारात्मक प्रतिक्रिया तथ्यों के विपरीत है। विकास और भ्रष्टाचार के खिलाफ साहसिक कानून बनाने वाला उतराखंड देश मे रोल मॉडल है।उन्होंने कहा कि अब दुष्प्रचार से जीत हासिल नही की जा सकती है, क्योकि विहार को इसके उदाहरण के तौर पर लिया जा सकता है। भ्रष्टाचार और कुशासन मे लिप्त लोग सदाचार और सुसासन की दुहाई दे रहे थे तो जनता ने उन्हे उनकी जगह बता दी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड मे भी संदेश साफ है कि जनता नकारात्मकता को बर्दाश्त नही करेगी।

भट्ट ने कहा कि उत्तराखंड आज विकास की रफ्तार पकड़ चुका है और आगामी दशक का श्रेष्ठ राज्य बनने की दिशा मे अग्रसर है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के मार्ग दर्शक हैं और राज्य मे लाखों करोड़ के कार्य वर्तमान मे चल रहे हैं। राज्य हर क्षेत्र मे तरक्की कर रहा है। वहीं पीएम हर दौरे पर राज्य को सौगातें देते रहे है। जनता को भाजपा पर अटूट भरोसा है और यह 2027 मे भी कारगर सिद्ध होगा।

शक्ति प्रदर्शन कर गोदियाल ने संभाला पदभार

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस में संगठनात्मक बदलाव के बाद रविवार को पार्टी को नया नेतृत्व मिल गया है। नवनियुक्त प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने देहरादून में आयोजित सादे लेकिन गरिमामयी समारोह में विधिवत रूप से पदभार ग्रहण किया। कार्यक्रम में कांग्रेस के शीर्ष और वरिष्ठ नेता बड़ी संख्या में मौजूद रहे, जिसने इस मौके को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया।

रविवार को जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर पहुंचने और वहां से राजीव भवन तक कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने नई टीम के स्वागत किया। कार्यक्रम में कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह, सांसद-विधायक और कई वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।निवर्तमान अध्यक्ष करण माहरा ने औपचारिक रूप से गणेश गोदियाल को उनका कार्यभार सौंपा।पदभार संभालने से पहले गणेश गोदियाल दिल्ली पहुंचे, जहां उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की। इस मुलाकात में संगठनात्मक मजबूती, उत्तराखंड की राजनीतिक स्थिति और आगामी चुनावी रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। कांग्रेस हाईकमान ने ही गोदियाल पर भरोसा जताते हुए उन्हें प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कमान सौंपी है। हाल ही में पार्टी संरचना में बड़े बदलाव किए गए थे, कांग्रेस की नई संरचना के तहत पार्टी ने कई महत्वपूर्ण पदों पर फेरबदल करते हुए गणेश गोदियाल को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, प्रीतम सिंह को प्रचार समिति अध्यक्ष व डॉ. हरक सिंह रावत को चुनाव प्रबंधन समिति अध्यक्ष का अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं करण माहरा को कांग्रेस कार्यसमिति में विशेष आमंत्रित सदस्य की जिम्मेदारी दी गई हैं।यह बदलाव पार्टी संगठन को मजबूती देने और आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं।

दूसरी बार मिली जिम्मेदारी

गणेश गोदियाल पहले भी उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रह चुके हैं। वह 22 जुलाई 2021 से 10 अप्रैल 2022 तक यह दायित्व निभा चुके हैं। संगठन को पुनर्जीवित करने और कार्यकर्ताओं को जोड़ने में उनकी भूमिका को देखते हुए हाईकमान ने उन्हें दोबारा मौका दिया है।

सीएम व महानिदेशक सूचना ने दी राष्ट्रीय प्रेस दिवस की शुभकामनाएं

देहरादून।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज को सही दिशा देने और सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचने में मीडिया की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। मीडिया अपने कर्तव्य और कार्यों से एक विकसित समाज का निर्माण कर सकता है। उन्होंने कहा मीडिया ही जनता और सरकार के बीच सेतु का कार्य करता है जिससे सामा. जिक सरोकारों को आगे बढ़ाने में सहायता मिलती है।महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी ने भी सभी पत्रकारों को राष्ट्रीय प्रेस दिवस की शुभकामनाएं दीं हैं।

घर-घर स्वदेशी की भावना आत्मसात करनी होगी

अल्मोड़ा में महिला सम्मेलन: आत्मनिर्भर भारत एवं स्वदेशी संकल्प को मिला बल

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत रविवार को जिला पंचायत सभागार, अल्मोड़ा में महिला सम्मेलन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी, स्वदेशी अपनाने का संदेश तथा स्वयं सहायता समूहों की भूमिका पर विशेष चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोऑपरेटिव बैंक की निवर्तमान अध्यक्ष ललित लटवाल ने शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष लीला बोरा ने की। विशिष्ट अतिथियों में जिला पंचायत अध्यक्ष हेमा गैड़ा, महापौर अजय वर्मा, जिलाध्यक्ष महेश नयाल, पूर्व विधायक कैलाश शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष रमेश बहुगुणा, रवि रौतेला, नगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट मौजूद रहे। मुख्य अतिथि ललित लटवाल ने कहा कि आज मडुवे के बिस्किट सहित पहाड़ी उत्पादों पर हमें गर्व तो है, लेकिन हम उन्हें अपने दैनिक जीवन में अपनाते नहीं हैं। यदि समाज को मजबूत बनाना है तो स्वदेशी अपनाने की भावना हर घर में विकसित होनी चाहिए। प्रदेश सरकार द्वारा स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित किए गए हैं। कई महिलाओं ने उत्कृष्ट कार्य करते हुए तिलू रौतेली पुरस्कार प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। गो-पालन एवं स्थानीय उत्पादों के क्षेत्र में युवा तेजी से आगे आ रहे हैं, जो आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई दिशा प्रदान करते हैं। जिलाध्यक्ष महेश नयाल ने माताओं-बहनों से आग्रह किया कि महिलाएँ समूहों के माध्यम से स्वयं को, अपने परिवार को और समाज को आत्मनिर्भर भारत एवं स्वदेशी अभियान का मजबूत हिस्सा बनाएं। सम्मेलन में उपस्थित सभी वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी की भावना को आत्मसात कर ही भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प पूरा किया जा सकता है। अंत में आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम में महिलाओं को सम्मानित भी किया गया जिन्होंने अपने क्षेत्र में स्वरोजगार स्वालंबन का कार्य किया है। कार्यक्रम का संचालन भावना मल्होत्रा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष पूनम पाल. ीवाल, मनीष जोशी मंटू, डा. वसुधा पंत, हवालबाग मंडल अध्यक्ष संजय बिष्ट, जिला मंत्री रेखा आर्या, मनोज जोशी, तारा जीना, बिना नयाल, कमला भट्ट, इंद्रा बिष्ट, मंडल अध्यक्ष तारा नयाल, कैलाश गुररानी, दिनेश मठपाल, नेहा उप्रेती, ममता साह, कमला तिवारी, दीपा बिष्ट, दीपा अधिकारी, आनंद भोज, चंद्र लटवाल, ममता खत्री, मीना नेगी, कविता वर्मा, कमला जोशी, प्रीति रस्तोगी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिक्षा विभाग ने खिताब जीता

अल्मोड़ा। हेमवती नंदन बहुगुणा स्पोर्ट्स स्टेडियम अल्मोड़ा में आयोजित तृतीय विभागीय क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में शिक्षा विभाग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुलिस विभाग को 65 रनों से पराजित किया। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब शिक्षा विभाग ने फाइनल में पुलिस विभाग को मात देकर खिताब अपने नाम किया। टूर्नामेंट का आयोजन मेहरा स्पोर्ट्स एकेडमी अल्मोड़ा द्वारा किया गया। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए शिक्षा विभाग ने 176 रनों का मजबूत लक्ष्य रखा। टीम की तरु से कंचन जीना ने 67 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं कप्तान संदीप गोस्वामी ने 22 रन बनाए और गेंदबाज़ी में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 4 महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पुलिस विभाग की टीम शिक्षा विभाग की सधी हुई गेंदबाज़ी के आगे टिक नहीं सकी और 111 रनों पर ऑल आउट हो गई। मैच के बाद आयोज. कों ने विजेता व उपविजेता टीमों को ट्राफी प्रदान करते हुए खिलाड़ियों के प्रदर्शन की प्रशंसा की।

एक नजर

कोतवाली में थाना दिवस का आयोजन

बागेश्वर। कोतवाली में रविवार को थाना दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके ने लोगों की समस्याएं सुनी। यहां आयोजित थाना दिवस कार्यक्रम में लोगों ने जिला मुख्यालय सहित जनपद में यातायात, हुड़दंग/नशाखोरी, अतिक्रमण, पुलिस गस्त बढ़ाने सम्बन्धी शिकायतों एवं सुझाव दिए गए। इस अवसर पर एसपी ने जनता से सीधे संवाद स्थापित करते हुए त्वरित समाधान, पारदर्शिता के साथ कार्य करने की बात कही। उन्होंने जनता से अपने आसपास हो रहे आपराधिक गतिविधियों की जानकारी तत्काल पुलिस को देने व बागेश्वर को नशामुक्त बनाने मे पुलिस का सहयोग करने की बात कही। इधर कपकोट में पुलिस उपाधीक्षक कपकोट मनीष शर्मा द्वारा थाना कपकोट में कार्यक्रम का नेतृत्व किया। साथ ही सभी थाना प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में प्रभावी रूप से थाना दिवस संचालित किया। जनता की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनकर समाधान किया गया। इस मौके पर नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष सूरज जोशी, सभासद नवीन रावल, ग्राम प्रधान दीपक खेतवाल, गंगा सिंह पांगती, शेर सिंह बिष्ट, भूपाल सिंह, राजेंद्र परिहार सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

आरएसएस का गृह सम्पर्क अभियान शुरू

बागेश्वर। रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के अवसर पर गृह संपर्क अभियान की शुरुआत बाबा बागनाथ मंदिर परिसर से हुई। संघ के पदाधिकारियों और स्वयंसेवकों ने पूजा-अर्चना के बाद अभियान की औपचारिक शुरुआत की। कार्यक्रम में संघ कार्यकर्ता भूपेश मिश्रा ने बताया कि यह अभियान सेवा, संपर्क और समरसता के तहत समाज में सकारात्मक संवाद बढ़ाने का हिस्सा है। स्वयंसेवक घर-घर जाकर संघ के कार्यों की जानकारी देंगे और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का संदेश फैलाएंगे। अभियान नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में चलाया जाएगा।

तहसीलदार दिलीप सिंह तबादला, विदाई दी

बागेश्वर। तहसीलदार (सदर) दिलीप सिंह का ऊधमसिंहनगर जिले में स्थानांतरण हुआ। रविवार को उन्हें तहसील सभागार में विदाई दी गई। सरल, सौम्य और कर्तव्यनिष्ठा से जिले में सेवा दे चुके दिलीप सिंह को तहसील स्टाफ द्वारा उन्हें प्रतीक चिन्ह एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। साथ ही उनके साथ कार्य कर चुके कर्मचारियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामनाओं के साथ विदाई दी।

थाना दिवस में कोतवाल ने सुनी समस्याएं

कालाढूंगी। रविवार को कोतवाली में थाना दिवस का आयोजन किया गया। कोतवाल अरुण कुमार सैनी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में दर्जनभर से अधिक फरियादी अपनी समस्याओं के समाधान के लिए पहुंचे। अधिकांश मामलों में परिवारिक समस्याएं शामिल थीं, जिनका मौके पर ही समाधान किया गया। कोतवाल अरुण कुमार सैनी ने फरियादियों को उनके अधिकारों के बारे में भी जानकारी दी और कहा कि कोतवाली आने वाले हर फरियादी की शिकायत को गंभीरता से सुना जाएगा और शीघ्र समाधान किया जाएगा। साथ ही, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। इस मौके पर उपनिरीक्षक पंकज जोशी सहित कई पुलिसकर्मी भी मौजूद थे।

33.44 ग्राम स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

काशीपुर। एसओजी व कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने वाहन चेकिंग के दौरान एक युवक को 33.44 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। विगत रात एसओजी प्रभारी सुनील सुतेड़ी पुलिस टीम के साथ गश्त कर रहे थे। इस दौरान टीम ने ढकिया-रायपुर रोड पर वाहन चेकिंग शुरू करते हुए एक बाइक सवार को चेकिंग के लिए रुकने का इशारा किया। तब वह सकपका गया। जिस पर टीम ने उसको दौड़कर पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 33.44 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम महेंद्र कुमार पुत्र रामलाल सिंह निवासी ध्याननगर, जसपुर बताया।

खेत में तेंदुआ देखे जाने से दहशत में किसान

काशीपुर। कुंडेश्वरी स्थित गढ़वाल ब्लॉक में फॉर्मर आरडी खान के गन्ने के खेत में तेंदुआ देखे जाने से किसानों में भय का माहौल बना हुआ है। तेंदुए के आने की सूचना वन विभाग के कर्मियों को दे दी गई है। गत शाम करीब छह बजे आरडी खान के खेत में चालक गुरजीत सिंह उर्फ गज्जू गेहूं की बुवाई के लिए ट्रैक्टर से जमीन की जुताई कर रहा था। तभी गन्ने की पेड़ी से तेंदुआ बाहर निकल आया। चालक गुरजीत ने अपने भाई विक्की की मदद से तेंदुए की वीडियो बनाई। क्षेत्र में तेंदुए की सक्रियता से किसानों में भय का माहौल है। मामले की सूचना वन क्षेत्राधिकारी देवेंद्र सिंह रजवार को दे दी है। एसडीओ रजवार ने बताया कि विभागीय टीम मौके पर भेजी जाएगी।

विकास कार्य सरकार की प्राथमिकता: रेखा आर्या

अल्मोड़ा। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने रविवार को सोमेश्वर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम धूमण और सतरासी अरडिया में आयोजित जन मिलन कार्यक्रमों में भाग लिया। इस दौरान क्षेत्रवासियों ने संपर्क पुल निर्माण, मंदिरों के सौंदर्यीकरण, पेयजल योजना शुरू करने तथा सड़क मार्गों के निर्माण की मांग रखी। रेखा आर्या ने कहा कि ये सभी कार्य विधायक निधि और जिला योजना के माध्यम से शीघ्र पूरे कराए जाएंगे। उन्होंने जन मांगों को देखते हुए पेयजल योजना समेत अन्य विकास कार्यों के लिए विधायक निधि से ढाई-ढाई लाख रुपये देने की घोषणा की।

संघ का गृह सम्पर्क अभियान शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, अल्मोड़ा द्वारा रविवार को व्यापक गृह संपर्क अभियान का शुभारंभ मां नंदा देवी मंदिर में किया गया। इस अवसर पर प्रांत, जिला एवं नगर स्तर के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मां नंदा देवी के जयकारों और संकल्प वाचन के साथ हुई। प्रांत सह-बौद्धिक प्रमुख राजेश ने बताया कि 16 नवंबर से पूरे प्रांत में यह व्यापक गृह संपर्क अभियान प्रारंभ किया गया है। अल्मोड़ा जिले से इसकी औपचारिक शुरुआत की गई है। नगर क्षेत्र के साथ-साथ प्रत्येक मंडल और गांव तक पहुँचने हेतु चार-पाँच टोलियों का गठन किया गया है। प्रांत कार्यकारिणी ने अभियान के संचालन हेतु सभी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए है। जिला कार्यवाह जगदीश ने बताया कि नगर की 12 बस्तियों में टोली निर्माण पूर्ण कर लिया गया है और खंड के प्रत्येक मंडल में भी संपर्क टोली गठित हो चुकी है। पत्रक, सूचना-पत्र और संघ साहित्य सभी पालकों तक पहुंचाया गया है। मां नंदा देवी मंदिर से ही नगर में अभियान का शुभारंभ किया गया। जिला प्रचारक वीरेंद्र ने कहा कि इस अभियान में जागरण श्रेणी और संगठन श्रेणी का समन्वय सुनिश्चित रहेगा। यहां अर्जुन, बद्री विशाल, बलवंत सिंह, भगवान सिंह, बंटी कुमार, सूरज, संजय, भुवन भास्कर सिंह, करन, कुंवर सिंग, कैलाश चंद्र जोशी, गणेश सिंह, गौरव कर्नाटक, गोविंद सिंह, चंदन, दर्शन रावत, दीपक गुररानी, दीपांशु राणा, त्रिलोचन जोशी, नमन, नरेंद्र सिंह, प्रकाश चंद्र लोहनी, मोहन चंद्र पांडे, मोहित बिष्ट, मनोज तिवारी, मनीष जोशी, रमेश बहुगुणा, राजेश राठौर, राजेंद्र जोशी, राहुल सिंह, सुरेश कांडपाल, सुनील कर्नाटक, वीरेंद्र, वीरेंद्र पथनी आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर आयोजित हुई गोष्ठी

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर सूचना विभाग अल्मोड़ा द्वारा 'बढ़ती भ्रामक सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता का संरक्षण' विषय पर एक सारगर्भित गोष्ठी का आयोजन किया गया। राजकीय संग्रहालय के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश पांडे ने की। गोष्ठी में उपस्थित पत्रकारों और मीडिया प्रतिनिधियों ने डिजिटल युग में तेजी से फैल रही भ्रामक सूचनाओं (मिसइंफार्मेशन व डिसइंफॉर्मेशन) की चुनौतियों पर गहन चर्चा की साथ ही प्रेस की विश्वसनीयता को बनाए रखने पर जोर दिया। अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश पांडे ने कहा कि आज मीडिया उपयोगकर्ताओं की संख्या जितनी बढ़ी है, उतनी ही झूठी सूचनाओं की गति भी बढ़ी है। ऐसे समय में प्रेस की भूमिका और जिम्मेदारी और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

उन्होंने कहा कि विश्वसनीयता ही किसी मीडिया संस्थान की सबसे बड़ी पूंजी है, जिसे तथ्यपरक रिपोर्टिंग, सटीक आंकड़ों तथा पारदर्शी कार्यप्रणाली से ही संरक्षित रखा जा सकता है।

वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए फेक न्यूज़ की पहचान, तथ्य-जांच (फैक्ट चेक), डिजिटल साक्षरता, और नैतिक पत्रकारिता जैसे विषयों पर प्रकाश डाला। साथ ही विश्वसनीय स्रोतों, प्रमाणित जानकारी तथा संपादकीय अनुशासन को प्रेस स्वतंत्रता के साथ जोड़ते हुए गुणवत्ता युक्त पत्रकारिता को समय की आवश्यकता बताया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न मीडिया संस्थानों से जुड़े पत्रकारों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। अंत में जिला सूचना अधिकारी सत्यपाल सिंह ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। सभी पत्रकारों ने एकजुट होकर पत्रकारिता की स्वतंत्रता, विश्वसनीयता तथा प्रभावशीलता को बढ़ाने की बात पर बल दिया।

पत्रकार मोहन कोरंगा को मातृशोक

शाह टाइम्स संवाददाता

शांतिपुरी। पत्रकार मोहन सिंह को. रंगा की मां 83 वर्षीय मोतिमा देवी पत्नी स्व. हिम्मत सिंह कोरंगा का निधन रविवार प्रातः 6.30 बजे उनके शांतिपुरी स्थित आवास पर हुआ। वह लंबे समय से बीमार थीं और उनका इलाज दिल्ली राजीव गांधी अस्पताल से चल रहा था। उनका अंतिम संस्कार शांतिपुरी गोला नदी के इमलीघाट पर किया गया। उनकी चिता को पुत्रगण पान सिंह कोरंगा, मोहन सिंह कोरंगा व कमल को. रंगा ने मुखाग्नि दी। उनके निधन पर पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी, क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ व क्षेत्रीय जनप्रति. निधियों तथा समाजसेवियों ने शोक व्यक्त किया है।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता का समापन

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। राधे हरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय 50वीं अंतर-महाविद्यालयी एथलेटिक्स प्रतियोगिता (पुरुष/महिला) का आज विधित समापन हो गया। बीस वर्षों बाद इस प्रतिष्ठित महाविद्यालय को इस विराट आयोजन की मेजबानी का अद्वितीय और गौरवपूर्ण अवसर प्राप्त हुआ, जिसमें प्रदेश के अठारह महाविद्यालयों की प्रतिभावान टीमों ने उत्साहपूर्ण एवं अनुशासित प्रतिभागिता दर्ज की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बृजेंद्र चौधरी व विशिष्ट अतिथि डॉ. नागेंद्र शर्मा रहे। अंतर्राष्ट्रीय धावक रमेश खर्कवाल एवं सुरेश चंद्र पांडे, एनआईएस कोच डॉ. ममता जोशी पाठक आदि के योगदान से यह विशाल प्रतियोगिता संपन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रभारी प्राचार्य प्रो. भारत उपाध्याय ने सहयोग के लिए सभी का आभार जताया। महाविद्यालय के अध्यक्ष जतिन शर्मा ने सभी सदस्यों का अभिनंदन किया। महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. सुदर्शन कुमार ने सभी अतिथियों व खिलाड़ियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अंतर-महाविद्यालयी एथलेटिक्स प्रतियोगिता का यह तीन दिवसीय भव्य आयोजन प्रतिभागी खिलाड़ियों की श्रेष्ठ प्रतिभा और अनुशासन का उज्ज्वल प्रमाण बना है। आयोजन का संचालन डॉ. नीरज शुक्ला द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में प्रो महिपाल सिंह प्रो केएन यादव प्रो आदित्य प्रकाश सिंह डा. महेंद्र जोशी डॉ. पदमा वशिष्ठ डॉ. भानु प्रकाश डॉ. चंद्रकला डॉ. कुंवर पाल सिंह डॉ. शक्ति सिंह राणा एसएस बिष्ट तथा महाविद्यालय के छात्र संघ के पदाधिक. ारी व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सरकारी धन का दुरुपयोग

शाह टाइम्स संवाददाता

कालाढूंगी। सिंचाई विभाग द्वारा नहर मरम्मत के नाम पर कथित तौर पर सरकारी धन का दुरुपयोग करने का आरोप सामने आया है। पिछले साल सरकार द्वारा कालाढूंगी-कोटाबाग क्षेत्र में सिंचाई नहरों की मरम्मत के लिए करोड़ों रुपये का बजट पास किया गया था, जिसके तहत विभाग ने नहरों की सफाई और मरम्मत का कार्य शुरू किया। हालांकि क्षेत्रीय जनता ने समय-समय पर विभाग के कार्यों पर सवाल उठाए हैं। खासकर कालाढूंगी मुख्य नहर जो हल्द्वानी-रामनगर मार्ग से गुजरती है, के संबंध में आरोप हैं कि ब्रिटिश काल की मजबूत नहर को मरम्मत के नाम पर पूरी तरह से तोड़कर पुनः बनाया जा रहा है। जबकि नहर का अधिकांश हिस्सा मजबूत है और कुछ स्थानों पर मामूली टूट-फूट है। विभाग द्वारा बेस को तोड़कर नहर को फिर से बनाने से सरकारी धन के अपव्यय का अंदेशा जताया जा रहा है। इस बारे में जब सिंचाई विभाग के एसडीओ गणेश पांडे से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि बरसात के दिनों में नहर ओवरफ्लो हो जाती है, जिसके कारण नहर की मरम्मत की जा रही है।

मेयर ने किया तीरंदाजी का शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। केडीएफ व उत्तराखंड तीरंदाजी संघ देहरादून के संयुक्त तत्वावधान में लिटिल स्कॉलर्स स्कूल में दो दिवसीय तीरंदाजी प्रतियोगिता कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मेयर दीपक बाली, केडीएफ अध्यक्ष राजीव घई तथा प्रतियोगिता संयोजक चक्रेश जैन ने किया। प्रतियोगिता के माध्यम से राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता के लिए प्रदेश की टीम का चयन किया जाएगा। तीरंदाजी कोच हेमचंद्र हर्बोला ने बताया कि लॉन्गबो राउंड (बालक वर्ग) में विकासनगर के नमन प्रथम और वेदांश द्वितीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में हरिद्वार की दीया प्रथम और विकासनगर की सानिया द्वितीय रहीं। कंपाउंड जूनियर बालक वर्ग में दिग्विजय सिंह ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि अबी सैनी दूसरे स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में हरिद्वार की जीया प्रथम और अनुष्का बिजल्वान द्वितीय स्थान पर रहीं। रिकर्व जूनियर राउंड में हरिद्वार के हर्षित प्रथम और देहरादून के चैतन्य सेठी द्वितीय स्थान पर रहे। केडीएफ कोच हेमचंद्र हरबोला, तीरंदाजी संघ अध्यक्ष डॉ. आनंद सिंह राणा और महासचिव राजेंद्र तोमर ने बताया कि प्रतियोगिता तीन वर्गों में आयोजित की जा रही है। यहां कोच ऑफिशियल संदीप डुक्लाम, पंकज अरोरा, स्कूल की चेयरमैन रितु भल्ला, पंकज भल्ला, रमेश सेमबाल, सोमनाथ, ओमप्रकाश, डॉ. इला मेहरोत्रा, डॉ. नरेश मेहरोत्रा आदि उपस्थित रहे।

क्रिकेट टूर्नामेंट 21 से

काशीपुर। काशीपुर बार एसोसिएशन काशीपुर के तत्वाधान में उत्तराखंड अधिवक्ता क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पूरे उत्तराखंड से 50 से अधिक बार एसोसिएशंस की टीम में प्रतिभाग करेंगी। यह क्रिकेट टूर्नामेंट 21 दिसंबर 2025 से 1 जनवरी 2026 तक संपन्न होगा। इस मौके पर पूरे शहर के खिलाड़ी तथा बड़ी संख्या में शहरी लोग मौजूद रहेंगे। मीडिया कार्यक्रम का प्रभार वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार मिश्रा व बार एसोसिएशन काशीपुर के पूर्व ऑडिटर भास्कर त्यागी एडवोकेट संभालेंगे। बार एसोसिएशन काशीपुर के अध्यक्ष अवधेश कुमार चौबे, सचिव नृपेंद्र चौधरी, उपाध्यक्ष अनूप शर्मा, उप सचिव सूरज कुमार, कोषाध्यक्ष सौरभ शर्मा, ऑडिटर हिमांशु बिश्नोई, पुस्तकालय अध्यक्ष सतपाल बल मौजूद रहे।

उत्तराखण्ड के हाल 25 साल पर मंथन

शाह टाइम्स संवाददाता

बागेश्वर। संघर्ष वाहिनी जनपद बागेश्वर ने रविवार को जिले के स्थानीय एक होटल में जनसंवाद परिचर्चा- उत्तराखंड के हाल 25 साल पर मंथन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पी सी तिवाड़ी एवं उनके साथी प्रभात ध्यानी, चारु तिवाड़ी सहित अन्य ने जिले के लोगों से संवाद किया। कार्यक्रम में पीसी तिवाड़ी ने कहा कि उत्तराखंड राज्य को बने 25 साल हो गए है, लेकिन उत्तराखंड की जिन परिकल्पनाओं पर स्थापना की गई थी, वो कही नजर नहीं आता है। कहा उत्तराखंड की असीमता खतरे में है, राज्य की मूल भूत सुविधा शिक्षा स्वास्थ्य को लेकर लोग सड़कों में है। राज्य के लोग नाश मुक्त की मांग करते है, लेकिन सरकार हमें यूसीसी समान नागरिक संहिता थमा देती है। जबकि राज्य में न समान स्वास्थ्य, न शिक्षा है, न रोजगार है। आज राज्य के जल जंगल जमीन पर कार्पोरेट का कब्जा हो गया है। जिसके चलते राज्य पर बहुत बड़ा कर्ज हो गया। आज राज्य उन कार्पोरेट एवं ऐसी सरकारों से मुक्ति चाहता है। उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य गैरसैंण को स्थाई राजधानी, एवं उत्तराखंड के नवजवानों, युवाओं, महिलाओं, जल, जंगल, जमीन पर उत्तराखंड के स्थाई निवासियों का अधिकारी व रोजगार की लड़ाई है। इसके लिए वे राज्य के हितैषी संगठनों को एकजुट कर नई मुहिम चलाई जा रही है। वक्ताओं ने कहा कि चुनाव में हो रहे धन बल के प्रयोग को पूरी तरह से रोकने एवं सरकारों व निर्वाचन आयोग की इस मिलीभगत को रोकना उनका मकसद है। कहा कि आज देश के लोगों को नागरिक बनने की जरूरत है। राष्ट्रीय पार्टियों द्वारा लोगों को मुर्गी का चूजा बना दिया है। महीने में पांच किलो राशन दे दो और उन्हें जैसे चाहे वैसे नचा लो, जो अब राज्य के लोग सहन नहीं करेंगे। इस मौके पर संघर्ष वाहिनी के जिलाध्यक्ष कवि जोशी, रमेश कृषक, भुवन कांडपाल, प्रमोद मेहता, भास्कर तिवाड़ी सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

एलुमनाई मीट में पुरानी यादों को किया ताज़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

पंतनगर। विश्वविद्यालय स्थापना दिवस सप्ताह के अवसर पर दो दिवसीय एलुमनाई मीट का आयोजन सफलता पूर्वक किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न बैचों के पूर्व छात्र उत्साहपूर्वक शामिल हुए, खासकर 1972 के कृषि बैच के पूर्व छात्रों की उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का आयोजन एलुमनाई अल्मा मेटर एडवांसमेंट एसोसिएशन (4ए) के बैनर तले हुआ, जिसमें पूर्व छात्रों ने पुरानी यादों को ताजा किया और एक-दूसरे से आत्मीय संवाद किया, जिससे यह आयोजन यादगार बन गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान, विशिष्ट अतिथि पूर्व कुलपति डा. बीएस बिष्ट, कुलसचिव डा. दीपा विनय, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. ए. एस. जीना और सचिव 4ए, डा. अनिल यादव मंचासीन रहे। कुल. पति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की कई प्रमुख उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि बेल्जियम सरकार विश्वविद्यालय को देशी बद्री नस्ल की गाय के क्लोनिंग कार्य के लिए 12 करोड़ रुपये प्रदान करेगी, जो पशु जैव-प्रौद्योगिकी और देशी नस्लों के संरक्षण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। इसके अलावा, आईसीएआर ने विश्वविद्यालय को अनुसंधान, शिक्षण और विस्तार व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 7 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। कुल. पति ने विश्वविद्यालय में स्थापित अर्धचालक (सेमीकंडक्टर) प्रयोगशाला का भी उल्लेख किया, जो किसी कृषि विश्वविद्यालय के लिए एक नई दिशा है। इस प्रयोगशाला में 16 छात्रों को उच्च स्तरीय प्लेसमेंट और इंटर्नशिप मिली हैं, जो विश्वविद्यालय की प्रगति और छात्रों की तैयारी को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि पंतनगर विश्वविद्यालय कृषि के यंत्रीकरण, उत्पादकता बढ़ाने और कृषि के आधुनिकीकरण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। पूर्व कुलपति डा. बीएस बिष्ट ने विश्वविद्यालय परिवार को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं और पूर्व छात्रों और विश्वविद्यालय के बीच मजबूत भावनात्मक संबंध की सराहना की। इस अवसर पर पूर्व छात्रों द्वारा स्थापित कई प्रतिष्ठित छात्रवृत्तियां और पुरस्कार छात्रों को प्रदान किए गए, जिनमें 4ए आशा किरण छात्रवृत्ति, डा. आरसी चिब्बर पुरस्कार (कृषि संकाय के तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए), पंतनगर ई-कनेक्शन्स ऑलराउंडर छात्र पुरस्कार, बिजय के. सिंह गो फॉर द गोल्ड पुरस्कार, प्रो. गजेन्द्र सिंह सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण छात्र पुरस्कार और 1972 बैच छात्रवृत्ति शामिल थीं। कार्यक्रम का संचालन डा. अनिल यादव ने किया, जबकि धन्यवाद प्रस्ताव सलिल तिवारी ने दिया।

1972 के कृषि बैच की उपस्थिति रही खास

श्रमजीवी पत्रकार यूनियन का शपथ ग्रहण सम्पन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

बागेश्वर। तहसील सभागार बागेश्वर में आज उत्तराखंड श्रमजीवी पत्रकार यूनियन की जिला इकाई बागेश्वर के नव-मनोनित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह मुख्य अतिथि डा. कमल किशोर जोशी निदेशक कुमा केशरी पं बद्री दत्त पांडेय, एसएसजे परिसर बागेश्वर के निद. ेशक एवं अध्यक्षता उपजिलाधिकारी बागेश्वर प्रियंका रानी पी सी एस, जिला सूचना अधिकारी शीतिश वर्मा, दलिप् सिंह/रितु गोस्वामी तहसिलदार बागेश्वर द्वारा की गई। समारोह के मुख्य अवसर पर निदेशक डा. कमल किशोर जोशी ने नव-निर्वाचित जिला पदाधिकारियों को शपथ दिलाई तथा पत्रकारिता के मूल्यों सत्य, निष्पक्षता एवं सामाजिक दायित्व के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में जिले के सम्मानित समाज सेवियों, जनप्रतिनिधियों, प्रधानाचार्यों, पूर्व सैनिकों एवं विभिन्न क्षेत्रों में योगदान दे रहे विशिष्ट व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सभी अतिथियों ने पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताते हुए संगठन को शुभकामनाएं देते मानवीय सामाजिक पर्यावरण की शुद्धता के साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए सिलिंग के पौधे का रोपड़ किया गया और सभी को शीर्ष, नागदोन, चंदन के पौधे भेंट किये गए। शपथ ग्रहण करने वाले पदाधिकारियों में किशन सिंह मलड़ा अध्यक्ष, सीमा खेतवाल उपाध्यक्ष दीपक जोशी सचिव, मनोज टंगड़िया कोषाध्यक्ष, जगदीश चंद्र पांडे, अर्जुन राणा, कृष्णा गढ़िया, विपिन जोशी, भगवत नेगी, सुमित्रा पांडे, सुरेश पांडे, हिमांशु गढ़िया, महीप पांडे, रमेश पांडेय, रमेश पर्वतीय रहे।

दुर्घटना के आरोपी चालक पर मुकदमा दर्ज

काशीपुर। एक्सीडेंट के आरोप में पुलिस ने पिकअप चालक के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। ग्राम जोशी मझरा धीमरखेड़ा थाना आईटीआई निवासी पूजा पत्नी अनिल कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके पति 31वीं वाहिनी पीएसी रूद्रपुर में कार्यरत है। बीते 11 नवंबर की सुबह लगभग 9.15 बजे उसके पति अपनी मोटरसाईकिल संख्या यूके18जी 6756 पर सवार होकर छुट्टी लेकर वापस घर लौट रहे थे। इस दौरान केवीआर हॉस्पिटल के समीप पिकअप संख्या यूपी20टी 8841 के चालक ग्राम किरतपुर जनपद बिजनौर उप्र. निवासी मोहम्मद कासिफ पुत्र अब्दुल रशीद ने मोटरसाईकिल में टक्कर मारकर उन्हें गंभीर रूप से लहूलुहान कर दिया। इस घटना में उसके पति के सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं।

अंतर्राज्जीय गिरोह के चार हैकर गिरफ्तार

यूपी, राजस्थान और हरियाणा के रहने वाले हैं साइबर क्रिमिनल, करोड़ों का लेन-देन पकड़ा

- एपीके फाइल फेजकर लोगों के मोबाइल का एक्सेस हासिल करते थे जालसाज

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नैनीताल पुलिस ने चैकिंग के दौरान एपीके फाइल से मोबाइल हैक करने वाले अंतर्राज्यीय साइबर फ्रॉड गैंग का भंडाफोड़ करते हुए यूपी, राजस्थान और हरियाणा के चार साइबर क्रिमिनल को भेड़ियापखान मोड़, दो गांव के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन आरोपियों के पास से भारी मात्रा में मोबाइल फोन, सिम कार्ड, बैंक दस्तावेज, क्यूआर कोड और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है, साथ ही पुलिस ने एक हरियाणा नंबर की कार भी सीज कर दी है। शुरुआती जांच में दो खातों से 3.37 करोड़ रुपये से अधिक का लेन-देन सामने आया है। पुलिस अब बचे हुए 11 बैंक खातों की जांच कर रही है। पकड़े गए चारों आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई कर न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है। रविवार को बहुउद्देशीय भवन में एपीके फाइल से मोबाइल हैक करने वाले अंतर्राज्यीय साइबर फ्रॉड गैंग का खुलासा करते हुए एसएसपी डा. मंजूनाथ टीसी ने बताया कि बीते शनिवार की रात तल्लीताल थानाध्यक्ष मनोज सिंह नयाल के नेतृत्व में ज्योलीकोट चौकी प्रभारी श्याम सिंह बोरा टीम के साथ भेड़ियापखान मोड़, दो गांव के पास वाहन चैकिंग कर रहे थे।

इस दौरान एचआर98पी-1642 नंबर की कार को रोक कर चेक किया गया। कार में चार संदिग्ध युवक सवार थे। कार और सवारों की तलाशी ली गई तो इनके पास से 11 मोबाइल फोन, 9 सिम कार्ड, 1 आधार कार्ड, 3 पैन कार्ड, 3 क्यूआर कोड, 2 चेक बुक, 1 क्रेडिट कार्ड और 9 डेबिट कार्ड बरामद हुए। आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि वे सोशल मीडिया पर एपीके फाइल फेजकर लोगों के मोबाइल का एक्सेस हासिल करते हैं। मोबाइल हैक कर खातों में आने वाले लेनदेन की जानकारी हासिल करते और फिर कमिशन के लालच में विभिन्न म्यूल खातों में रुपया मंगाते थे। इन म्यूल खातों को आरोपी होल्डर कहते थे, ताकि पकड़े न जाएं। बरामद तीन क्यूआर कोड में एक क्यूआर कोड पर दर्ज बैंक खाता दिल्ली के शाहदरा इलाके का है। एसएसपी ने बताया कि इस बाबत दिल्ली पुलिस से संपर्क किया जा रहा है। इसके अलावा इन आरोपियों के पास से अभी तक कुल 11 बैंक खातों की जानकारी मिली है। जिनमे से दो बैंक खातों की जांच की गई तो उसमें 3,37,22,881 का लेनदेन पाया गया है। पकड़े गए आरोपियों में अलवर राजस्थान निवासी 29 वर्षीय शुभम गुप्ता पुत्र संजीव गोयल, जहांगिराबाद बुलंदशहर उत्तर प्रदेश निवासी, 23 वर्षीय पियूष गोयल पुत्र संजय गोयल, मोदीनगर गाजियाबाद उत्तर प्रदेश निवासी, 25 वर्षीय ऋषभ कुमार पुत्र दीपक कुमार व महावीरपुरा गुरुग्राम हरियाणा निवासी 25 वर्षीय मोहित राठी पुत्र स्व.श्रीराम राठी हैं। गुडवर्क करने वाली टीम को एसएसपी डा. मंजूनाथ टीसी ने 5 हजार इनाम की घोषणा की है। पत्रकार वार्ता में एसपी क्राइम डा. जगदीश चन्द्र, सीओ नैनीताल अमित कुमार मौजूद रहे। गुडवर्क करने वाली टीम में भवाली कोतवाल प्रकाश मेहरा, थानाध्यक्ष तल्लीताल मनोज सिंह नयाल, ज्योलीकोर्ट चौकी प्रभारी श्याम सिंह बोरा, कांस्टेबल राजेन्द्र जोशी, धर्मेन्द्र साहनी, दीपक जोशी व साइबर सेल से कांस्टेबल नरेंद्र धामी थे।

पैडलर की तलाश में नैनीताल आए थे साइबर क्रिमिनल

- लोगों से किराए पर मांग रहे थे बैंक खाते, दे रहे थे 3 प्रतिशत का लालच

दीपक भंडारी

हल्द्वानी। साइबर क्राइम के तार विदेश से जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है, और गिरफ्तार हुए चार साइबर अपराधी नैनीताल जिले में नए पैडलर्स की तलाश में आए थे, ताकि विदेश में बैठे हैंडलर को बैंक खाते मुहैया कराए जा सकें। आरोपी स्थानीय लोगों से रेंट पर बैंक खाते मांग रहे थे और उन्हें खातों में आने वाली रकम के बदले 3 प्रतिशत कमिशन देने का वादा कर रहे थे। पुलिस के अनुसार चारों आरोपी अलवर, राजस्थान के 29 वर्षीय शुभम गुप्ता, बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश के 23 वर्षीय पियूष गोयल, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश के 25 वर्षीय ऋषभ कुमार और गुरुग्राम, हरियाणा के 25 वर्षीय मोहित राठी भुजियाघाट क्षेत्र में रुके हुए थे। एक स्थानीय व्यक्ति ने पुलिस को सूचना दी कि ये युवक स्थानीय लोगों को रुपये का लालच देकर बैंक खाते और सिम कार्ड मांग रहे थे, और कह रहे थे कि आप हमें अपने बैंक खाते दीजिए, आपके खाते में जितना पैसा आएगा, उसमें से हम आपको 3 प्रतिशत कमीशन देंगे। जब भुजियाघाट में इन आरोपियों का काम नहीं बना, तो वे कार से आगे बढ़ गए, लेकिन पुलिस तक सूचना पहुँच चुकी थी और पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। पियूष गोयल के बारे में बताया गया कि वह यहां 9 लाख रुपये की उधारी लेने आए थे, और सैरसपाटे के बहाने नैनीताल पहुंचे थे। उनके साथ आए अन्य आरोपी नए पैडलर्स की तलाश में थे। पुलिस को इन आरोपियों से 11 बैंक खाते मिले हैं, जब पुलिस ने दो खाते चैक किए तो उसमें कुल 3.25 करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन सामने आ चुका है। हालांकि, पुलिस का मानना है कि यह रकम और भी अधिक हो सकती है, क्योंकि आरोपियों ने इन खातों से पैसे को पल भर में एक खाते से दूसरे खाते में ट्रांसफर कर लिया था और इसके बदले उन्हें मोटा कमिशन मिल रहा था। आरोपियों ने पुलिस से पूछताछ में बताया कि वे ऑनलाइन गेमिंग का झांसा देकर और निवेश पर मोटा पैसा मिलने का लालच देकर बैंक खाते हासिल करते थे। वे पिछले एक हफ्ते से नैनीताल में रुके हुए थे और लोगों को लालच देकर उनके खाते लेने की कोशिश कर रहे थे। इसके अलावा, ये आरोपी सोशल मीडिया एप्लिकेशन्स के माध्यम से अपनी पहचान छिपाकर ऑनलाइन चैटिंग कर लोगों से ठगी भी करते थे।

फर्जी दस्तावेज नहीं बल्कि डेमोग्राफी चेंज करना था मकसद

- फैजान का मददगार विद्युत विभाग का ठेका कर्मी गिरफ्तार
- 15 साल पुराने बिजली बिलों की मदद से किया जा रहा था फर्जीवाड़ा

हल्द्वानी। कुछ दिन पहले मंडलायुक्त दीपक रावत ने बनभूलपुरा में छापा मारा और अराजयनवीस को फर्जी दस्तावेज बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया। बनभूलपुरा पुलिस ने तहसीलदार कुलदीप पांडे की तहरीर पर मामला दर्ज किया और जब जांच की तो उसमें चौंकाने वाले तत्व सामने आए। यह मामला केवल फर्जी दस्तावेज बनाने का नहीं था, बल्कि उत्तराखंड की डेमोग्राफी चेंज करने से जुड़ा था। इस गैंग के मुख्य आरोपी मो. फैजान जो घर में सीएससी सेंटर चलाता था, और विद्युत विभाग के ठेका कर्मी व एक और साथी रईस अहमद के साथ मिलकर यह ऑपरेशन चला रहा था। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी फैजान सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए तीनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई कर न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है।

रविवार को बहुउद्देशीय भवन में फर्जी दस्तावेजों का खुलासा करते हुए एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने बताया इस मामले में 14 नवंबर को तहसीलदार कुलदीप पांडे की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया था। फर्जी स्थाई निवास बनाने के इस मामले की जांच शुरू हुई और सबसे पहले कूटरचित प्रमाणपत्र बनाने वाले अरायजनवीस नई बस्ती बनभूलपुरा निवासी मो. फैजान पुत्र फुरकान से पूछताछ शुरू हुई। फैजान ने स्वीकार किया कि इल्मा, पूर्वी रईस अहमद ने जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए जो दस्तावेज दिए थे, उनका दुरुपयोग करते हुए रईस अहमद के नाम से फर्जी स्थाई निवास प्रमाण पत्र बनाया। जिसके बाद पुलिस ने वार्ड-26 नईबस्ती आस्थाना मस्जिद के पास बनभूलपुरा निवासी रईस अहमद पुत्र अब्दुल हमीद को रईस को रडार पर लिया और उससे सख्ती से पूछताछ की तो उसने माना कि उसने फर्जी स्थाई निवास बनाने के लिए फैजान को रुपए दिए थे। इतना ही नहीं फर्जी स्थाई निवास प्रमाण पत्र का प्रयोग कर रईस ने अपना मैरिज सर्टिफिकेट भी बनवा डाला।

जैसे जैसे जांच आगे बढ़ी तो इसके तार जुड़ते चले गए और पुलिस ने रईस के बाद मूलरूप से धामीपुरा मुन्स्यारी पिथौरागढ़ व हाल निवासी हाईडिल गेट काठगोदाम दिनेश सिंह दासपा पुत्र गोकरण सिंह रडार पर लिया। दिनेश वर्तमान में सरकारी क्वार्टर विद्युत विभाग हाईडिल गेट काठगोदाम में रहता है और यूपीसीएल तिकोनिया कार्यालय में में टेक्निकल ग्रेड सेकेंड के पद पर तैनात है। दिनेश ने पुलिस को बताया कि फर्जी स्थाई प्रमाण पत्र बनाने के लिए फैजान को 15 साल पुराने बिजली के बिलों की जरूरत होती थी और यह बिल वह फैजान को मुहैया कराता था।

इसके एवज में प्रति बिल उसे 500 रुपए लेता था। पुलिस ने फैजान और रईस अहमद पर धारा 318(4), 316(5), 336(3), 338 व 61(2) और दिनेश पर धारा 318 (4), 61(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। एसएसपी डा. मंजूनाथ टीसी ने बताया कि इस मामले में जांच की जा रही है। जांच में जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जायेगी। पकड़े गए तीनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई कर न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है। गुडवर्क करने वाली टीम में बनभूलपुरा थानाध्यक्ष सुशील जोशी, एसआई जगवीर सिंह, एसआई मनोज यादव, हेड कांस्टेबल रमेश कांडपाल व कांस्टेबल शिवम कुमार शामिल थे।

राजपुरा से स्मैक तस्कर गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पुलिस ने स्मैक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, एसआई कृष्ण गिरी अपनी टीम के साथ 14-नंबर क्षेत्र में चेकिंग कर रहे थे, जब गौला नदी के पास स्थित राजपुरा ब्लॉक में एक युवक बाइक पर सवार होकर पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगा। लेकिन बाइक स्टार्ट न होने के कारण पुलिस ने उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान युवक के पास से 1.31 ग्राम स्मैक बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान सूरज कुमार पुत्र महेश लाल, निवासी वार्ड 13, राजपुरा के रूप में बताई। पकड़े गए आरोपी ने बताया कि उसने स्मैक राजपुरा के सागर पुत्र सतीश उर्फ गुड्डू से खरीदी थी, जिसे वह 200 रुपये में बेचता था। पुलिस ने आरोपी तस्कर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया।

हल्द्वानी में होगा पंचांग विशेषज्ञों, कुलपुरोहितों का महा-सम्मेलन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पहाड़ से प्रकाशित होने वाले प्रमुख पंचांगों के संपादकों ने रविवार को पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच के संरक्षक हुकुम सिंह कुंवर के आवास में बैठक कर मौजूदा परिस्थितियों पर गंभीर चिंता जताई। संपादकों का कहना है कि पंचांगों के वर्चस्व और मान्यता को लेकर कुछ लोग उन्हें लगातार डरा धमका रहे है, यहाँ तक कि पुश्तैनी कुलपुरोहिती छोड़ने तक का दबाव बनाया जा रहा है। तारा प्रसाद दिव्य पंचांग के प्रधान सम्पादक आचार्य डा. रमेश चंद्र जोशी ने कहा विगत दिनों कुछ लोगों ने दीपावली 20 को होगी कर एक मुहिम चलाई थी, जब उन्होंने पंचांगों का हवाला देते हुए 21 नवंबर की दीपावली होने की बात कही तो कुछ लोग उनके खिलाफ हो गए। व्यक्तिगत एवं नोटिस आदि देकर डराया जा रहा

है। प्रचलित पंचांग राम दत्त जोशी के वंशज प्रद्योत जोशी ने कहा कि पहाड़ के पंचांग अल्मोड़ा कटारमल सूर्य मंदिर को केंद्र बिंदु सूर्योदय मानकर बने है जिसकी गणना सत्य एवं सटीक है। ज्योतिषविद एवं धर्मज्ञ बेरीनाग पंडित जीवन चंद्र पंत ने कहा कि कुछ लोग पंचांगों का सॉफ्टवेयर तैयार कर भारत के पुराने प्रचलित पंचांगों का अस्तित्व मिटाना चाहते है, जबकि उनको पंचांगों की एबीसीडी नहीं आती, दुबई में बैठकर काम कर रहे है। गणेश मार्कण्ड पंचांग के दीपक जोशी ने कहा कि कुछ लोग पुराने पंचांगों की नकल कर अपना पंचांग बनाकर तिथि त्यौहार में विवाद की स्थिति पैदा कर रहे है। मंच कस संरक्षक हुकुम सिंह कुंवर ने कहा कि शीघ्र हल्द्वानी में स्थानीय पंचांगों कुल पुरोहितों का एक बड़ा सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

घर का ताला तोड़, लाखों के जेवरात व नगदी ले उड़े चोर

हल्द्वानी। बीती रात चोरो ने डहरिया क्षेत्र में एक बंद घर का ताला तोड़कर घर से लाखों के जेवरात व हजारों की नगदी उड़ा ले गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल जा जायजा लिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस मुकदमा दर्ज करने की कार्यवाई कर रही है। जानकारी के अनुसार डहरिया हल्द्वानी निवासी अनीत तिवारी ने पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा कि वह नोएडा अपने बेटे के वहां थी, और घर में ताला लगा था। तहरीर में कहा आज रविवार की सुबह उन्होंने अपने बेटी और दामाद को घर भेजा। घर पहुंचने पर उन्होंने देखा की घर के ताले टूटे पडे और घर का सामान इधर उधर बिखरा पड़ा था। चोरी की सूचना पर वह अपने बेटे और बहु के साथ हल्द्वानी पहुंची तो घर के ताले टूटे थे साथ ही बक्सो के ताले भी तोड रखे थे। पीड़िता ने कहा चोर घर से एक किलो पुरानी चांदी के आभूषण, तीन सोने की अंगूठी व 50 हजार की नगदी चोरी कर ले गये।

कड़े पहरे में हुई यूकेएसएसएससी की परीक्षा

- सुरक्षा इंतजामों का जायजा लेने खुद कई परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे एसएसपी
- संपन्न हुई सहकारी निरीक्षक/सहायक विकास अधिकारी की लिखित परीक्षा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। रविवार को कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा सहकारी निरीक्षक/सहायक विकास अधिकारी की लिखित परीक्षा आयोजित की गई। सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए एसएसपी डा. मंजूनाथ टीसी स्वयं विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे। रविवार को जिले के 9 परीक्षा केंद्रों पर सहकारी निरीक्षक वर्ग-2 और सहायक विकास अधिकारी (सह.) की परीक्षा आयोजित हुई, जो कड़ी सुरक्षा और सतर्क निगरानी के बीच संपन्न हुई।

एसएसपी डा. मंजूनाथ टीसी ने एमबीपीजी कॉलेज, जीजीआईसी कालाढूंगी रोड सहित अन्य केंद्रों पर पहुंचकर सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की और ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था और पुलिस कर्मियों को अलर्ट मोड में रहकर ड्यूटी निभाने की हिदायत दी गई। परीक्षा से पहले, केंद्रों के बाहर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमें परीक्षार्थियों की डीएफएमडी, एचएचएमडी और फ्रिस्किंग प्रक्रिया के जरिए तलाशी ली गई। इसके अलावा, परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन, ब्लूटूथ डिवाइस और किसी भी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स की अनुमति नहीं दी गई। इस दौरान, एलआईयू और एसओजी की टीम भी परीक्षा की निगरानी कर रही थी, और सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरों का इस्तेमाल किया गया।

'हल्द्वानी में दौड़ी हरियाली की लौ'

- ग्रीन हार्टफुलनेस रन ने दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। हार्टफुलनैस इंस्टिट्यूट द्वारा पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने लिए रविवार को हार्टफुलनैस मेडिटेशन सेंटर, ग्राम फत्ताबंगर, गोरापड़ाव में ग्रीन हार्टफुलनेस रन एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य लोगों को प्रकृति संरक्षण और स्वास्थ्य जागरूकता से जोड़ना है। इसका प्रथम संस्करण वर्ष 2023 में हुआ था, जिसमें

4,000 वृक्षों का रोपण किया गया था और 3,500 लोगों ने प्रतिभाग किया था। इस बार भी भारत के विभिन्न क्षेत्रों में 1,00,000 उन्नतशील प्रजातियों के पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। 1.5 किलोमीटर लंबी यह दौड़ हार्टफुलनैस मेडिटेशन सेंटर से सहजपुरम एन्क्लेव तक आयोजित की गई। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसमें छोटे बच्चों से लेकर 93 वर्ष तक के वरिष्ठ नागरिकों ने प्रतिभाग किया। बीएलएम एकेडमी स्कूल, फत्ताबंगर, गोरापड़ाव के विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र रही। दौड़ समाप्त होने के बाद ध्यान केंद्र परिसर में आवला और सहजन के पौधों का वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम से प्राप्त धनराशि देशभर में बंजर भूमि को पुनर्जीवित करने के कार्य में उपयोग की जाएगी। इस वैश्विक कार्यक्रम का मुख्य आयोजन हार्टफुलनैस के वैश्विक केंद्र कान्हा शांतिवनम, हैदराबाद, तेलंगाना में संपन्न हुआ। प्रतिभागियों को तनावमुक्ति और जीवन प्रबंधन के लिए हार्टफुलनैस रिलैक्सेशन एवं ध्यान सत्र का अनुभव भी कराया गया।

पाँच दिवसीय शरदोत्सव मेला संपन्न

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। मानव विकास सेवा संस्थान द्वारा आयोजित पारंपरिक पाँच दिवसीय शरदोत्सव मेला का रविवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मेले के समापन के बाद एक समीक्षा बैठक का आयोजन संस्थान के कार्यालय संपन्न हुई जिसमें आयोजन की सफलता और भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता फिल्म निर्माता और निर्देशक और मेले के संस्थापक अध्यक्ष विक्की योगी ने की। उन्होंने मेले को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया, जिनमें मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह बसेड़ा, मुख्यमंत्री के चीफ कोऑर्डिनेटर आईएस कराकोटी, सभी कलाकार, अतिथि, प्रायोजक, शासन-प्रशासन, जिला नगर प्रशासन, नगर निगम, संस्कृति विभाग और सूचना एवं लोक संपर्क विभाग नैनीताल/सिडकुल देहरादून शामिल थे। विक्की योगी ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

का भी विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका सहयोग आयोजन की सफलता में महत्वपूर्ण रहा। विक्की योगी ने यह भी कहा कि शरदोत्सव मेला उत्तराखंड की सांस्कृतिक परंपराओं को संजोने और नई पीढ़ी तक पहुँचाने का एक सार्थक प्रयास है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस तरह के आयोजनों से राज्य की सांस्कृतिक धरोहर को और भी मजबूती मिलेगी। समीक्षा बैठक में मेले के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई, जिनमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी, और जनसहभागिता के मुद्दे शामिल थे। सभी कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने सुझाव दिए ताकि भविष्य में आयोजनों को और भी प्रभावशाली और आकर्षक बनाया जा सके। इस दौरान मुकेश पडलिया, जीएस रावत, कौस्तुभ चंदोला, गायक गिरीश खाती, लोक गायक जगदीश उपाध्याय, पूनम चंद्र, दीपिका मेहता, साक्षी बेलवाल, खुशबू मेहरा, शंकर कोहली, प्रदीप उपाध्याय, पंकज मिश्रा, महेश सिंह एरी, गिरीश बुग्याल, कृष्ण कुमार पांडे, प्रीति कार्की, अमन अरोरा, राजा प्रसिद्ध, अंकित कुमार, नितिन चौहान, हर्षिता कोहली, आकाश कोहली, गिरीश बरगली, चंद्रशेखर पांडे आदि मौजूद रहे।

आईजी की पहल पर कुमाऊं के थानों में फिर बहाल हुआ थाना दिवस

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बंद पड़े थाना दिवस को आईजी के निर्देश पर एक बार फिर से बहाल कर दिया गया है। रविवार को कुमाऊं के सभी थानों में थाना दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग अपनी

शिकायतें और सुझाव लेकर पहुंचे। नैनीताल जिले में भी थाना दिवस का आयोजन किया गया। थाना दिवस के दौरान, प्रत्येक थाना क्षेत्र में संबंधित क्षेत्राधिकारियों, थाना प्रभारियों, चौकी प्रभारियों और बीट प्रभारियों की उपस्थिति में स्थानीय नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों और सुझावों को गंभीरता से सुना गया और मौके पर ही उनका निस्तारण किया गया। पुलिस अधिकारियों ने जनता से सीधे संवाद स्थापित करते हुए त्वरित समाधान, पारदर्शिता और उत्तरदायित्वपूर्ण कार्यशैली पर विशेष जोर दिया। आईजी रिद्धिम अग्रवाल ने कहा, हर थाना जनता की सुनवाई और समाधान का केंद्र बने। संवाद बढ़े, समाधान मिले और जनता का विश्वास मजबूत हो। आईजी ने कहा कि हर थाना ऐसा केन्द्र बने जहाँ आमजन की पहुँच हो, सहयोग मिल सके और विश्वास मजबूत हो। पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र के थाना दिवस में सक्रिय रूप से भाग लें, ताकि पुलिस-जन सहयोग के माध्यम से कानून-व्यवस्था और शांति बनाए रखने के प्रयास और अधिक प्रभावी हो सकें।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर गोष्ठी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। रविवार को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के मौके पर सूचना विभाग द्वारा हल्द्वानी मीडिया सेंटर में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में जिला सूचना अधिकारी गिरिजा जोशी और विभिन्न मीडिया पत्रकारों ने भाग लिया। गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार भगवान सिंह गंगोला और संचालन जिला सूचना अधिकारी गिरिजा शंकर जोशी ने किया। गोष्ठी का विषय था बढ़ती गलत सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता, जिस पर उपस्थित प्रतिनिधियों ने अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में जिला सूचना अधिकारी ने प्रेस दिवस के महत्व और इसके उद्देश्य पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ पत्रकार भगवान गंगोला ने पत्रकारिता में आने वाली चुनौतियों

और फेक न्यूज के बढ़ते प्रभाव पर विस्तार से चर्चा की। वक्ताओं ने प्रेस की स्वतंत्रता, मीडिया की विश्वसनीयता, डिजिटल युग की चुनौतियाँ और प्रेस की बदलती भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। सभी ने इस बात पर सहमति जताई कि आजकल पत्रकारिता के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण दौर है, जहां तकनीकी प्रगति के साथ सत्यापन और विश्वसनीय रिपोर्टिंग की जिम्मेदारी भी बढ़ी है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिनिधियों ने यह संकल्प लिया कि वे समाज और जनहित से जुड़ी खबरों को ईमानदारी और निष्पक्षता से प्रस्तुत करेंगे। इस दौरान पत्रकार गिरीश गोस्वामी, योगेश शर्मा, ईश्वरी दत्त भट्ट, हर्ष रावत, भूपेन्द्र रावत, अजहर सिद्दीकी, सरताज आलम, राजेश श्रीवास्तव, संजय कुमार, मोहम्मद खालिद खान, संजय पाठक, सचिन जोशी, शंकर दत्त फुलारा, ऋषि कपूर, रक्षित टंडन, चन्दन बिष्ट, योगेश पाण्डे सहित कई पत्रकार मौजूद रहे।

नंदौर वन्यजीव अभयारण्य में 'उत्तराखंड वर्ल्ड काउंट 2025' संपन्न

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड जैव विविधता बोर्ड उत्तराखंड वन विभाग एवं देववाणी परोपकार मिशन हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में उत्तराखंड वर्ल्ड काउंट-2025 के अंतर्गत नंदौर वन्यजीव अभयारण्य में पक्षी गणना कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह दो दिवसीय कार्यक्रम पूरे प्रदेश में एकसाथ संचालित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नेचर गाइडों और विशेषज्ञों ने भाग लिया। नंदौर अभयारण्य में आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्व नेचुरलिस्ट दीपक चौसाली ने किया। उनके साथ नेचर गाइड दीपेश मेहरा, प्रकाश पांडे, वन विभाग से प्रियंका पुंडीर, मीना राठौर, यशपाल गोनिया, रेंज ऑफिसर एलएस मार्तोलिया तथा देववाणी परोपकार मिशन के अध्यक्ष ईश्वर सुयाल सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। वर्ल्ड काउंट के दौरान टीम ने मेरुल, ओलियोल, इंडियन रोलर, लेसर व्हिस्लिंग डक, ईगल, जंगल आउल समेत लगभग 80 पक्षी प्रजातियों का अवलोकन किया। नंदौर वन्यजीव अभयारण्य में कुल लगभग 260 पक्षी प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जो इसे जैव विविधता की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध क्षेत्र बनाती हैं।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286
मुख्यालयः
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

थाना दिवस पर पुलिस ने किया जन प्रतिनिधियों से संवाद

■ थानाध्यक्ष उमेश ने नशे को लेकर लोगों को जागरुक करने की अपील की

शाह टाइम्स संवाददाता

नानकमत्ता। थाना दिवस पर पुलिस ने जनप्रतिनिधियो एवं आम जन से बढ़ते नशा एवं साइबर अपराध पर चर्चा की तथा पुलिस को सहयोग करने की अपील की।

रविवार को थाना परिसर में थाना दिवस पर थानाध्यक्ष उमेश कुमार ने जन प्रतिनिधियों संग बैठक कर जन समस्याओं को सुनने के साथ ही लोगों को नशा तथा साइबर अपराध के लिए जागरूक किया। इस अवसर पर थानध्यक्ष ने लोगों से सुझाव एवं गांव की समस्याओं की जानकारी ली। यहां उपस्थित जनप्रतिनिधियो ने अपने अपने गांव की जानकारी से पुलिस को अवगत कराया। थाना अध्यक्ष ने कहा कि पुलिस तथा गांव से चुने गए जनप्रिय लोग मिलकर समाज में फैल रहे नशे के कारोबार व नशे की लत में फसे लोगों पर विराम लगा सकते है, ऐसे में जनप्रिय लोगों को पुलिस का सहयोग करना पडेगा। यहां थाने पहुंची महिला जन प्रतिनिधियों द्वारा थानाध्यक्ष को गांव में बिकने वाले नशे की जानकारी दी गई, जिस पर थानाध्यक्ष ने कहा कि पुलिस नशा कारोबारी को किसी भी रूप में नहीं बख्सेगी। नशे पर चल रहे संवाद के दौरान ग्राम प्रधान पति गुरमीत सिंह एवं जिला पंचायत सदस्य भास्कर संभल तथा सभासद सुरंजन राय ने पुलिस के समक्ष अपने अपने विचार प्रस्तुत किए। थाना दिवस पर आयोजित बैठक के दौरान विभिन्न गांव से पहुंचे जनप्रतिनिधि गण मौजूद रहे।

बिजरानी रेंज में नर गुलदार की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। कार्बेट टाइगर रिजर्व के बिजरानी रेंज में एक नर गुलदार की मौत हो गई, जिससे विभाग में हड़कम्प मच गया। पोस्टमार्टम के बाद मृत गुलदार को नष्ट कर दिया गया।

कार्बेट के डिप्टी डायरेक्टर राहुल मिश्रा ने बताया कि बीती शाम कार्बेट के बिजरानी अर्न्तगत रिंगौड़ा बीट फूलताल ब्लॉक कक्ष संख्या 03 में स्थानीय स्टाफ द्वारा गश्त के दौरान एक वयस्क गुलदार मृत अवस्था में देखा गया। उक्त मृत गुलदार के नाखून, दांत, हड्डियाँ आदि सभी अंग मौके पर सुरक्षित पाए गए। घटना की सूचना मिलने पर उच्चाधिकारि और वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी कार्बेट टाइगर रिजर्व मौके पर पहुंचे। मृत गुलदार का मौके पर ही एनटीसीए के निर्धारित मानकों व नियमानुसार, उच्चधिकारियो, कॉर्बेट फाउंडेशन, डब्लूडब्लू. एफ व एन टीसीए के प्रति. निधियों और स्थानीय स्टाफ की उपस्थिति में पशु चिकित्सक के पैनल द्वारा शव का पोस्टमार्टम किया गया। उन्होंने बताया कि गुलदार की मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद चलेगा। इस दौरान मौके पर डिप्टी डायरेक्टर राहुल मिश्रा, वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी डा. दुष्यंत शर्मा, वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी पश्चिमी वृत्त राहुल सती, सदस्य टाइगर कंजरवेशन फाउण्डेशन फोर सीटीआर एजी अंसारी, दा कार्बेट फाउण्डेशन के चंद्रशेखर सुयाल, रेंजर नवीन चन्द्र पाण्डे, रमन सिंह, मानसी अरोरा, प्रमोद डोबी, मिराज अनवर, डब्ल्यू डब्ल्यू एफ प्रतिनिधि आदि मौजूद रहे।

एक नजर

जनपद स्तरीय विज्ञान महोत्सव नाटक में डायनेस्टी गुरुकुल प्रथम

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। विज्ञान महोत्सव नाटक जनपद स्तरीय प्रतियोगिता 14 व 15 नवम्बर को रुद्रपुर में आयोजित की गई। जिसमें डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी चिकनी फॉर्म ने प्रतिभाग कर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा विद्यालय, क्षेत्र व जिले को गौरवान्वित किया। इसके साथ ही जनपद स्तर पर आगामी 19-21 नवंबर को हल्द्वानी में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु अपना स्थान सुनिश्चित किया। विद्यालय की विज्ञान नाटक टीम राज्य स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व करेगी।

विद्यालय के प्रबंध निदेशक धीरेंद्र चंद्र भट्ट ने चयनित विद्यार्थियों व उनके मार्गदर्शक प्रशिक्षकों सुरेश ओली, कु. वैष्णवी विश्वकर्मा को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों का राज्य स्तर के लिए चयनित होना क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। विद्यार्थियों को खंड शिक्षा अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी व आयोजक मंडल द्वारा प्रशस्ति पत्र व गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया। वहीं खंड संयोजक निर्मल सिंह न्योलिया द्वारा विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया गया। साइंस एग्जीबिशन में विद्यालय की छात्रा तनुजा व अंशिका तृतीय स्थान पर रहीं। इस अवसर पर विद्यालय की डायरेक्टर प्रेमा भट्ट, प्रधानाचार्य चंद्रकांत पनेरु, प्रशासनिक अधिकारी मनीष चंद, एकेडमिक डायरेक्टर विक्टर आईवन, डा. बलवंत ऐरी, चंदन बोरा, दिगंबर भट्ट, हरीश भट्ट, रमेश जोशी व समस्त विद्यालय परिवार ने प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष का किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष इंतजार हुसैन रामनगर में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष सैयद अली नकवी के आवास पर पहुंचे। जहां भाजपा जिला अध्यक्ष सैयद अली नकवी ने अपने समर्थकों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया एंव सांगठनात्मक चर्चा की।

भाजपा जिला अध्यक्ष सैयद अली नकवी ने बताया कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष इंतजार हुसैन से संगठन और आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा संगठन को मजबूत बनाने का काम करेगा और आने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी भागेदारी करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में खास मेहनत कर भाजपा प्रत्याशियों को जिताने का काम करेगा।इस दौरान शमशाद हुसैन,अली आदिल, अली रजा, मोहम्मद मेहंदी, अयाज अब्बास आदि मौजूद रहे।

रामद्रोह करने से बाज यदि आए न तो...

■ हारिल पत्रिका के प्रथम अधिवेशन का हुआ सफल आयोजन

■ पांच राज्यों के 60 कवियों ने कवि सम्मेलन में किया काव्यपाठ

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। हारिल पत्रिका के प्रथम अधिवेशन में उत्तराखंड साहित्य जगत में नया इतिहास रच दिया। इस अवसर पर हारिल पुस्तक का विमा. चन एक भव्य कवि सम्मेलन के साथ नगर निगम रुद्रपुर सभागार में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक शिव अरोड़ा ने पत्रिका का विमोचन किया एवं इस साहित्यिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं में साहित्य के प्रति जागरूकता बढ़ती है। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर सभी हारिल की टीम को बधाई दी और भव्य कवि सम्मेलन का जमकर लुफ्त उठाया। कार्यक्रम में उत्तराखंड साहित्य महोत्सव के अंतर्गत पांच राज्यों से आए करीब 60 कवियों ने अपनी श्रेष्ठ रचनाओं से मंच को गूंजायमान किया। अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा और महासचिव हर्षित पाण्डेय, संपादक आशीष गौड़, प्रबंध संपादक प्रगति पाण्डेय, संतोष रावत, मनीष गाडरी रजनी शर्मा , खुशबू साहू , लवेश गौड़ का भी उल्लेखनीय योगदान रहा। हारिल का यह अधिवेशन न सिर्फ साहित्यिक गतिविधियों का केंद्र रहा, बल्कि युवाओं और वरिष्ठ रचनाकारों के बीच संवाद का सेतु भी बना। कार्यक्रम का संच. ालन जाने माने कवि सुरेन्द्र जैन ने किया। कवि सम्मेलन में अविरल शुक्ला ने पढ़ा कि रामद्रोह करने से बाज यदि आए न तो, द्रोहियों की छातियों पे श्री राम लिखा जाएगा, विकल बहराइची ने बेटियों के ऊपर रचना पढ़कर सभी को भाव विभोर किया, अश्क रामपुरी ने पढ़ा कि दर ओ दीवार सब सजाए गए, हम ही थे नींव के पत्थर हमीं भुलाए गए, हर्षित पाण्डेय ने पढ़ा कि वृद्धाश्रम में इक मां बोली बेटों पर अभिमान बहुत था । कार्यक्रम में अभिषेक मिश्रा 'अभिव्यक्ति', शेखर पाखी, दीपांशु कुंवर, गोविंद गुप्ता अंकित सारस्वत, मंजूषा पंवार, सीमा मौर्य 'शैली', दीपक सिंह बिष्ट 'परिवर्तन', शशांक पाण्डेय 'दुर्गा', पंकज मतलबी, सत्येन्द्र जाखड़, योगेश बहुगुणा, अंकिता जायसवाल , अमित दीक्षित, आदि ने अपनी रचनाओं से समां बांधा ।

कार्यक्रम में समाज सेवी सुशील गाबा, कंचन वर्मा, अजय तिवारी, मनोज मदान, योगेश तिवारी, उमेश पसरिचा, सुनील यादव, एकेश तिवारी, डंपी चोपड़ा, बब्लू सिंह, सोनू वर्मा, मयंक कक्कड़, विक्की घई आदि मौजूद रहे।

ICON Nurturing Innocence में हुआ स्पोर्ट्स डे का भव्य आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। बाल दिवस के अवसर पर ICON Nurturing Innocence में इस वर्ष स्पोर्ट्स डे का विशेष आयोजन किया गया, जिसने पूरे विद्यालय में उत्साह और जोश का नया रंग भर दिया। खेल मैदान बच्चों की ऊर्जा, हंसी और तालियों की गूंज से दिनभर गुलजार रहा। विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं ने कार्यक्रम को बनाया रोमांचक।

बच्चों के लिए कक्षा के अनुसार कई प्रकार के खेल आयोजित किए गए। हर गतिविधि का उद्देश्य न सिर्फ मनोरंजन था, बल्कि टीम वर्क, आत्मविश्वास और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देना भी था। बच्चों ने तेजी और फुर्ती का बेहतरीन प्रदर्शन किया। कोशिश और प्रयास ने उनकी चतुराई और टीम वर्क दोनों को निखारा। खेलों में बच्चों की सक्रिय भागीदारी ने जीता सबका दिल। हर बच्चे ने किसी न किसी खेल में हिस्सा लिया और मैदान में भरपूर जोश दिखाई दिया। बच्चे अपने साथियों को उत्साहित कर रहे थे, जिससे पूरे वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा बनी रही। विद्यालय के शिक्षकों ने इस अवसर पर कहा' कि 'खेल बच्चों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण भाग हैं। विद्यालय निदेशक तरुण कश्यप ने कहा स्पोर्ट्स डे न केवल शारीरिक विकास बल्कि अनुशासन, टीम वर्क और नेतृत्व के गुण भी विकसित करता है। बाल दिवस पर इसे आयोजित करना हमारे बच्चों के लिए एक यादगार है। अनाया अरोड़ा, प्रिषा बोरा, श्रेया, शिवांक, यश, अरबाज, युवान, आशीश, कनिष्का, सक्षम, पृथ्वीश, रचित, हरगुन, ऐकम, हरमन, हियांशी' इन सभी ने प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को 'मेडल, प्रमाण पत्र और उपहार' देकर सम्मानित किया गया। साथ ही सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए मिठाइयां वितरित की गईं। स्पोर्ट्स डे ने बाल दिवस को और अधिक खास बना दिया और बच्चों के लिए यह दिन सदैव यादगार रहेगा।

तहसीलदार और कानूनगो ने निकलवाया रोड में भरा गंदा पानी

■ ग्राम वासियों में खुशी का माहौल, एसडीएम का किया आभार व्यक्त

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। नाजमा पति अली हुसैन मकान के सामने रोड पर नाली के गंदे पानी से जलभराव की समस्या हो रही थी। रास्ते से पानी की निकासी के लिए नाली के साथ आरसीसी या टाइल्स रोड बनाए जाने के लिए बाजपुर एसडीएम डा. अमृता शर्मा को ज्ञापन दिया था।

यह खबर शाह टाइम्स में छपने से खबर का बड़ा असर हुआ है। तहस. ीलदार और कानूनगो राजस्व विभाग पुलिस टीम के साथ गांव बाजपुर पहुंचे।

जहां ग्राम प्रधान आयशा पति तसुब्बूर अली 'सोनू' की मौजूदगी में तहसीलदार और कानूनगो व राजस्व विभाग की टीम द्वारा महिला नाजमा के मकान के सामने लगभग 700 मीटर लम्बी रोड पर भरे गंदा पानी की निकासी कराई।

ग्राम प्रधान आयशा पति तसुब्बूर अली 'सोनू' ने बताया तहसीलदार और कानूनगो व राजस्व टीम द्वारा लगभग 700 मीटर लम्बी रोड पर भरे गंदा पानी को निकाला गया है।

एसडीएम से नाली के साथ आरसीसी या टाइल्स रोड बनाए जाने की उठी थी मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। गांव बाजपुर निवासी नाजमा पति अली हुसैन के मकान के सामने से रास्ते को लेकर आबादी के बाहर नहर तक 700 मीटर लंबा रोड नाली के साथ आरसीसी या टाइल्स रोड़ से बनाए जाने मांग को लेकर एसडीएम डा. अमृता शर्मा को ज्ञापन दिया था।

गांव बाजपुर में कई सालों से रास्ते की पानी निकासी को लेकर बहुत बड़ी समस्या चल रही थी। नक्शे में रास्ता होने के बावजूद कुछ खेत मालिकों ने रास्ते को जोत लिया था। गांव बाजपुर पहुंचे तहसीलदार-कानूनगो राजस्व विभाग द्वारा गांव के रास्ते की पानी निकासी करा दी गई है। तहस. ीलदार कानूनगो राजस्व विभाग द्वारा गांव के रास्ते का पानी निक. ालकर समस्या का निस्तारण कर दिया गया है। गांव का रास्ता साफ होने से ग्राम वासियों में खुशी का माहौल है। गांव वासियों ने खुशी जाहिर करते हुए एसडीएम डा. अमृता शर्मा का तहे दिल से आभार व्यक्त किया है। ग्राम वासियों की आशा है कि एसडीएम डा. अमृता शर्मा के माध्यम से गांव बाजपुर का 700 मीटर लंबा रोड नाली के साथ आरसीसी या टाइल्स रोड़ जल्द ही बनाया जाएगा। तहसीलदार के कहने पर ग्राम प्रधान आयशा पति तसुब्बूर अली उर्फ सोनू ने खेत मालिकों और गांव वासियों को मौके पर बुलाया।

नक्शे के मुताबिक तहसीलदार कानूनगो राजस्व विभाग मय पुलिस टीम द्वारा खेत मालिकों और गांव वासियों के सामने गांव बाजपुर निवासी नाजमा पति अली हुसैन मकान सामने का रास्ता आबादी के बाहर से लेकर नहर तक 700 मीटर लंबा रास्ता पूरा कराया गया है। एसडीएम से 700 मीटर लंबा नाली के साथ आरसीसी या टाइल्स रोड़ बनाए जाने की मांग उठाई है।

'ग्रीन कान्हा रन' में दौड़े अधिकारी और बच्चे

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। हार्टफुलनेस संस्था रुद्रपुर द्वारा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार से समर्थित विश्वव्यापी 'कान्हा ग्रीन रन' का आयोजन विगत तीन वर्षों से किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में इस वर्ष भी मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण, वैश्विक शांति व जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए हार्टफुलनेस राज्य युवा केंद्र समन्वयक शौर्य अरोड़ा एवं ग्रीन कान्हा रन समन्वयक सोमेन्द्र सिंह मान एवं निखिल मुंजाल के नेतृत्व में हार्टफुलनेस संस्था रुद्रपुर द्वारा 'ग्रीन कान्हा रन'का आयोजन प्रात: 7:30 बजे मनोज सरकार स्टेडियम रुद्रपुर में किया गया। रन का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी नितिन भदौरिया व विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक शिव अरोरा, एसपी सिटी क्राइम निहारिका तोमर व जिला क्रीड़ा अधिकारी जानकी कार्की, हार्टफुलनेस रुद्रपुर केंद्र समन्वयक डा. सीमा अरोड़ा द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया।

अतिथियों द्वारा स्टेडियम प्रांगण में वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम को आयोजित करने में यूएनओ मिंडा, गणेशा इकोस्फेयर व वेलनेस पार्टनर के रूप में फिटनेस-25 समेत अन्य संस्थानों का सहयोग भी रहा। कार्यक्रम का संचालन विजय पाल एवं रजत धवन द्वारा किया गया । कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों के लिए 6किमी. , 3किमी. व फन रेस का आयोजन किया गया। जिसमे 410प्रतिभागी उपस्थित रहे ।जिसमें 6 किमी- में क्रमश: दीप मंडल, ओमपाल प्रजा. पति, रमन सिंह ने प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया । 3किमी- पुरुष वर्ग में राजेश सिंह, भावेश कुकरेती, हिमांश राजपूत ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया । 3 किमी- महिला वर्ग में गुंजन बिष्ट, मुस्कान गिरी, अंजलि ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। रेस के उपरांत हार्टफुलनेस जागरूकता एवं ध्यान सत्र का आयोजन डा. सीमा अरोड़ा द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि हार्टफुलनेस संस्थान 160 देशों में ध्यान के माध्यम से आंतरिक रूपांतरण करता है जिससे कि संसार को बेहतर दृष्टिकोण से देखा जा सके। जिसके बाद जिलाधिकारी ने अपने वक्तव्य में हार्टफुलनेस संस्था द्वारा आयोजित किए गए कार्यक्रम की सराहना की व हार्टफुलनेस ध्यान की उपयोगिता बताते हुए हम सभी को अपनी जीवन शैली में इसे शामिल करने का सुझाव दिया।

इसी क्रम में एसपी सिटी क्राइम निहारिका तोमर द्वारा युवाओं को संबोधित करते हुए कहा गया कि वे स्वयं भी नियमित हार्टफुलनेस ध्यान का अभ्यास करती हैं इससे उनके दैनिक जीवन में संतुलन बना रहता है। तत्पश्चात सभी अतिथियों द्वारा विजेता प्रतिभागियों को पदक वित. रित किए गए एवं कार्यक्रम में सहयोग करने वाले सभी स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला क्रीड़ाधिकारी जानकी कार्की, ब्लॉक प्रमुख गदरपुर ज्योति ग्रोवर, जीएस पाल, गणेशा इकोस्पेयर जीएम एमपी अवस्थी, विपिन त्रिपाठी, अरविंद गंगवार, डीपीएस विद्यालय के प्रधानाचार्य चेतन चौहान, सिक्स सिगमा इंस्टीटझूट से प्रधानाचार्य डा. ललित सिंह बिष्ट, मुकेश कुमार, विपिन त्रिपाठी, रिटायर्ड मेजर जयदीप सिंह, कमल सक्सेना, नवनीत, हरीश, सुधा जोशी, नवतेज, अर्जुन सिंह, अनुभव बाठला, मो. गाजी, मनमीत, चंदन, शिवम, मनीष यादव, रंजन, तरुण, अरविंद, अनंत, वर्णिका, प्रेरणा, सृष्टि, दिव्यांशु, मानसी सहित हार्टफुलनेस प्रशिक्षक एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

पुरस्कार वितरण मुख्य अतिथियों द्वारा किया गया।

प्रतियोगिता के परिणाम

कुल 410 प्रतिभागियों ने तीन श्रेणियों 6 किमी., 3 किमी. एवं फन रेस में हिस्सा लिया।

6 किमी. वर्ग
1. दीप मंडल- प्रथम
2. ओमपाल प्रजापति- द्वितीय
3. रमन सिंह-तृतीय

3 किमी पुरुष वर्ग
1. राजेश सिंह-प्रथम
2. भावेश कुकरेती-द्वितीय
3. हिमांश राजपूत-तृतीय

3 किमी महिला वर्ग
1. गुंजन बिष्ट-प्रथम
2. मुस्कान गिरी-द्वितीय
3. अंजलि-तृतीय

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने थाना दिवस में सुनीं समस्याएं

शाह टाइम्स संवाददाता

रविवार को थाना गदरपुर में थाना दिवस का किया गया आयोजन

गदरपुर। थाना दिवस के अवसर पर रविवार को गदरपुर थाने में आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम में एसएसपी मणिकांत मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान क्षेत्र के बड़ी संख्या में प्रधान, वार्ड सदस्य, व्यापारी प्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

रविवार को थाना परिसर में एसएसपी मणिकांत मिश्रा की अध्यक्षता में थाना दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पहुंचने पर एसएसपी का पालिकाध्यक्ष मनोज गुंबर के द्वारा पुष्प गुच्छ व पटका पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में लोगों ने खुलकर अपनी समस्याएँ एसएसपी मणिकांत मिश्रा के समक्ष रखीं। शहर के सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश कंबोज ने नगर में नालियों से आगे किए गए अतिक्रमण का मुद्दा उठाते हुए इसे तत्काल हटवाने की मांग रखी। वहीं व्यापार मंडल के अध्यक्ष ने शहर में नो एंट्री व्यवस्था को जारी रखने और रात के समय भारी वाहनों के शहर में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की मांग रखी, ताकि ट्रैफिक और सुरक्षा व्यवस्था बेहतर हो सके। युवा प्रधान मो. तय्यब ने ग्राम में अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की। क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रतिनिधि शराफत मंसूरी ने कहा कि नेशनल हाईवे पर सड़क किनारे लगे पेड़ों के कारण दुर्घटना बनी रहती है। पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष पंकज सेतिया ने थाने में आने वाले फरियादियों के मुकदमे ना लिखने की बात कही, इस दौरान कुछ लोगों ने नाबालिकों के द्वारा वाहन चलाने की शिकायत की तो किसी ने स्कूलों के बाहर मनचलों के द्वारा स्कूली छात्राओं से छेड़छाड़ करने की शिकयत की। वहीं एक अन्य फरियादी अमर सिंह ने पुत्री के ससुरालियों पर प्रताड़ित करने के आरोप लगए। स्थानीय लोगों ने भी शहर में नालियों से बाहर हो रहे अतिक्रमण और सड़क संकरे होने की समस्या प्रमुखता से उठाई। सभी शिकायतों को एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने गंभीरता से सुना और तत्काल अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

धूमधाम से मनाया ग्रेट मिशन पब्लिक स्कूल का रजत जयंती समारोह

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। ग्रेट मिशन पब्लिक स्कूल हिम्मतपुर ब्लॉक का रजत जयंती समारोह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नैनीताल लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं पूर्व रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट रहे। कार्यक्रम में विभिन्न संस्कृतियों को एक सूत्र में पिरोकर रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जिनको मुख्य अतिथि एवं समस्त उपस्थित जनता को मंत्र मुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में सिंड्रेला डांस,बॉलीवुड, सेव गर्ल चाइल्ड, उत्तराखंड के रंग, हीरोज ऑफ नेशन, स्कूल बैंड आदि थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि को एनसीसी 79 बटालियन की स्कूल की टुकड़ी ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। मुख्य अतिथि अजय भट्ट ने इस अवसर पर स्कूल के अंदर संचालित होने वाली 10 मीटर इनडोर राइफल शूटिंग कक्ष का उद्घाटन भी किया।जिससे बच्चों में देशप्रेम की भावना विकसित होगी। कार्यक्रम की शुरुआत ब्लॉक प्रमुख रामनगर मंजू नेगी , ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख रामनगर संजय नेगी, स्कूल की प्रधानाचार्या डा. नलिनी श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलन से की। अपने संबोधन में स्कूल की प्रधानाचार्या डा. नलिनी श्रीवास्तव ने 25 वर्षों की यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि 25 वर्षों से अभिभावकों ने जो भरोसा हमारे संस्थान पर दिखाया है उसके लिए हम उनके आभारी है । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अजय भट्ट ने सभी कार्यक्रमों की सराहना की।

सांसद अजय भट्ट ने कहा बिहार में सत्य की जीत

■ जंगलराज हुआ खत्म, कांग्रेस की आपसी मनुमुटाव पर कहा अंतर्कलह उनकी पुरानी संस्कृति

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। रामनगर में ग्रेट मिशन पब्लिक स्कूल के वार्षिक कार्यक्रम में पहुंचे नैनीतालख्रउधम सिंह नगर के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय भट्ट ने बिहार चुनाव विपक्ष की कार्यशैली और कांग्रेस में चल रही अंतर्कलह पर तीखी प्रतिक्रिया दी,कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में जो परिणाम आए हैं, वह असत्य पर सत्य की जीत हैं।

अजय भट्ट ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार में लंबे समय तक जो अत्याचार और जंगलराज चल रहा था, जनता ने उसे पूरी तरह सफा कर दिया है। उन्होंने विपक्ष द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा को लेकर भी आपत्ति जताई। भट्ट ने कहा कि वोट चोर, फलाना चोर, चौकीदार चोर जैसी टिप्पणी करने वाले विपक्ष ने राजनीति में शिष्टाचार खत्म कर दिया है। यही कारण है कि बिहार में जनता ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है।

उन्होंने कहा कि बिहार में एक समय ऐसा था जब शाम 5 बजे के बाद लोग घरों से बाहर निकलने से डरते थे। यदि कोई व्यक्ति ड्यूटी पर जाता और समय से घर न लौटता, तो परिवार में रोना-धोना शुरू हो जाता था।उन्होंने बिहार के पुराने हालात पर बात करते हुए कहा कि अंधेरा होते ही स्टेशन पर उतरना सुरक्षित नहीं था, न टैक्सी मिलती थी और न कोई सड़क पर दिखाई देता था। महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति बेहद खराब थी।अजय भट्ट ने कहा कि लोगों को खुलेआम रोक लिया जाता था।कितना पैसा है और कितने लोग वोट दोगे।यह सब लोकतंत्र नहीं था, यह जंगलराज था,उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार में अब शांति, सुरक्षा और विकास की धारा बह रही है।उन्होंने पश्चिम बंगाल का जिक्र करते हुए कहा कि वहां भी हालात पहले जैसे रहे थे, लेकिन अब परिवर्तन जरूरी हो चुका है। जनता वहां भी बदलाव के लिए तैयार बैठी है,प्रदेश में कांग्रेस में नई पार्टी के गठन और बढ़ती अंतर्कलह पर प्रतिक्रिया देते हुए भट्ट ने कहा कि कांग्रेस की आंतरिक लड़ाई कोई नई बात नहीं है,उनकी संस्कृति ही ऐसी है। कहा कि कांग्रेस में अकेले चलो की राजनीति हमेशा से चलती आई है, और कुछ परिवारों का ही संगठन पर कब्जा रहा है। यही कारण है कि आज पार्टी कई हिस्सों में बिखर रही है। इस दौरान ग्रेट मिशन पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर डॉक्टर प्रसून श्रीवास्तव, प्रणव श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य डॉक्टर नलिनी श्रीवास्तव, भाजपा नेता राकेश नैनवाल, भूपेंद्र सिंह खाती, इंदर सिंह रावत, गणेश रावत, घनश्याम शर्मा, मनोज पांडे, भरत तिवारी आदि थे।

हादसे में एक की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। रामनगर के एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई जबकि उसका एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा बैलपड़ाव चौकी क्षेत्र के हल्द्वानी-रामनगर मार्ग पर हुआ।शनिवार की रात दो युवक बाइक पर सवार होकर गैबुआ से रामनगर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रामनगर-हल्द्वानी मार्ग पर गैबुआ के पास सामने से आ रही एक तेज रफ्तार टैक्टर- ट्रॉली ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार राशिद अंसारी पुत्र याकूब उम्र 25 वर्ष, निवासी मोहल्ला खताड़ी व सलमान गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलों को तुरंत रामनगर सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने राशिद अंसारी को मृत घोषित कर दिया। जबकि सलमान को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक मोहम्मद यूनुस ने बताया कि रविवार सुबह सरकारी अस्पताल में युवक का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।मृतक के परिजनों की और से तहरीर मिलने पर आरोपी चालक के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएंगी। मृतक पांच भाई बहन थे और वह अविवाहित था। मृतक टाइल्स पत्थर लगाने का काम करता था।

एक नजर...

तीन युद्धों में बहादुरी दिखाने वाले वीर योद्धा कैप्टन पीएस देव का हुआ निधन

सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षिक, सैन्य संगठनों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। सैना में रहते हुए पहले एक दशक में तीन युद्धों के साक्षी बने, दुश्मन के सामने लगातार डटे रहने वाले वीर सेनानी कैप्टन पहलाद सिंह देव (88) ने शनिवार सुबह अपने प्रेमनगर स्थित आवास में शांत भाव से अंतिम सांस ली। उन्होंने सामान्य अवस्था में खड़े खड़े अनंत यात्रा का जो मार्ग अपनाया वह साधु-संतों के लिए भी दुर्लभ सौभाग्य माना जाता है। कैप्टन देव का अंतिम संस्कार रामेश्वर घाट में किया गया, जहां उनके एकलौते पुत्र राज्य आंदोलनकारी भूपेश देव तथा भतीजों जगदीश और महेश ने मुखाग्नि दी। बड़ी संख्या में लोगों ने नम आंखों से इस वीर योद्धा को अंतिम विदाई दी। सेवा का हर पल देश और समाज को समर्पित कमांडो इसटैक्टर के रूप में अपनी बहाद. ुरी का लोहा मनवाने वाले कैप्टन देव 1993 में सेवानिवृत्त होने के बाद समाज सेवा में पूरी तरह जुट गए। कई बार जिला पूर्व सैनिक लीग के अध्यक्ष रहे, और पूर्व सैनिकों को संगठित कर विकास कार्यों में उनकी ऊर्जा का नए रूप में उपयोग कराया। कैप्टन देव के निधन पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय मंत्री अजय टम्टा, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, पूर्व कैबिनेट मंत्री महेंद्र सिंह माहरा, विधायक खुशाल सिंह अधिकारी, जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद अधिकारी, जिलाधिकारी मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल उमेद सिंह, पूर्व सैनिक लीग के अध्यक्ष कैप्टन आरएस देव, मुख्य शिक्षा अधिकारी एमएस बिष्ट, नगरपालिका अध्यक्ष गोविंद वर्मा, भाजपा के वरिष्ठ नेता सतीश चंद्र पांडे, पूर्व ब्लॉक प्रमुख लक्ष्मण सिंह लमगड़िया सहित अनेक सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षिक एवं सामाजिक संगठनों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

जनहित में प्रचलित पोर्टलों के बारें में किया जागरूक

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। डीडीहाट पुलिस ने क्षेत्र के लोगों के साथ वार्ता कर उन्हें जागरूक किया। थानाध्यक्ष संजय जोशी के नेतृत्व में बीते रोज पुलिस क्षेत्र में पहुंची। इस दौरान पुलिस ने लोगों को जनहित में प्रचलित पोर्टलों के बारे में जानकारी दी। कहा कि व्यक्ति उत्तराखण्ड पुलिस ऐप, साइबर क्राइम पोर्टल के जरिये अपनी समस्याओं को पुलिस तक पहुंचा सकते है। साथ ही पुलिस ने वर्तमान में बढ़ रहे नशे व लागू हुए नये कानूनों के बारे में भी लोगों को जागरूक किया।

पंचेश्वर में मंदिर निर्माण को लेकर बैठक का आयोजन किया

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। नेपाल सीमा से लगे पंचेश्वर त्रिवेणी संगम मंदिर परिसर में क्षेत्रवासियों ने मंदिर के निर्माण के लिए बैठक का आयोजन किया। बैठक में पौराणिक चमू देवता और शिव मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए सामूहिक संकल्प लिया गया। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष जगदीश कलौनी की अध्यक्षता में हुई बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में चमू देवता और केदार देवता के देव डांगरों ने गद्दी लगाकर मंदिर निर्माण कार्य की शुरुआत करने का आदेश दिया। वक्ताओं ने कहा पंचेश्वर त्रिवेणी संगम का यह क्षेत्र अपनी प्राकृतिक सुंदरता और धार्मिक महत्व के लिए जाना जाता है, जहां काली और सरयू नदियों का संगम श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। मंदिर के जीर्णोद्धार से न केवल स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत भी संरक्षित होगी। बैठक में निडिल, खिड़ी, विविल, खाईकोट, पोखरी, पुल्ला, जाख, जिंडी, मड, धौनी सिलिंग, चौपता, नयोलटुकरा, बसकुनी, श्रीकोट, बिल्दे, पुल्ला, किमतोली, मडलक, दिगालीचौड तथा रौशाल क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। संचालन ओंकार धौनी ने किया। इस दौरान नर सिंह धौनी,मदन कलौनी, शंकर पांडेय,राहुल धामी, लक्ष्मण सिंह, विक्रम सिंह सामंत, युगल किशोर धौनी, गणेश दत्त , खीमानंद सुतेडी मौजूद रहे।

14 वार्डों में होगा ग्राम पंचायत सदस्यों का चुनाव

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। रुद्रपुर ब्लॉक में ग्राम पंचायत सदस्य पदों के उपनिर्वाचन के तहत रविंवार को नामांकन वापसी की प्रक्रिया संपन्न हुई। इस दौरान 11 प्रत्याशियों ने अपने नामांकन वापस ले लिए। इसके बाद अब केवल 14 वार्डों में 20 नवंबर को मतदान होगा। नामांकन वापसी के उपरांत इन वार्डों के प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न भी आवंटित कर दिए गए। बीडीओ असित आनंद ने बताया कि 107 वार्डों में ग्राम पंचायत सदस्य निर्विरोध चुने जा चुके हैं, जबकि 16 वार्ड रिक्त रह गए हैं। उन्होंने बताया कि 13ख्र14 नवंबर को कुल 187 नामांकन पत्र दाखिल हुए थे। शनिवार को हुई जांच में 39 नामांकन पत्र निरस्त किए गए। रविवार को 11 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन वापस लिए। अब केवल 14 वार्डों में चुनाव प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

नैनीताल की सभी 14 विधानसभाओं में नियुक्त होंगे अध्यक्ष : यादव

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। समाजवादी पार्टी के रुद्रपुर महानगर कार्यकर्ताओं की बैठक रविवार को सिटी क्लब में आयोजित हुई। इसमें कई लोगों ने सपा की सदस्यता ग्रहण की। साथ ही नैनीताल लोकसभा क्षेत्र की सभी 14 विधानसभाओं में अध्यक्ष नियुक्त करने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए सपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं लोकसभा प्रभारी अरविंद यादव ने कहा कि पीडीए फार्मूले के तहत सपा उत्तराखंड में पहाड़ी, देसी और अल्पसंख्यक समाज की आवाज बनकर सर्वसमाज को साथ लेकर प्रदेश की राजनीति को नई दिशा देगी। उन्होंने कहा कि सिडकुल की स्थापना स्थानीय युवाओं को रोजगार देने के उद्देश्य से की गई थी, जिसमें 70 प्रतिशत रोजगार प्रदेश के लोगों के लिए आरक्षित था, लेकिन आज युवा रोजगार के अभाव में पलायन को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा प्रदेश कहलाने वाले उत्तराखंड में गरीबों और किसानों को सस्ती बिजली उपलब्ध नहीं है। आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर के नाम पर सरकार जनता पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डालकर घरों में अंधेरा करने की तैयारी कर चुकी है।

नागरिकों की आंख और कान की तरह कार्य करती है प्रेस

■ राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर जिला सूचना कार्यालय में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में जनपद के प्रेस प्रतिनिधियों द्वारा बढ़ती भ्रामक सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता के संरक्षण विषय पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए गए।

वक्ताओं ने कहा कि प्रेस नागरिकों की आंख और कान की तरह कार्य करती है। यह जनमत को आकार देने, जागरूक समाज के निर्माण और शासन में जवाबदेही सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रेस की विश्वसनीयता एक स्वस्थ लोकतंत्र की आधारशिला है। सोशल मीडिया एक चुनौती है और इस माध्यम से भ्रामक खबरों का प्रसार तेजी से होता है। इसके साथ ही सनसनीखेजी और जल्दबाजी सटीकता और विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा रही है। वक्ताओं ने यह भी कहा कि रीयल-टाइम संचार माध्यमों, सोशल मीडिया और कंटेंट निर्माण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के उपयोग ने समाचारों के उत्पादन और प्रसार की गति को अभूतपूर्व रूप से बढ़ा दिया है। जहां इससे सूचना तक पहुंच आसान हुई है, वहीं सटीकता, नैतिकता और कानूनी मानकों से जुड़ी नई चुनौतियां भी पैदा हुई हैं। "सबसे पहले खबर देने" की होड़ में कई संगठन तथ्य-जांच और सत्यापन से समझौता करने लगे हैं, जिससे जनता का विश्वास बनाए रखना भी एक चुनौती होता जा रहा है।

गोष्ठी में इस बात पर जोर दिया गया कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए मीडिया संगठनों को पत्रका. रिता के मूल सिद्धांत सत्य, सटीकता, निष्पक्षता और स्वतंत्रता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुन: दृढ़ करना होगा। प्रेस की स्वतंत्रता के संवैधानिक संरक्षण के साथ-साथ नैतिक आत्म-नियमन और तथ्य-आधारित रिपोर्टिंग की संस्कृति को सशक्त किया जाना आवश्यक है। साथ ही, तकनीकी प्रगति को अपनाते हुए भी पत्रका. रिता की नैतिक सीमाओं का पालन करना समय की आवश्यकता है। यह भी अवगत कराया गया कि भारतीय प्रेस परिषद द्वारा राष्ट्रीय प्रेस दिवसख्र2025 की थीम "बढ़ती भ्रामक सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता का संरक्षण" निर्धारित की गई है, जिसके अनुरूप इस विषय पर गहन विचार-विमर्श और समाधान तलाशने की आवश्यकता है।

गोष्ठी में जनपद के पर्वतीय पत्रकार समिति के अध्यक्ष विजय वर्धन उप्रेती, वरिष्ठ पत्रकार रमेश गड़कोटी, वरिष्ठ पत्रकार भक्त दर्शन पाण्डेय, जुगल किशोर पाण्डेय, पत्रकार बृजेश तिवारी, विजय उप्रेती, प्रकाश पाण्डेय, दिनेश अवस्थी, विपिन गुप्ता, राज. ेश पंगारिया, अशोक पाठक एवं जिला सूचना अधिकारी संतोष चंद तथा जिला सूचना कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

आदिम जाति गांव खिरद्वारी में लगा प्रशासनिक शिविर, मिली राहत

■ जिलाधिकारी मनीष कुमार ने घर-आंगन में पहुंचकर सुनीं समस्याएं

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। जनपद के सबसे दूरस्थ और आदिम संस्कृति से जुड़े गांव खिरद्वारी में रविवार का दिन बेहद खास रहा। वर्षों से विकास की मुख्यधारा से दूर रहने वाले इस गांव में पहली बार जिला प्रशासन ने विशाल बहुद्देशीय शिविर लगा कर लोगों को घर-द्वार पर ही सरकारी योजनाओं से जोड़ा। इस दौरान जिलाधिकारी मनीष कुमार ने गांव की गलियों में पैदल भ्रमण किया, ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी भावनाओं, जरूरतों व चुनौतियों को गहराई से समझा।

गांव की भौगोलिक कठिनाइयों और आदिम जाति की विशिष्ट जीवन शैली को देखते हुए यह दौरा अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि 'अब विकास लोगों के पास आएगा, न कि लोग विकास के इंतजार में भटकेंगे'। गांव में पहली बार लगा इतना बड़ा शिविर, घर-आँगन में मिली सुविधाएं। शिविर में स्वास्थ्य, आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक चिकित्सा, पशुपालन, कृषि, उद्यान, खाद्य एवं आपूर्ति, सामाजिक कल्याण, बाल विकास और राजस्व विभागों ने अपनेख्रअपने स्टॉल लगाए। ग्रामीणों के स्वास्थ्य परीक्षण तत्काल किए गए। आयुष विभाग ने दवाएं वितरित कीं। महिलाओं को लक्ष्मी व पोषण किट दी गईं। बीपीएल व पात्र परिवारों का तत्काल पंजीकरण हुआ। छात्रों की शिक्षा संबंधी मांगों को नोट किया गया। रोजगार, पेंशन व राशन कार्ड जैसी सुविधाएं मौके पर उपलब्ध कराई गईं। प्रशासन का उद्देश्य यह था कि जिन लोगों को जिला मुख्यालय तक पहुंचने में कठिनाई होती है, उन्हें आज सभी सेवाएं उनके आंगन में ही उपलब्ध कराई जाएं। गांव की वास्तविक चुनौतियों का जमीनी अध्ययन जिलाधिकारी गांव के दूरस्थ बस्तियों तक पैदल पहुँचे। उन्होंने बारीकी से देखा कि गांव तक पहुंचने का मार्ग अत्यंत कठिन है। बरसात में नदी का बढ़ा हुआ जलस्तर आवागमन रोक देता है। विद्यालय भवन जर्जर अवस्था में है। स्वास्थ्य सेवाएँ तुरंत उपलब्ध नहीं होतीं। कृषि व पशुपालन की अपार संभावनाएं अभी भी अधूरी हैं। इन सभी चुनौतियों को समझते हुए जिलाधिकारी ने मौके पर ही विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

दुकानों के आवंटन में देरी पर भड़के ठुकराल

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। दिल्ली रोड पर चार वर्ष पूर्व निर्मित आधुनिक अनाज मंडी में अभी तक आढ़तियों को दुकानें आवंटित न होने से पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल नाराज दिखे।

रविवार को मंडी परिसर का निरीक्षण करते हुए उन्होंने अधिकारियों पर भ्रष्टाचार और आवंटन में अनावश्यक देरी का आरोप लगाया। ठुकराल ने कहा कि 100 करोड़ की लागत से तैयार की गई 118 डबल शटर दुकानें चार वर्ष से खाली पड़ी हैं, जो आढ़तियों के साथ अन्याय है और सरकार को भी राजस्व नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने बताया कि उनके कार्यकाल में रुद्रपुर गल्ला मंडी तराई चौंबर मर्चेंट कार्यालय के साथ ही दिल्ली रोड स्थित एन झा इंटर कॉलेज की 26 एकड़ भूमि को प्रशासन को हस्तांतरित कराकर मंडी निर्माण का रास्ता साफ किया गया था। मंडी उत्तराखंड-उत्तर प्रदेश सीमा के निकट होने से दोनों राज्यों के किसानों को इसका लाभ मिल सकता है। उचित मूल्य पर उपज की बिक्री से किसानों और सरकार दोनों को फायदा होगा। पूर्व विधायक ने आरोप लगाया कि मंडी तैयार होने के बावजूद दुकान आवंटन के नाम पर अधिकारियों द्वारा रिश्वत मांगे जाने की शिकायतें आ रही हैं। उन्होंने कहा कि किच्छा, गदरपुर, बाजपुर और बिलासपुर की मंडियों में कभी भी आढ़तियों से पैसा नहीं लिया गया, लेकिन यहां आवंटन रोककर भ्रष्टाचार बढ़ाया जा रहा है।।

मेयर के आश्वासन पर छात्रों ने समाप्त किया धरना

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सेमेस्टर विषय संशोधन और कॉलेज को विश्वविद्यालय का दर्जा देने सहित विभिन्न मांगों को लेकर चल रहा छात्रों का धरना रविवार को समाप्त हो गया। मेयर विकास शर्मा रविवार को मौके पर पहुंचे और छात्र प्रतिनिधियों से वार्ता की। उन्होंने आश्वस्त किया कि छात्रों की मुख्य मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखकर समाधान कराया जाएगा। दो दिनों से चल रहे धरने में छात्रों ने ऑनलाइन विषय चयन में सुधार की सुविधा उपलब्ध कराने और महाविद्यालय को विश्वविद्यालय का दर्जा देने की मांग प्रमुखता से उठाई।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर 25 को दिल्ली कूच करेंगे शिक्षक-कर्मचारी

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। पुरानी पेंशन बहाली की मांग पर एनएमओपीएस की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने 25 नवंबर को दिल्ली कूच करने के बारे में रणनीति बनाई।

रविवार को बीआरसी लोहाघाट में एनएमओपीएस के जिलाध्यक्ष गोविंद सिंह मेहता की अध्यक्षता पर बैठक हुई। बैठक में जिला कार्यकारिणी सहित चारों ब्लाकों के पदाधिकारियों और जिले के मान्यता प्राप्त संगठन मौजूद रहे। जिसमें उन्होंने 25 नवबंर को दिल्ली कूच करने पर रणनीति तैयार की। उन्होंने बताया कि 25 नवबंर को दिल्ली में राष्ट्रीय नेतृत्व के बैनर तले पेंशन महारैली होगी। जिसमें देश भर के कर्मचारी मौजूद रहेंगे।इस मौके पर मंडलीय उपाध्यक्ष कैलाश फर्त्याल, जिला उपाध्यक्ष चिंतामणि कापड़ी, मीडिया प्रभारी शंकर अधिकारी, राशिस. जिलाध्यक्ष जगदीश अधिकारी, कोषाध्यक्ष संजय कुमार आदि मौजूद रहे।

योग मार्च के साथ दिया पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश

■ फिट इंडिया कार्यक्रम में डीएम भाटगांई और मेयर देवलाल की सहभागिता

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। लक्ष्मण सिंह महर डिग्री कॉलेज में फिट इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी आशीष भाटगांई (मुख्य अतिथि) एवं मेयर कल्पना देवलाल (विशिष्ट अतिथि) द्वारा सहभाग कर किया गया।

दौड़ की शुरुआत करने के उपरांत अतिथियों ने कॉलेज से रामचंद्र योग केंद्र तक मार्च निकाला और केंद्र में विभिन्न योग आसनों का अभ्यास किया। Green HFN Run – 2025 : पर्यावरण संरक्षण में जनसहभागिता का प्रभावी मॉडल इस वर्ष भी Green HFN Run में बड़ी संख्या में आमजन ने पंजीकरण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में योगदान दिया। पंजीकरण से प्राप्त धनराशि HFN Forestry द्वारा संचालित वृक्षारोपण एवं संरक्षण मिशन HIN को और अधिक मजबूत बनाएगी। आयोजन समिति ने इसके सफल संचालन में सहयोग देने वाले सभी प्रायोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। Green HFN Run उद्देश्य एवं यात्रा बढ़ते पर्यावरण संकट एवं प्राकृतिक संसाधनों के तेजी से दोहन को देखते हुए वर्ष 2023 में Green HFN Run की शुरुआत "जल संरक्षण" थीम के साथ की गई। यह आयोजन Fit India Movement एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के आधिकारिक सहयोग से संचालित है, जिसका उद्देश्य शारीरिक फिटनेस और पर्यावरण जागरूकता को एक साथ आगे बढ़ाना है।

वर्ष 2024 में यह कार्यक्रम वैश्विक स्तर पर "वनों को अग्नि से बचाना" थीम के साथ संपन्न हुआ। 'वर्ष 2025 की यह तीसरी दौड़ वन संरक्षण एवं वृक्षारोपण को समर्पित रही, जिसका मुख्य विषय "पृथ्वी" था।' प्रतिभागियों द्वारा पहनी गई भूरे रंग की टी-शर्ट इसी थीम का प्रतीक बनी। जिलाधिकारी आशीष भटगांई और मेयर कल्पना देवलाल ने विजेताओं को सम्मानित किया। डीएम भटगांई ने Green HFN Run को एक प्रेरणादायक बताते हुए सभी को इस मुहिम से जुड़कर फिटनेस बढ़ाने, पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया।

प्रतियोगिता परिणाम (08 किमी दौड़)

पुरुष वर्ग

प्रथम स्थान: विजय (कुमाऊं रेजिमेंट)
द्वितीय स्थान: पवन (कुमाऊं रेजिमेंट)
तृतीय स्थान: दीपक (कुमाऊं रेजिमेंट)

महिला वर्ग

प्रथम स्थान: माया (वाल्दिया स्पोर्ट्स)
द्वितीय स्थान: कविता (वाल्दिया स्पोर्ट्स)
तृतीय स्थान: मोना (वाल्दिया स्पोर्ट्स)

विश्वसनीयता ही प्रेस की असली पूंजी: ओली

■ जिला सूचना कार्यालय में पत्रकारों और प्रशासन ने रखे सुझाव

शाह टाइम्स संवाददाता

चम्पावत। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर जिला सूचना कार्यालय चम्पावत में एक प्रभावशाली विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी मनीष कुमार ने की। कार्यक्रम में जनपद के वरिष्ठ एवं युवा पत्रकारों ने इस वर्ष की थीम 'बढ़ती भ्रामक सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता का संरक्षण' पर अपने विचार व्यक्त किए। गोष्ठी का संचालन जिला पत्रकार संगठन के अध्यक्ष चन्द्र बल्लभ ओली ने किया, जबकि जिला सूचना अधिकारी धीरज कार्की ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

पत्रकारों ने कहा विश्वसनीयता ही प्रेस की असली पूंजी है। गोष्ठी में मौजूद पत्रकारों ने बदलते मीडिया परिदृश्य, डिजिटल प्लेटफॉर्म की चुनौतियों और फैक्ट-चेकिंग की अनिवार्यता पर अपने अनुभव साझा किए। गिरीश बिष्ट ने कहा कि पत्रकारिता को निजी स्वार्थ से दूर रखते हुए निष्पक्षता को सर्वोपरि रखना चाहिए। दिनेश भट्ट ने पोर्टल व प्रिंट मीडिया की प्रतिस्पर्धा में बिना पुष्टि खबर प्रकाशित होने को गंभीर चुनौती बताया। लक्ष्मण बिष्ट ने कहा कि पत्रकार का उद्देश्य जनता की समस्याओं को सामने लाना है, इसलिए तथ्य-पुष्टि अनिवार्य है। जगदीश बिष्ट ने हर स्तर पर प्रेस की विश्वसनीयता बनाये रखने पर बल दिया। मयंक पंत ने तथ्य सत्यापन में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करते हुए कहा कि बिना पुष्टि कोई भी समाचार प्रकाशित नहीं होना चाहिए। मृदुल पांडे ने प्रशासनिक खबरों में विभागीय स्रोतों से पुष्टि को प्राथमिकता देने की बात कही। पंकज पाठक ने सोशल मीडिया के जमाने में प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता बनाए रखने को आवश्यक बताया। दिनेश पांडे ने कहा कि खबर प्रसारित करने से पूर्व उसकी पूर्ण तथ्य-जांच आवश्यक है। उन्होंने मीडिया की निष्पक्षता, जिम्मेदारी और जनता की आवाज को शासन तक पहुंचाने की भूमिका पर बल दिया। कहा प्रेस की विश्वसनीयता ही उसका मूल्य है। नागरिकों से प्राप्त सूचनाओं को प्रकाशित करने से पूर्व सत्यापन अनिवार्य है।

चंद्रशेखर जोशी ने डिजिटल मीडिया में फैक्ट-चेकिंग को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। जीवन बिष्ट ने भारत का उल्लेख करते हुए गुणवत्ता सुधार की आवश्यकता जताई। जिलाधिकारी ने कहाख्र।ए और डिजिटल युग में पत्रकारिता की जिम्मेदारी और बढ़ी जिलाधिकारी मनीष कुमार ने सभी पत्रकारों को राष्ट्रीय प्रेस दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सोशल मीडिया, इंटरनेट के दौर में पत्रकारिता नए दौर की जटिल चुनौतियों से गुजर रही है। उन्होंने कहा कि "पत्रकारिता आम जनता की आवाज है। विश्वसनीय, तथ्य-आधारित और संतुलित रिपोर्टिंग ही लोकतंत्र को मजबूत बनाती है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाती है।

निर्माणाधीन आर्मी कैंटीन का चेयरमैन जोशी ने किया निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने करोड़ों की लागत से बन रही मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट आर्मी कैंटीन का स्थलीय निरीक्षण किया।

इस प्रोजेक्ट आर्मी कैंटीन का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने निर्माण कार्य की समीक्षा की एवं कार्यदाई संस्था से अतिशीघ्र निर्माण कार्य पूरा करने को लेकर जानकारी हासिल की। वहीं पालिका अध्यक्ष जोशी ने कहा कि नगरपालिका की सीमा के अंतर्गत बन रही सैनिक कैंटीन के प्रारंभ होने से खटीमा एवं उसके आसपास के आर्मी के जवानों को जो बनबसा कैंटीन पर निर्भर थे अब काफी सहूलियत मिलेगी। उन्होंने कहा अधिकांश पूर्व सैनिक रिटायर्ड होने के बाद भी कहीं ना कहीं नौकरी कर रे हैं जिनके परिवार के लोगों को कैंटीन का सामान लेने में काफी दिक्कत आती थी। अस्थाई रूप से पुराने सरकारी अस्पताल में सैनिक कैंटीन प्रारंभ करवाई गई थी लेकिन स्थान कम होने की वजह से कैंटीन में सारा सामान उपलब्ध नहीं हो पता था अब एक बड़ी कैंटीन शुरू होने वाली है। जिसका शीघ्र ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उद्घाटन करेंगे। इस मौके पर भाजपा पूर्व नगर मंडल महामंत्री मनोज वाधवा, रमेश ढींगरा, राहुल सक्सेना, चंदन जोशी, भास्कर जोशी, सभासद प्रति. निधि विजय कुमार, लक्ष्मण भंडारी आदि उपस्थित रहे।

सकारात्मक चिंतन को बनाए रखने पर ज़ोर

'मेरी संस्कृति, मेरी पहचान' गोष्ठी में उत्तराखण्ड की आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने का संकल्प

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नई टिहरी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के बौराड़ी स्थित सेवा केंद्र द्वारा रविवार को देवभूमि पर्यटन महाअभियान के अंतर्गत 'मेरी संस्कृति, मेरी पहचान' विषय पर एक सारगर्भित गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तराखंड की संस्कृति, परंपराओं और नैतिक मूल्यों को न केवल संरक्षित रखना बल्कि उन्हें नई पीढ़ी तक प्रभावी रूप में पहुँचाना था। गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि देवभूमि की पहचान हमारे आचरण, विचारों और जीवन-मूल्यों में ही निहित है, और यदि हम सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें तो इस महान धरोहर को सदैव जीवित रखा जा सकता है। गोष्ठी का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष इशिता सजवाण ने दीप प्रज्वलित कर किया। ब्रह्माकुमारी संस्था से जुड़ी बहनों ने उन्हें

पारंपरिक पटका पहनाकर स्वागत किया। अपने संबोधन में इशिता सजवाण ने कहा कि उत्तराखंड केवल देवभूमि ही नहीं, बल्कि वीरभूमि भी है। यहां की प्राचीन संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत, परंपराएं और सिद्धांत देश-दुनिया में विशिष्ट पहचान रखते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में विश्वस्तरीय आध्यात्मिक और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए समाज के हर वर्ग को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने देवभूमि पर्यटन महाअभियान को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। गोष्ठी के मुख्य वक्ता, ब्रह्माकुमारी के जोनल कोऑर्डिनेटर और वैज्ञानिक बीके पीयूष ने कहा कि उत्तराखंड भारत का मुकुट है और यहां की संस्कृति, प्रकृति तथा परंपराएँ अद्वितीय हैं। उन्होंने कहा कि गंगा नदी का संवर्धन, पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक उन्मूलन और गौ संरक्षण हर उत्तराखंडी का प्रमुख कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि भारतीय संस्कृति की गरिमा बढ़ाने के लिए यह जागरूकता अभियान श्रीनगर, रुद्रप्रयाग, कर्णप्रयाग, गोपेश्वर, गुप्तकाशी और ज्योतिर्मठ से होते हुए अब नई टिहरी पहुँचा है, जहाँ लोगों में सांस्कृतिक चेतना जागृत करने का उद्देश्य रखा गया है। ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने अपनी प्रेरक वक्तव्य में कहा कि भारतीय संस्कृति अनुशासन, संयम और संत. ुलित जीवनशैली पर आधारित है। उन्होंने कहा कि सुबह जल्दी उठना और रात को समय पर विश्राम करना हमारे स्वास्थ्य और मानसिक शांति दोनों के लिए अत्यंत लाभकारी है, और यह परंपरा सदियों से भारतीय जीवनशैली का हिस्सा रही है। कार्यक्रम के दौरान बीके अनिता बहन, जीएमवीएन के प्रबंधक मो. हनलाल, ज्योति, नेहा, कमल सिंह महर, सोहन सिंह राणा, सचिन सजवाण सहित कई लोग उपस्थित रहे। गोष्ठी में आए सभी वक्ताओं ने सकारात्मक चिंतन, सांस्कृतिक संरक्षण और आध्यात्मिकता को जीवन में अपनाने पर जोर दिया, जिससे देवभूमि की पहचान और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रह सके।

वरिष्ठ नागरिकों का तीर्थ जत्था रवाना

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नई टिहरी। उत्तराखंड सरकार की महत्वाकांक्षी मातृ-पितृ तीर्थाटन योजना के तहत टिहरी जनपद के देवप्रयाग विकासखंड के 31 वरिष्ठ नागरिकों का दल शनिवार सुबह पवित्र बदरीनाथ धाम के लिए रवाना किया गया। जिला पर्यटन विकास अधिक. ारी टिहरी एसएस राणा ने बताया कि इस दल में 10 पुरुष और 21 महिलाएँ शामिल हैं, जिन्हें चार दिवसीय निशुल्क तीर्थ यात्रा का अवसर प्रदान किया गया है। सरकार द्वारा संचालित यह योजना बुजुर्गों को धार्मिक स्थलों के दर्शन कराने के साथ-साथ उनके जीवन में आध्यात्मिक संतोष और मानसिक प्रसन्नता प्रदान करने का उद्देश्य रखती है। यात्रा को हरी झंडी देवप्रयाग ब्लॉक प्रमुख विनोद सिंह बिष्ट, क्षेत्र पंचायत सदस्य दसौली करम सिंह गोसाई, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष विजय सिंह बिष्ट, ग्राम प्रधान चाका पिछवाड़ा अमिता सेमवाल और ग्राम प्रधान अमिल्डा दिनेश डंगवाल ने संयुक्त रूप से दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और

ग्रामीणों ने तीर्थ यात्रियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनकी यात्रा को मंगलमय होने की कामना की। जिला पर्यटन विकास अधिकारी ने बताया कि तीर्थ यात्रियों के भोजन और आवास की व्यवस्था गढ़वाल मंडल विकास निगम द्वारा अपने पर्यटक आवास गृह में की जा रही है, ताकि यात्रियों को यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही यात्रा के लिए सुरक्षित और आरामदायक वाहन की सुविधा उत्तराखंड परिवहन निगम द्वारा उपलब्ध कराई गई है। यात्रा दल में देवप्रयाग विकासखंड के ग्राम चाका पिछवाड़ा, ग्राम डोभ और ग्राम अमिल्डा के वरिष्ठ नागरिक शामिल हैं, जो इस अवसर को लेकर अत्यंत उत्साहित नजर आए। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व सेम मुखेम क्षेत्र से भी वरिष्ठ नागरिकों के एक दल को यात्रा पर भेजा जा चुका है, जबकि आगामी 18 तारीख को घनसाली ब्लॉक के बुजुर्गों के एक और जत्थे को तीर्थाटन के लिए रवाना किया जाएगा। सरकार द्वारा चरणबद्ध तरीके से विभिन्न क्षेत्रों के वरिष्ठ नागरिकों को इस योजना का लाभ प्रदान किया जा रहा है। यात्रा के दौरान व्यवस्था संचालन में पर्यटन विभाग के मनोज बिजलवान, उमेद सिंह राणा, दरमियान सिंह नेगी सहित अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे और रवाना होने तक संपूर्ण व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभालते रहे।

सांस्कृतिक प्रतियोगिता का रंगारंग आगाज

चिन्यालीसौड़ (उत्तरकाशी। चिन्यालीसौड़ में ब्लॉक स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आगाज रंगारंग कार्यक्रमों के साथ शुभारंभ हो गया है। उत्तराखंड संस्कृत अकादमी की ओर से ब्लॉक स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इसमें विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज चिन्यालीसौड़ में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला पंचायत सदस्य प्रियंका रावत ने किया। इस दौरान श्लोक उच्चारण प्रथम में प्रथम स्थान सरस्वती संस्कृत विद्यालय जोगत द्वितीय स्थान विरजा इंटर कॉलेज चिन्यालीसौड़ रहे। संस्कृत नाटक में प्रथम स्थान सरस्वती संस्कृत विद्यालय जोगत द्वितीय स्थान पीएम श्री राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज चिन्यालीसौड़ संस्कृत आशु भाषण में प्रथम संस्कृत विद्यालय जोगत द्वितीय राजकीय बालिका इंटर कॉलेज चिन्यालीसौड़ संस्कृत समूह गान में प्रथम स्थान राजीव गांधी नवोदय विद्यालय चिन्यालीसौड़ राजकीय इंटर कॉलेज कोटधार गमरी रहे। संस्कृत वाद विवाद में प्रथम स्थान सरस्वती संस्कृत विद्यालय जोगत प्रथम द्वितीय स्थान राजकीय बालिका इंटर कॉलेज चिन्यालीसौड़ रहे। अपने संबोधन में जिला पंचायत सदस्य सरिता वर्धन ने संस्कृत अकादमी द्वारा संचालित प्रतियोगिता की भूरी भूरी प्रशंसा की गई।और संस्कृत भाषा को भारतीय संस्कृति की जननी बताते हुए इसके संरक्षण और प्रचार-प्रसार पर बल दिया। उन्होंने छात्रों की प्रस्तुतियों को प्रशंसनीय बताया। प्रधानाचार्य एवं संयोजक रमेश कोहली ने सभी अतिथियों का शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। कार्यक्रम में वीरेंद्र वर्धन, शोभन सिंह, सिद्धार्थ नौटियाल आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय पत्रकार दिवस पर टिहरी में प्रेस की विश्वसनीयता पर सार्थक मंथन

बढ़ती भ्रामक सूचनाओं पर लगाम को लेकर चर्चा, पत्रकारों ने रखी नीतिगत सुधार, निगरानी तंत्र और प्रेस मान्यता में बदलाव की मांग

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नई टिहरी। राष्ट्रीय पत्रकार दिवस के अवसर पर रविवार को जिला सूचना कार्यालय टिहरी गढ़वाल में सूचना विभाग की ओर से एक महत्वपूर्ण प्रेस गोष्ठी का आयोजन किया गया। भारतीय प्रेस परिषद द्वारा निर्धारित इस वर्ष की थीम Safeguarding Press Credibility Amidst Rising Misinformation को केंद्र में रखते हुए आयोजित इस चर्चा में बढ़ती भ्रामक सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता बनाए रखने पर गहन विचार-विमर्श किया गया। अतिरिक्त जिला सूचना अधिकारी भजनी भंडारी ने सभी

पत्रकारों का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय प्रेस दिवस की शुभकामनाएँ दीं और चर्चा की औपचारिक शुरुआत थीम के मुख्य बिंदुओं के साथ की। गोष्ठी में उपस्थित मीडिया प्रतिनिधियों ने वरिष्ठ पत्रकारों के योगदान को याद करते हुए समाचार जगत में बढ़ती गलत सूचनाओं की चुनौती और उससे उत्पन्न खतरों पर विस्तार से चर्चा की। इस संवाद के दौरान न्यू टिहरी प्रेस क्लब अध्यक्ष व सुरकंडा समाचार के संपादक शशि भूषण भट्ट, प्रेस क्लब महामंत्री एवं गढ़ निनाद के संपादक गोविंद पुंडीर, अमर उजाला से गंगा दत्त थपलियाल, हिंदुस्तान से प्रदीप डबराल, बद्री विशाल से गोविंद बिष्ट, नवोदय टाइम्स से मुकेश रतूड़ी, पहाड़ की दहाड़ के संपादक तेजराम सेमवाल सहित कई अन्य पत्रकारों ने अपने विचार रखते हुए पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों की सुरक्षा और विश्वसनीयता की पुनर्स्थापना को अत्यंत आवश्यक बताया। पत्रकारों ने एक स्वर में कहा कि वर्तमान समय में गलत सूचनाएँ वायरस की तरह तेजी से फैलती हैं, जिससे मीडिया की विश्वसनीयता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने सुझाव दिया कि सूचना प्रसारण मंत्रालय को प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया और प्रमुख मीडिया संस्थानों के साथ मिलकर ऐसी नीतियाँ तैयार करनी चाहिए, जो गलत सूचनाओं पर प्रभावी रोक लगा सकें। साथ ही देश, राज्य और जिला स्तर पर स्वतंत्र निगरानी समितियों के गठन की भी आवश्यकता बताई गई, जो तथ्यहीन सामग्री पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित कर सकें। पत्रकारों ने यह भी कहा कि सूचनाओं का सत्यापन और फिल्टरिंग अनिवार्य की जाए, ताकि समाज तक केवल प्रमाणित और तथ्य-आधारित जानकारी ही पहुँच सके। चर्चा के दौरान पत्रकारों ने कई महत्वपूर्ण मांगें भी रखीं। इनमें पत्रकारों की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता निर्धारण, सत्यापन प्रक्रिया को अनिवार्य बनाने, सोशल मीडिया प्लेटफार्म, पोर्टल्स और यूट्यूब चौनलों के लिए प्रामाणिक लाइसेंसिंग व्यवस्था लागू करने, पत्रकारों का मानदेय बढ़ाने, प्रेस मान्यता एवं पेंशन नियमावली में सरलता लाने, सूचना विभाग की समितियों में सभी जनपदों से रोस्टर वाइस प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने, सभी प्रेस प्रतिनिधियों को नियुक्ति पत्र जारी करवाने और राज्य आंदोलन के दौरान लेखनी से योगदान देने वाले पत्रकारों को राज्य आंदोलनकारी के रूप में मान्यता देने जैसी महत्वपूर्ण बातें शामिल थीं। एडीआईओ ने सभी सुझावों को गंभीरता से सुनते हुए उन्हें उच्च स्तर तक भेजने का आश्वासन दिया और बैठक का समापन किया। गोष्ठी में सूचना विभाग से धीरेश सकलानी और नीलम भी उपस्थित रहे। इसके अलावा विभिन्न मीडिया संस्थानों से जय प्रकाश पांडे, विजय गुसाईं, रजत प्रताप, जोत सिंह बगियाल, धनपाल गुंसोला, विजय दास, सूर्य प्रकाश रमोला, विजय पाल सिंह राणा, ज्योति प्रसाद डोभाल, रोशन थपलियाल, मनमोहन सिंह, सुरेन प्रसाद भट समेत कई पत्रकारों ने प्रतिभाग कर कार्यक्रम को सार्थक बनाया।

'प्रेस की विश्वसनीयता की रक्षा पर गोष्ठी

चिंता: भारतीय मीडिया की विश्वसनीयता वैश्विक रैंकिंग में नीचे ले पायदान पर

शाह टाइम्स संवाद्दाता

उत्तरकाशी। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर जिला सूचना कार्यालय में बढ़ती भ्रामक सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता की रक्षा विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। पत्रकार राजेन्द्र भट्ट, चिरंजीव सेमवाल, पृथ्वी दत्त नैथानी, ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह, महावीर राणा, डा. विजेंद्र पोखरियाल और मोहन राणा आदि पत्रकारों ने तेजी से बढ़ रही गलत एवं भ्रामक सूचनाओं को समाज के लिए गंभीर चुनौती बताते हुए कहा कि ऐसे समय में पत्रकारों की जिम्मेदारी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि विश्वसनीय, संतुलित और तथ्यपरक जानकारी ही मीडिया की असली पहचान है, जिसे बनाये रखना हर पत्रकार का दायित्व है। प्रेस क्लब अध्यक्ष उत्तरकाशी चिरंजीव सेमवाल ने कहा कि वैश्विक स्तर पर भारतीय मीडिया की विश्वसनीयता को अक्सर विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक के आँकड़ों से मापा जाता है। वर्ष 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत 180 देशों में 161वें स्थान पर है, जो दर्शाता है कि मीडिया की स्वतंत्रता और सार्वजनिक विश्वास दोनों ही चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

कई विश्लेषण भी इस बात को उजागर करते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय मीडिया की साख में गिरावट आई है। विश्वसनीयता के मामले में भारतीय मीडिया अभी नीचे ले पायदान पर है, और इस स्थिति को सुधारने के लिए निष्पक्षता व तथ्य.परक रिपोर्टिंग पर अधिक ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों का दायित्व को ईमानदारी से सत्य और विश्वसनीयता के सिद्धांतों को प्राथमिकता देकर समाज में जागरूकता फैलाएं। उन्होंने अपने पेशे के मानकों और नैतिक मूल्यों का सम्मान करते हुए निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता पर जोर दिया है। इस दौरान अतिरिक्त जिला सूचना अधिकारी सुरेश कुमार ने गोष्ठी का संचालन करते हुए राष्ट्रीय प्रेस परिषद के उद्देश्यों एवं उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी पत्रकारों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी राकेश मोहन राणा, सुभाष बडोनी, कृष्णा राणा सहित अन्य पत्रकार एवं सूचना विभाग के वरिष्ठ कार्मिक अभिषेक सक्सेना, सुंदरलाल, धर्मेंद्र आदि उपस्थित रहे। उधर यमुना घाटी के पुरोला में भी राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया है जिसमें वरिष्ठ पत्रकार राधे कृष्णा उनियाल, गजेन्द्र सिंह चौहान, बलदेव सिंह भंडारी, दीपेन्द्र कलूडा, शैलेन्द्र भंडारी, अरविंद ज्याड़ा एम एस बौरा, समेत अन्य पत्रकार मौजूद रहे है।

देवली में विद्युत टावर लगाने पर ग्रामीणों ने किया विरोध

श्रीनगर। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना के तहत रानीहाट जगत विहार में बन रहा 132 केवी का विद्युत सब स्टेशन के लिए देवली के ग्रामीणों ने विद्युत टावर लगाने के लिए अपने खेत देने के लिए स्पष्ट मना कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि रेलवे विभाग ने उनकी जमीन को अनैतिक रूप से जबर्दस्ती विद्युत टावर लगा रही है तथा खेतों के बीचों बीच विद्युत टावर खड़ा करके कास्तकारों को प्रभावित करना चाहती है। ग्राम पंचायत रानीहाट के क्षेत्र पंचायत सदस्य मनोज कुमार जोशी ने कहा कि रेलवे परियोजना में अधिकृत कम्पनी आरवीएनएल एवं पिटकुल जबरदस्ती देवली के खेतों के बीचों-बीच विद्युत लाइन टावर खड़ा कर रही है। जो कि कास्तकारों के लिए मुशीबत का कारण बन सकती है। मनोज जोशी ने कहा कि आरवीएनएल शुरू से ही रेलवे लाइन के नाम पर हमेशा से किसानों के साथ सतरंजी चाल चल रही है तथा अनाप सनाप जमीनों को खुर्दबुर्द करने में लगी है। जिसके कारण किसान अपने जमीन से भूमिहीन होता जा रहा है। देवली निवासी शिवचरण सिंह पुण्डीर ने कहा कि हम अपने खेतों में विद्युत लाइन टावर नही लगने देंगे। कहा कि विद्युत लाइन टावर हमारे खेतों लगाने के बजाय अन्य किसी भी जगह पर लगाएं जा सकते हैं, लेकिन जबरदस्ती हमारे खेतों के बीच में लगाना उचित नहीं होगा। इस मौके पर राणीहाट ग्राम प्रधान विजय कुमार, देवली ग्राम प्रधान विजय सिंह पुण्डीर, जगदीश पुण्डीर सहित आरवीएनएल के अधिकारी मौजूद रहे।

शूटिंग में 40 बीएन पीएसी हरिद्वार आलओवर चैम्पियन

उत्तराखंड पुलिस की तीन दिवसीय प्रतियोगिता सम्पन्न

शाह टाइम्स संवाद्दाता

श्रीनगर। उत्तराखंड पुलिस की 21वीं प्रादेशिक शूटिंग प्रतियोगिता रविवार को सम्पन्न हो गई है। एसएसबी केदार फायरिंग रेंज में तीनों दिनों चली प्रतियोगिता में राफल शूटिंग और रिवाल्वर, पिस्टल शूटिंग में 40 बीएन पीएसी हरिद्वार ने आलओवर चैम्पियनशिप अपने नाम की। जबकि रायफल शूटिंग में आइआरबी-1 ने द्वितीय और आइआरबी-2 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रिवाल्वर, पिस्टल प्रतियोगिता में 46 बीएन पीएसी ने द्वितीय और आइआरबी-2 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ निशानेबाज का पुरस्कार 40 बीएन पीएसी हरिद्वार के नरेंद्र सिंह को दिया गया। समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतीथि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी सर्वेश पंवार ने प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते हुए उज्जवल भविष्य कि कामना की। एसएसपी पौड़ी सर्वेश पंवार ने बताया कि प्रतियोगिता में विभिन्न जनपदों एवं वाहिनियों से 15 टीमों ने प्रतिभाग कर अपने कौशल और उत्कृष्ट खेल भावना का प्रदर्शन किया है। कहा कि प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने राइफल, रिवाल्वर एवं पिस्टल की विभिन्न श्रेणियों में अपने सटीक निशाने, आत्मविश्वास और एकाग्रता का परिचय दिया।

कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं पुलिस बल में फायरिंग दक्षता, तत्परता एवं आत्मविश्वास को और अधिक सुदृढ़ करती हैं। एसएसपी ने बताया कि दिल्ली में हुए विस्फोट के बाद से पौड़ी जनपद की सीमाओं ठो चौकस कर दिया है। बताया कि कोटद्वार और लक्ष्मणझूला में पुलिस टीम को सतर्कता रहने को कहा गया है। इस मौके पर एएसपी अनुप काला, सीओ सदर पौड़ी तुषार बो. हरा, पुलिस उपाधीक्षक श्रीनगर अनुज कुमार, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जयपाल सिंह नेगी सहित आदि मौजूद थे।

पैलिएटिव केयर ओपीडी 19 को

श्रीनगर। बेस चिकित्सालय श्रीकोट में कैंसर मरीजों की सुविधा के लिए बुधवार 19 नवंबर को पैलिएटिव केयर ओपीडी लगाई जाएगी। कैंसर स्पेशलिस्ट एवं ऑन्कोलॉजी सर्जन डा. अजीत तिवारी ओपीडी में मौजूद रहेंगे। पैलिएटिव केयर ओपीडी के नोडल अधिकारी, एनेस्थिसिया विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. मोि. हत ने बताया कि कैंसर संबंधी जांच या परामर्श के इच्छुक मरीज सर्जरी ओपीडी के पास स्थित कमरे संख्या 19 में पहुँच सकते हैं।

कूड़ा निस्तारण न होने पर आक्रोश

शाह टाइम्स संवाद्दाता

उत्तरकाशी। नगर पालिका बाड़ाहाट तांबाखाणी सुरंग के पास लगें पुराने कूड़े निस्तारण को लेकर यूकेडी नेताओं ने एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया है। रविवार को उत्तराखंड क्रांति दल की केंद्रीय महामंत्री किरन रावत के नेतृत्व में यूकेडी नेताओं ने ताबांखाणी के पास प्रदर्शन कर शासन प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि जल्द कूड़ा का निस्तारण नहीं किया गया तो यूकेडी नेता इस कूडे को गंगोत्री राजमार्ग पर फेंक देंगे। उन्होंने कहा कि नगर पालिका की ओर से गत कई वर्षो से तांबाखाणी सुरंग के समीप नगर के कूड़े को एकत्रित किया जा रहा है। पालि. का का करीब तीन हजार टन कूड़ा बचा है। उन्होंने कहा कि तांबाखानी सुरंग के मुहाने पर मौजूद पुराना तीन हजार टन कूड़े के निस्तारण की नगर पालिका के पास अभी कोई योजना नहीं है। इससे यह कूड़ा स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का सबब बना है। यूकेडी नेता किरन रावत ने बताया कि उत्तरकाशी गंगोत्री और यमुनोत्री तीर्थ धाम का मुख्य द्वार है यह देश विदेशों के

श्रद्धालुओं आते हैं लेकिन गंगोत्री हाईवे पर लगे कूडे के ढेर की बदबू सबको हैरान कर देती है उन्होंने कहा है कि यह कूड़ा सीधे गंगा नदी में जा रहा है इसे मां गंगा की पवित्रता अपने उद्गम स्थल से ही दूषित हो रही है। प्रदर्शन करने में वरिष्ठ यूकेडी नेता विष्णु पाल सिंह रावत, केंद्रीय उपाध्यक्ष जयप्रकाश, शकुंतला रावत, आशीष पंवार, जितेंद्र सिंह, सुरजीत राणा, मोहित मटूड़ा, संतोष सेमवाल, सौरभ नेगी समेत स्थानीय लोग मौजूद रहे।

अनुभवात्मक प्रशिक्षण सम्पन्न

शाह टाइम्स संवाद्दाता

कोटद्वार। विकास खण्ड जयहरीखाल के बीआरसी खुंडोली में आयोजित प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापकों का पांच दिवसीय अनुभवात्मक प्रशिक्षण रविवार को सम्पन्न हो गया है, जिसमें विकासखंड के 58 विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान संदर्भदाता मोहन सिंह गुसाई, अर्जुन सिंह नेगी, भाष्कर काला व सुबोध काला ने प्रशिक्षु प्रधानाध्यापकों को निपुण भारत मिशन, अद्यतन प्रगति एवं पुनरावलोकन, निपुण भारत मिशन के संशोधित लक्ष्य, दक्षता आधारित आकलन, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य, वाल वाटिका, मिड लाइन परिणामों पर प्रस्तुतीकरण एवं चर्चा, गुणवत्तायुक्त नवाचारी शैक्षिक कार्यक्रम, विद्यालय में पुस्तकालय का उपयोग, विद्यालयों में आई सी टी का प्रयोग, प्रश्न पत्र निर्माण, सड़क सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, परख अभ्यास, विद्यालय संस्कृति, ड्रग्स एवं नशे से बचाव व मोबाइल की लत से बचाव आदि विषयों पर जानकारी दी। नोडल अधिकारी अनिल मैंदोला ने प्रतिभागी प्रधानाध्यापकों से प्रशिक्षण में सीखे तरीकों से छात्र छात्राओं को लाभान्वित करने का आह्वान किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए खंड शिक्षा अधिकारी अमित कुमार चंद ने पूरी टीम को शुभकामनाएं प्रेषित की। इस दौरान सह नोडल अधिकारी धीरेन्द्र सिंह बिष्ट, प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक चंद्रमोहन सिंह रावत, बी आर पी अंजली भास्कर, कृष्णा नेगी, अंजू कुकरेती, विजया उनियाल, बीना भारद्वाज, उर्मिला गुसाईं, ताजवर सिंह, रवींद्र रावत, मनमोहन सिंह, इंद्रमोहन, विजय दीपक व मुहम्मद इदरीश सहित अन्य प्रधानाध्यापकों ने प्रतिभाग किया।

पत्रकारों को समाज को आईना दिखाने की जरूरत : रोहित

शाह टाइम्स संवाद्दाता

रुद्रप्रयाग। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के उपलक्ष्य में सूचना विभाग के तत्वाधान में पत्रकार गोष्ठी का आयोजन जिला मुख्यालय स्थित जीएमवीएन में किया गया। गोष्ठी का मुख्य विषय बढ़ती भ्रामक सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता का संरक्षण वर्तमान समय में मीडिया जगत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्रासंगिक रहा। इस अवसर पर जनपद के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक के साथ सोशल मीडिया से जुड़े पत्रकारों ने गोष्ठी में प्रतिभाग किया।

बैठक के दौरान उपस्थित पत्रकारों ने बदलते दौर की पत्रकारिता, सोशल मीडिया के प्रभाव, बढ़ती फेक न्यूज की चुनौतियों तथा सूचना सत्यापन की अनिवार्यता पर खुलकर विचार साझा किए। वरिष्ठ पत्रकार श्यामलाल सुंद्रियाल ने सभी पत्रकारों को राष्ट्रीय प्रेस दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पत्रका. रिता के क्षेत्र में समय के साथ व्यापक परिवर्तन हुए हैं।

उन्होंने बताया कि जिस दौर में उन्होंने पत्रकारिता प्रारंभ की थी, उस समय सूचना प्रसारण की गति आज जैसी नहीं थी, मगर अब सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव के कारण भ्रामक सूचनाओं का प्रसार भी अत्यधिक तेजी से होने लगा है। उन्होंने कहा कि पत्रकार की भूमिका केवल समाचार प्रकाशित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि पत्रकार समाज में जागरूकता लाने तथा आम लोगों की आवाज को प्रभावी रूप से सामने रखने का महत्वपूर्ण माध्यम है। वरिष्ठ पत्रकार बृजेश भट्ट ने कहा कि बढ़ती भ्रामक सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता का संरक्षण अत्यंत गंभीर विषय है। आज के सोशल मीडिया युग में बिना पुष्टि के सूचनाएं साझा किए जाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जिससे वास्तविक एवं जिम्मेदार पत्रकारों के सामने बड़ी चुनौती उत्पन्न हो रही है। इसी माध्यम से अधिकांश भ्रामक एवं अपुष्ट सूचनाएं तेजी से प्रसारित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि कुछ व्यक्तियों द्वारा केवल सनसनी फैलाने और टीआरपी बढ़ाने के उद्देश्य से बिना खबरों की पुष्टि करे खबरें प्रसारित की जाती हैं, जो समाज पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। ऐसे मामलों पर रोक लगाने को लेकर कठोर नियम तथा प्रभावी कानूनी प्रावधानों की आवश्यकता है, ताकि प्रेस की सत्यता एवं विश्वसनीयता को सुरक्षित रखा जा सके। वरिष्ठ पत्रकार रोहित डिमरी ने कहा कि पत्रकारिता के भेष में आज के समय में कुछ ऐसे शरारती तत्व भी आ चुके हैं, जो समाज में गलत तरह की भ्रांतियां फैला रहे हैं। लोगों तक सही जानकारी नहीं पहुंचने से वे भी भ्रम की स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि प्रिंट और इलक्ट्रोनिक मीडिया पर सोज़ल मीडिया भारी पड़ता नजर आ रहा है। जनता का विज़्वास कम हो रहा है। समाज में भ्रामक खबरों के तेजी के साथ फैलने के कारण आज सत्यता जनता के सामने नहीं आ रही है। इसलिए जरूरी है कि सच्ची पत्रका. रिता कर रहे पत्रकारों को समाज को आईना दिखाने की जरूरत है। वरिष्ठ पत्रकार देवेंद्र चमोली ने कहा कि पत्रकारों को निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से समाज की आवाज और उसके मुद्दों को दृढ़ता के साथ उठाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पत्रकार का मुख्य कर्तव्य जनता से संवाद स्थापित करना और सत्ता से सवाल करना है। चमोली ने कहा कि आज के समय में भ्रामक खबरें पत्रकारिता की सत्यता के लिए गंभीर चुनौती बनी हुई हैं, इसलिए सभी पत्रकारों को जागरूक रहकर कार्य करना चाहिए। इस युग में आवश्यक है कि किसी भी सूचना को प्रसारित करने से पूर्व उसकी पूर्णत: पुष्टि की जाए, तभी पत्रकारिता अपनी विश्वसनीयता बनाए रख सकेगी।

इस अवसर पर जिला सूचना अधिक. ारी रुद्रप्रयाग वीरेश्वर तोमर ने सभी पत्रकार बंधुओं को राष्ट्रीय प्रेस दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि मीडिया आम जनता की आवाज को शासन-प्रशासन तक पहुँचाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी पत्रकारों ने प्रेस की गरिमा और विश्वसनीयता बनाए रखने हेतु साझा प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार श्यामलाल सुंद्रियाल, देवेंद्र चमोली, बृजेश भट्ट, बद्री नौटियाल, हरेंद्र नेगी, रोहित डिमरी, प्रवीन सेमवाल, प्रवीन रावत, कुलदीप राणा आजाद, रवि कप्रवाण, भूपेंद्र भंडारी, प्रकाश रावत, दीपक सिंह, मानवेंद्र सिंह बर्तवाल, पंकज नेगी सहित अतिरिक्त जिला सूचना अधिकारी केएल टम्टा, सहायक लेखाकार नीतीश फरासी, कनिष्ठ सहायक अरुण भरतरी व कैमरामैन भुवनेश नेगी उपस्थित रहे।

विधायक ने छात्रों को किया प्रोत्साहित

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नई टिहरी। प्रतापनगर के विधायक विक्रम सिंह नेगी द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज लंबगांव को तीन लाख रुपये मूल्य की कबड्डी किट उपलब्ध कराए जाने पर विद्यालय परिसर में उनका सम्मान किया गया। विद्यालय

के शिक्षकों और कर्मचारियों ने आभार व्यक्त करते हुए विधायक को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। प्रधानाचार्य धनराज ने कहा कि उपलब्ध कराई गई खेल सामग्री से छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी गतिविधियों में आगे बढ़ने का उत्कृष्ट अवसर मिलेगा और इससे विद्यालय स्तर पर खेलों को नई दिशा मिलेगी। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए विधायक बिक्रम सिंह नेगी ने कहा कि छात्रों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेल अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं से खेलों को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की अपील की। विधायक ने राइका लंबगांव के छात्र सिद्धांत बिष्ट को भी दो बार राज्य स्तर और एक बार राष्ट्रीय स्तर की कबड्डी प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने पर बधाई दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रतिभावान छात्रों को किसी भी प्रकार की कमी का सामना नहीं करने दिया जाएगा और उनके विकास के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। विधायक ने छात्रों से अपनी छिपी प्रतिभाओं को निखारने और निरंतर अभ्यास के माध्यम से उत्कृष्टता प्राप्त करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर उत्साहपूर्ण माहौल में भर गया और छात्र-छात्राओं ने भी खेलों के प्रति गंभीरता दिखाते हुए आगे बढ़ने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर जगबीर महर, मनीष राणा, जयपुरी, ताजबर सिंह नेगी, आशीष चंद, बीना भट्ट, संगीता, सोनाली, सुरभि, आरती, दीपिका, निरंजना, दयाल सिंह सहित कई शिक्षक और कर्मचारी मौजूद रहे।

संगठन की मजबूती को लेकर चलाए गए कांग्रेस का सृजन अभियान रहा कागजों तक सीमित

अपने गलत फैसलों से ही मात खा रही है कांग्रेस!

कार्यकर्ताओं की राय को दरकिनार कर मनमर्जी से की गई जिलाध्यक्षों की नियुक्ति

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। राज्य में कांग्रेस संगठन की मजबूती के लिए चलाया गया कांग्रेस सृजन अभियान केवल कागजों तक सीमित रहा। पार्टी ने नेताओं कार्यकर्ताओं के मशवरे को पूरी तरह दरकिनार कर मनमर्जी से फैसले लिए और रुड़की महानगर अध्यक्ष पद पर दोबारा से राजेंद्र जाट की नियुक्ति को लेकर जहां कार्यकर्ताओं में आक्रोश है और खुलकर विरोध शुरू हो गया है तो रुड़की ग्रामीण जिला अध्यक्ष पद भी एक विधायक को सौंपने पर भी खुद उनके समर्थकों व कार्यकर्ताओं में भी नाराजगी देखी जा रही है। अब भले ही नव नियुक्त पदाधिकारी 2027 में सीधीसर पार्टी प्रत्याशियों की जीत का दावा कर रहे हों लेकिन जमीनी हकीकत बिल्कुल उलट है। खासकर शहर सीट पर तो कांग्रेस की हालत बिल्कुल पतली है। अगर मुसलमान वोटरों को छोड़ दें तो कांग्रेस के पास एक भी ऐसा नेता नहीं है जिसकी अपनी कुछ हैसियत हो या अपने समाज के वोटों को कांग्रेस के हाथ पर ट्रांसफर करवा सके।

अवगत करा दें कि कांग्रेस ने 2027 विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राज्य में कांग्रेस का सृजन अभियान चलाकर कांग्रेस संगठन को जमीन स्तर पर मजबूत करने के लिए महीनों की कड़ी मशक्कत की थी और इसी अभियान के तहत नेताओं कार्यकर्ताओं से राय मशवरे से ही जिला अध्यक्ष बनाने की रणनीति बनाई थी और इसके लिए बाकायदा सभी विधानसभा क्षेत्रों में नेताओं को भी बतौर पर्यवेक्षक भेजा गया। और नेताओं ने उन्हें में जाकर स्थानीय नेताओं कार्यकर्ताओं से राय मशवरा किया। उनसे पूछा कि कौन चेहरा ऐसा है जो संगठन को मजबूत कर सके और कौन चेहरा ऐसा है जो सर्व समाज का जाना पहचाना हो और बतौर जिला अध्यक्ष कांग्रेस के रीती नीतियों को आम जनता तक पहुंचाएं सब समाज के लोगों को साथ लेकर चल सके।

रुड़की ग्रामीण जिला पंचायत पद पर करीब आधा दर्जन लोगों ने मजबूत दावेदारी पेश की थी जिनमें मुस्लिम समाज के भी कई नेता कार्यकर्ता थे तो हिंदू समाज से भी कई नेता कार्यकर्ता थे। इस तरह रुड़की शहर जिला अध्यक्ष पर पूर्व जिला अध्यक्ष के अलावा कई लोगों ने जिला अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी पेश की थी। लेकिन अफसोस है कि जब जिला अध्यक्षों की नियुक्ति हुई तो जिन लोगों की बाबत कार्यकर्ताओं से राय मशवरा किया गया था उनमें से किसी का नाम लिस्ट में नहीं था। अगर बात करें रुड़की ग्रामीण जिला अध्यक्ष पद की तो कलियर विधायक फुरकान

❖जमीन से जुड़े मजबूत कार्यकर्ताओं को संगठन में नहीं दी गई कोई भी तवज्जो

❖राजेंद्र जाट को दोबारा रुड़की महानगर अध्यक्ष बनाने से कार्यकर्ताओं ने किया खुलकर विरोध शुरू

❖विधायक को रुड़की ग्रामीण जिलाध्यक्ष बनाने से भी कार्यकर्ताओं में पनप रही है नाराजगी

अहमद का नाम की घोषणा हुई लेकिन फुरकान विधायक ने तो खुद अपने समर्थकों के लिए सिफारिश की थी न कि उन्होंने दावेदारी पेश भी नहीं की थी। लेकिन कांग्रेस हाई कमान ने अपने विधायक पर ही भरोसा जताया किसी नेता व कार्यकर्ता को कांग्रेस जिला अध्यक्ष पद के लायक नहीं समझा। जबकि अगर ऐसा ना करके किसी नेता कार्यकर्ता को जिला अध्यक्ष बनाया जाता तो उसका फायदा निश्चित तौर पर संगठन को होने के साथ खुद फुरकान विधायक को भी होता। क्योंकि अध्यक्ष बनने पर वह अपनी टीम तैयार करता उसे टीम को चुनाव में इस्तेमाल करता है। अब विधायक तो विधायक है पहले से ही उसकी टीम है वही लोग हैं नए क्यों काम करेंगे इससे तो उल्टा अब इसका नुकसान खुद विधायक फुरकान अहमद को होगा। तो पार्टी को भी निश्चित तौर पर इसका नुकसान झेलना पड़ेगा। क्योंकि ऐसे फैसलों से कार्यकर्ताओं में एक भावना आ गयी कि जब उन पर पार्टी को भरोसा ही नहीं है तो फिर वह किस तरह और क्यों काम करें।

अब बात करें रुड़की शहर कांग्रेस जिला अध्यक्ष पद पर यहां पहले से जाट समाज के राजेंद्र चौधरी काम कर रहे थे। अब पर्यवेक्षकों ने कहा था कि दोबारा से पहले को रिपीट नहीं किया जायेगा। नए कार्यकर्ताओं को मौका मिलेगा। कई दावेदारों ने शहर जिला अध्यक्ष के लिए आवेदन किया तो पर्यवेक्षकों ने भी फीडबैक लिया। लेकिन जब परिणाम आया तो फिर दोबारा से ही राजेंद्र जाट पर ही भरोसा किया। अब शहरी सीट तो वैसे भी भाजपा मानसिकता की होती है। राजेंद्र चौधरी जाट समाज से ताल्लुक रखते हैं लेकिन जाट समाज की बात करें तो शहर में वह मानसिक रूप से भाजपा का वोट बैंक होता है। शहरी क्षेत्र में भाजपाई उसकी पहली पसंद होती है। अब दोबारा नियुक्ति के बाद राजेंद्र जाट मीडिया के सामने बयान देकर दावा कर रहे हैं कि 2027 में रुड़की शहर विधानसभा से कांग्रेस ही चुनाव जीतेगी। अब अगर राजेंद्र जाट के ब्यान पर यकीन करें तो उनके पास कौन सा अलादीन का चिराग है या ऐसा कौन सा बड़ा जनाधार है जो वह जाट समाज के अलावा अन्य हिन्दू समाज को कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में ट्रांस्फर करा देंगे। जबकि राजेंद्र खुद जानते हैं कि रुड़की शहर सीट पर मुसलमान के अलावा दूसरे समाज को भाजपा से हटाकर कांग्रेस पर साथ खड़ा करना बहुत टेढ़ी खीर है। सच कहें तो कांग्रेस को केवल वह हिन्दू समाज ही वोट करता है। जिस समाज से कांग्रेस का प्रत्याशी होता है। वरना बाकी तो यह सब नेताओं की बयान बाजी है। बाकी तो अब 2027 में ही पता चलेगा कि राजेंद्र जाट अपने जाट समाज के अलावा और कितना हिन्दू समाज कांग्रेस के साथ खड़ा कर पायेंगे। फिलहाल तो यही कहा जा सकता है कि कांग्रेस अपने फैसलों की वजह से ही मात खा रही है। निष्वावान पदाधिकारी कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर कुछ चुनिंदा लोगों पर ही भरोसा कर रही है तो फिर किस तरह संगठन मजबूत होगा और किस तरह 2027 फतह होगा। यह भी वक्त ही बतायेगा।

युवक पर जानलेवा हमला करने वाले जल्द होंगे गिरफ्तार : एसपी देहात

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर बाजार में सेठपुर निवासी युवक मनीष कुमार पुत्र मेनपाल पर हुए जानलेवा हमले और गोलीबारी की घटना का एसपी देहात ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हमले के आरोप में तीन व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीम को निर्देशित किया गया है। बाजार से लौटते समय हुआ हमलायह सनसनीखेज घटना तब हुई जब मनीष कुमार अपने घर झाबरी से आए मेहमानों के लिए बाजार से सामान खरीदकर लौट रहे थे। बालावाली तिराहे के पास कोऑपरेटिव बैंक के सामने, पहले से घात लगाए बैठे तीन व्यक्तियों ने मनीष पर जानलेवा हमला कर दिया और गोली मार दीगोली लगने से मनीष गंभीर रूपसे घायल हो गए कमर में फंसी गोली, हायर सेंटर रेफरभीम आर्मी नीटियाल के प्रदेश प्रभारी दीपक सेठपुर ने बताया कि गोली मनीष के एक पैर को छूकर निकल गई, लेकिन एक अन्य गोली अभी भी उनकी कमर में फंसी हुई है, जिसके कारण उनकी हालत बेहद गंभीर बनी हुई है।घायल मनीष को तुरंत लक्सर के पप्पू नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, जहां उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर (अस्पताल) रेफर कर दिया गया।पुलिस की त्वरित कार्रवाईएसपी देहात ने घटना

की गंभीरता को देखते हुए पुलिस को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। दीपक सेठपुर द्वारा लक्सर पुलिस में दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर, तीन ज्ञात/अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि आरोपियों को बहुत जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा पुलिस का कहना है कि हमलावरों को पकड़ने के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

हार्टफुलनेस संस्था ने दौड़ का किया आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। हार्टफुलनेस संस्था द्वारा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार से संबंधित ग्रीन हार्टफुलनेस रन का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने प्रतिभाग कर दौड़ लगाई।

जानकारी के अनुसार हरिद्वार रोड स्थित सहज पुरम आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में भक्तों ने लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया इसके साथ ही पृथ्वी के पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए जन जागरूकता अभियान भी चलाया और हार्टफुलनेस संस्था द्वारा दौड़ का आयोजन किया गया। इस दौड़ की दूरी दो किलोमीटर से चार किलोमीटर तक रखी गई। जिसमें बच्चे युवा और वृद्ध सबने भागीदारी की। प्रतियोगिता के बाद ध्यान सत्र का आयोजन किया गया और सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में रुड़की केंद्र की प्रभारी छवि सिसोदिया,डॉक्टर ए के मलिक, महेश चंद्र वर्मा, सुरेश सिसोदिया, मोतीलाल गोजा, केएल बेरी, राजेंद्र सिंह,सविता पंवार, अनुराधा गर्ग, कुमकुम मित्तल आदि लोग मौजूद रहे।

पुलिस ने दबोचे दो शातिर वाहन चोर, 8 मोटरसाइकिल बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर कोतवाली पुलिस ने दो शातिर वाहन चोरों को दबोच कर विभिन्न क्षेत्रों से चोरी की गई। आठ मोटरसाइकिल बरामद कर वाहन चोरों की कमर तोड़ दी है। एसपी देहात शेखर चन्द्र सुयाल ने पत्रकारों से रूबरू होते हुए बताया कि लगातार हो रही मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं पर लगाम लगातेहुए कोतवाली लक्सर पुलिस ने एक बड़े गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की आठ मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। खुलासा एसपी देहात शेखर चंद सुयाल ने बताया कि काफी दिनों से क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरों के सक्रिय होने की सूचना मिल रही थी। इस सूचना पर पुलिस ने बारीकी से काम करते हुए दो मोटरसाइकिल चोरों को

गिरफ्तार किया।पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम मुराद पुत्र मूर्तजीम निवासी गाडो वाली, थाना पथरी और अमित पुत्र मोहर सिंह निवासी पिपली, कोतवाली लक्सर बताया। उनके पास से चोरी की आठ मोटरसाइकिलें बरामद हुई हैं। आरोपियों का अपराधिक इतिहास पुलिस के अनुसार, आरोपी मुराद एक शातिर अपराधी है, जिसके खिलाफ पहले से ही विभिन्न थानों में 13 मुकदमे पंजीकृत हैं। वहीं, दूसरे आरोपी अमित के खिलाफ भी सात मुकदमे पहले से ही दर्ज हैं।पुलिस टीम को पुरस्कार की घोषणाएसपी देहात ने इस सफलता के लिए पुलिस टीम की सराहना की और उन्हें पुरस्कृत करने की घोषणा भी की।आरोपियों को पकड़ने वाली टीम में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजीव रौथाण, उप निरीक्षक विपिन कुमार, उप निरीक्षक आशीष भट्ट, हेड कांस्टेबल शमशेर खान, राजपाल, विनोद कुमार, कांस्टेबल नवीन चंद्र, वीरेंद्र, सुरेश चौहान और होमगार्ड इमरान शामिल रहे कानूनी कार्यवाही पुलिस ने बताया कि पकड़े गए दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उन्हें संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस बरामद मोटरसाइकिलों के मालिकों की भी बारीकी से जांच कर रही है।

आईआईटी स्टाफ स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित स्पोर्ट्स मीट का समापन

विधायक प्रदीप बत्रा ने किया खिलाड़ियों का सम्मान

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। आईआईटी स्टाफ स्पोर्ट्स क्लब रुड़की द्वारा आयोजित स्पोर्ट्स मीट 2025 का समापन पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। मुख्य अतिथि विधायक प्रदीप बत्रा ने खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। पूरी प्रतियोगिता में 16 मैडल जीतने वाले खिलाड़ी रविमोहन को ट्राफी भेंट की गई।

रुड़की आईआईटी में परिसर स्थित बायोटेक विभाग के ऑडिटोरियम में आयोजित पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे रुड़की विधायक प्रदीप बत्रा ने खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए और कहा कि खेल मानव जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करता है। उन्होंने स्टाफ स्पोर्ट्स क्लब के इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देते हैं बल्कि संस्थान में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर प्रविन्द्र कुमार देशवाल विभागाध्यक्ष संस्थान उपकरण केंद्र ने की। विशिष्ट अतिथियों में कर्नल दीपक ठाकुर, डॉ. आलोक पांडेय, सुभाष सैनी, चौधरी राजकुमार सिंह सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित किया और उनके प्रयासों की सराहना की।कार्यक्रम का संचालन क्लब के अध्यक्ष ठाकुर राजपाल सिंह ने किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों को कांस्य, रजतस्वर्ण पदक दिए गए। जिसमें क्रिकेट में लगातार सात छक्के मारने वाले राजेश कुमार, 17 छक्के लगाकर 126 रन की नाबाद पारी खेलने वाले नवीन और लगातार एक ओवर में चार विकेट लेने वाले सौरभ को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। 77 वर्ष की उम्र में 100 मीटर दौड़ लगाकर पदक जीतने वाले बीएस पवार को भी सम्मानित किया गया। सभी प्रतियोगिताओं में सबसे अधिक 16 पदक जीतने वाले खिलाड़ी रवी मोहन को चैंपियन ट्रॉफी देकर

सम्मानित किया गया। क्लब द्वारा दो अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों अरुण जखमोला तथा गौरव चौधरी को सॉल व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।क्लब संरक्षक प्रोफेसर वकुलेंद्र सिंह और प्रबंधन टीम ने बताया कि स्पोर्ट्स मीट का उद्देश्य कर्मचारियों और खिलाड़ियों में खेल के प्रति रुचि को बढ़ाना है। संचालन में मनपाल सिंह, अभिनव गौतम, अनिल शर्मा, सीताराम शर्मा एवं क्लब के सभी पदाधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। खेल संयोजक रविभोहन, अनिल शर्मा, अरविंद कपिल, सागर गर्ग, शिवकुमार सिंह, रोहित कुमार सिंह तथा योगेंद्र बलोदी ने बताया कि सभी खेल मुकाबले सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए और पुरस्कार वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ।

सुबोध ने भगवती जागरण में लिया रानी मां का आशीर्वाद

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। नन्हेड़ा आर्तपुर गांव में माँ भगवती का भव्य जागरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा नेता सुबोध राकेश ने शामिल हुए। भजन गायक और कलाकारों ने प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी, भक्तों की लगी है कतार भवानी, चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है... जैसे भजनों से माहौल को भक्तिमय कर दिया। इस दौरान उन्होंने मां भगवती का आशीवाद लिया। इस मौके पर भाजपा नेता सुबोध राकेश ने कहा कि दैनिक कार्यों से समय निकालकर भगवान की भक्ति में भी समय लगाना चाहिए,इस शुभ अवसर पर पवन जनरल स्टोर भगवानपुर, आयुध, सतीश कुमार,चंद्रपाल और समस्त भक्तजन मौजूद रहे।

जीआईसी में धूमधाम से आयोजित हुआ जनपद स्तरीय विज्ञान महोत्सव

बाल वैज्ञानिकों ने महोत्सव में दिखाया अपना हुनर, प्रतिभावानों को किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। पीएम श्री अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज रुड़की में जनपद स्तरीय विज्ञान महोत्सव 2025 का आयोजन किया गया। पीएम श्री अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज के छात्रों की बैंड टीम द्वारा कॉलेज के मुख्य गेट से आयोजन स्थल तक बैंड धुन के साथ मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं निर्णायकों और अन्य गणमान्य नागरिकों का स्वागत किया गया। समग्र शिक्षा उत्तराखंड एवं शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् उत्तराखंड के संयुक्त तत्वावधान में वर्ष 2025 में जनपद स्तरीय विज्ञान महोत्सव का आयोजन पीएम श्री अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज रुड़की के प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथी प्रदीप बत्रा विधायक, एवं सुबोध कुमार मलिक, प्रधानाचार्य एवं स्थल संयोजक, डॉ रविंद्र चौहान जिला विज्ञान समन्वयक, डॉ संतोष कुमार चमोला, श्री सुरेश कुमार, श्रीमती दीपक कौशिक, विकास, रवीन्द्र चौहान आदि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। तत्पश्चात मां सरस्वती के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित किए गए। मां सरस्वती का वंदन करते हुए आर्य कन्या पाठशाला सेकेंडरी स्कूल रुड़की की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। तत्पश्चात स्थल संयोजक महोदय द्वारा मुख्य अतिथि महोदय को पुष्प गुच्छ बैठकर उनका स्वागत और सम्मान किया गया। जिला विज्ञान समन्वयक ने मुख्य अतिथि महोदय को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसके उपरांत कार्यक्रम संचालक डॉ संतोष कुमार चमोला ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार और सृजनात्मकता का विकास करना है।

समग्र शिक्षा एवं शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् उत्तराखंड के दिशा-निर्देशानुसार आयोजित विज्ञान महोत्सव में महोत्सव में दो प्रमुख प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं-1. विज्ञान नाट्य प्रतियोगिता तथा 2. विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता (जूनियर एवं सीनियर वर्ग) का आयोजन किया जाता है। विकासखंड स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी में क्रमशः प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों द्वारा जनपद स्तर पर प्रतिभाग किया जाता है जबकि विज्ञान नाटक प्रतियोगिता में विकासखंड स्तर पर प्रथम आने वाली टीम द्वारा जनपद में किया जाता है। मुख्य अतिथि बत्रा ने छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए समस्त प्रतिभागियों को सफलता हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की तथा विभिन्न प्रतिभागियों द्वारा प्रदर्शित किए गए मॉडल का अवलोकन किया। बत्रा ने बाल वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करते हैं। आयोजकों की भी भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए उन्होंने स्थल संयोजक महोदय को हार्दिक बधाई प्रेषित की। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक खंड शिक्षा अधिकारी, रुड़की अभिषेक शुक्ला, सह संयोजक प्रधानाचार्य सुबोध कुमार, जिला विज्ञान समन्वयक डॉ. रविंद्र चौहान, कार्यक्रम संचालक डॉ संतोष कुमार चमोला एवं ललित मोहन जोशी, श्री रविंद्र ममगाईं, सुरेश चंद्र, राजेश राय, तेजपाल सिंह, जयकृत सिंह रावत, श्रीमती भारती गुप्ता, श्रीमती दीपा कौशिक, विकास जवाड़ी, प्रशांत बड़ोला, वीरेंद्र पाल सिंह, किशोरी सिंह आदि उपस्थित रहे। निर्णायक मंडल में श्रीमती प्रेरणा बहुगुणा, श्री सुभाष चंद्र, देवेंद्र पाल सिंह, विवेक कुमार कौशल, मान सिंह, नीरज वर्मा, सुशील सैनी, श्वेता, सुश्री रुचिका, श्री राहुल त्यागी, श्री राजीव सैनी, श्री शैलेंद्र गौड़ सम्मिलित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ संतोष कुमार चमोला एवं ललित मोहन जोशी ने किया। कार्यक्रम की सफलता में देवेंद्र पाल, सुधाष पवार, रविन्द्र बिजलवान, पंकज बिजलवान, हेमंत चत्रा, अजय सैनी, भारती गुप्ता, आशा पुरी, सीमा राव, पटेश्वरी प्रसाद और विजय सिंह का विशेष योगदान रहा। विज्ञान नाट्य प्रतियोगिता में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सहदेवपुर बहादराबाद विकासखंड की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आर्य कन्या पाठशाला रुड़की ने द्वितीय स्थान और नेशनल राष्ट्रीय इंटर कॉलेज मंगलौर विकासखंड नारसन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंत में प्रधानाचार्य सुबोध कुमार ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और विद्यार्थियों को भविष्य में और भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएँ दीं।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

सोमवार, 17 नवम्बर 2025

रोहिणी की हार के मायने

बिहार विधान सभा चुनाव 2025 में करारी हार के बाद सोमवार को पहली बार तेजस्वी यादव सामने आएंगे, हो सकता है, वह कुछ बड़ा नया कहें, लेकिन चुनाव का परिणाम आने के अगले दिन लालू प्रसाद यादव के परिवार में त्रासदी की जो बड़ी तस्वीर सामने आई है, वह देश दुनिया में चर्चा का विषय बनी हुई है। मीडिया के अनुसार लालू परिवार में दूसरे नंबर की बेटी रोहिणी आचार्य ने पहले कहा था कि उन्होंने परिवार छोड़ दिया, पार्टी छोड़ दी, फिर पटना से निकलते समय कहा कि मुझे परिवार से निकाल दिया। तेजस्वी यादव के दो करीबियों का नाम लेकर कहा था कि उनके बारे में बोलने पर चप्पल उठाई जाती है। अब, आज सोशल मीडिया पर लिखा कि मुझ पर चप्पल उठाई गई। यह हंगामा 2024 की शुरुआत में ही शुरू हो गया था। जमीन, तो उससे पहले बन गई थी। लालू प्रसाद जब मुख्य धारा में शीर्ष पर थे, तब उनकी पत्नी राबड़ी देवी के भाई साधु यादव और सुभाष यादव का जलवा था। मीसा भारती और रोहिणी आचार्य की शादी तक यह जलवा कायम था। जैसे-जैसे लालू परिवार की नई पीढ़ी राजनीतिक समझ के साथ आगे बढ़ने लगी तो सबसे पहले साधु-सुभाष निकाल बाहर किए गए। दोनों भाई इस परिवार का सबकुछ जानते हैं। बहुत कुछ बता भी चुके हैं। अब भी बहुत कुछ छिपा रखा है, यह भी सभी जानते हैं, लेकिन, अब उससे आगे बेटियों की चर्चा। बड़ी बेटी मीसा भारती फिलहाल पार्टी और परिवार में सक्रिय हैं, जबकि रोहिणी आचार्य ने परिवार छुड़ाए और राजनीतिक छोड़ने की जानकारी दी, अगर 2024 के लोकसभा चुनाव में मीसा भारती ने केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव को नहीं हराया होता, तो शायद उनका दर्द भी सामने आ जाता। रामकृपाल यादव कभी राजद के मजबूत आधार-स्तंभ थे, लेकिन एक सीट को लेकर चाचा के सामने भतीजी मीसा भारती उतरीं और हरा नहीं सकीं तो मामला राज्यसभा भेजकर संभाला गया था। शादी के बाद पति राव समरेश के साथ सिंगापुर में रह रहीं रोहिणी आचार्य बाकी बहनों राजलक्ष्मी, अनुष्का, रागिनी, हेमा और चंदा की तरह बिहार की राजनीति से दूर थीं। 2022 में जब सिंगापुर में पिता लालू प्रसाद को रोहिणी आचार्य ने अपनी किडनी दान में दी और इलाज कराने के बाद भारत भेजा, तब तक उनके प्रति सहानुभूति की लहर फैल चुकी थी। लालू प्रसाद ने बिहार में एक सभा को वर्चुअल तरीके से संबोधित किया, तो भी रोहिणी को लेकर नारे लगे। उन्होंने बेटी से जीवनदान मिलने का जिक्र भी किया। इन परिस्थितियों ने रोहिणी आचार्य के लिए राजनीतिक जमीन तैयार कर दी। 2023 के अंत को थोड़ा यादव करना होगा। इस समय रोहिणी आचार्य सक्रिय राजनीति में नहीं उतरी थीं, लेकिन राजनीतिक बयानों से चर्चा में आने लगी थीं। बार-बार लग रहा था कि जनादेश 2020 के बाद अचानक आई महागठबंधन सरकार गिर सकती है। लेकिन, मुहर नहीं लग रही थी। अचानक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर रोहिणी आचार्य का एक तीखा बयान आया और 24 घंटे के अंदर लोगों ने महागठबंधन सरकार गिरते और जनादेश 2020 के आधार पर चुनी गई एनडीए सरकार को वापस आते देख लिया। ऐसा नहीं है कि रोहिणी के एक बयान से वह सरकार गिरी, लेकिन रोहिणी ने तब वह भी लिख दिया था जो तत्कालीन उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी चाचा नीतीश कुमार के बारे में बोलने से बच रहे थे। इसके बाद रोहिणी सक्रिय राजनीति में उतरीं और लोकसभा चुनाव 2024 में पिता लालू प्रसाद यादव ने उन्हें सारण लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता राजीव प्रताप रूडी के खिलाफ टिकट भी दे दिया। इस चुनाव में रोहिणी की हार के बाद से ही लालू परिवार में उनका सितारा खराब दिखने लगा।

विकास के बड़े लक्ष्य नजरअंदाज न हों

दरअसल आतंकवाद 1989-90 में कश्मीर से शुरू हुआ और धीरे-धीरे मुंबई, पुणे, दिल्ली तक फैल गया है, भारत पिछले 30 साल से आतंकवाद से चुनौती झेल रहा है, अब इस पर कठोर और असरदार एक्शन की जरूरत है, ध्यान दें, तो हर आतंकी घटना में दो चीजें बेहद अहम होती हैं, यह पता लगाना कि वारदात किसने और क्यों की और ऐसे हमलों को दोबारा होने से रोकने के उपाय, हर मुद्दे को युद्ध और शांति के चश्मे से नहीं परखा जा सकता, आतंकवाद पर सख्ती जरूरी है, लेकिन देश के विकास के बड़े लक्ष्य को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

-शशि थरूर
कांग्रेस सांसद

कांग्रेस का निर्णायक मोड़: वैसाखियों से मुक्ति और जन विश्वास बहाली

वीरेश तरार

कांग्रेस आज जिस मोड़ पर खड़ी है, वहां उसके सामने सिर्फ चुनावी पराजय का खतरा नहीं, बल्कि एक सर्वांगीण राजनीतिक अस्तित्व संकट उभर आया है। यह वह स्थिति है जहां उसके लिए 'सबसे निचला पायदान' जैसे शब्द भी अतिशयोक्ति नहीं लगते। स्वतंत्र भारत की सबसे पुरानी पार्टी के लिए यह क्षण केवल आत्ममंथन का नहीं, बल्कि आत्मपुनर्निर्माण की निर्णायक आवश्यकता का है। चुनावी परिदृश्य चाहे राज्यों का हो या राष्ट्रीय स्तर काकृकांग्रेस की हिचकिचाहट, संगठन की निष्क्रियता, नेतृत्व की अस्पष्टता और जनता तक पहुंचने के लिए प्रभावी मुद्दों की कमी ने उसकी पकड़ को लगातार ढीला किया है। परंतु यह कहना गलत होगा कि कांग्रेस पूरी तरह समाप्तप्राय अवस्था में पहुंच चुकी है। बिहार विधानसभा चुनाव के आंकड़े इस निष्कर्ष को गलत ठहराते हैं, क्योंकि वहां कांग्रेस प्रत्याशियों को औसतन बहत्तर हजार मत मिले, जो बताते हैं कि जनाधार पूरी तरह विखंडित नहीं हुआ है। उसका औसत मत संख्या का यह संकेत स्पष्ट करता है कि समस्या वोटर के पलायन की नहीं, बल्कि सैनिक-संगठन, रणनीति निर्माण और नेतृत्व-संयोजन की है।

वास्तविक संकट यह है कि कांग्रेस अपनी राजनीतिक लड़ाई अपनी शर्तों पर नहीं लड़ पा रही। पिछले एक दशक में वह लगातार उस एजेंडा पर लड़ने को विवश हुई है जिसे भारतीय जनता पार्टी और नरेंद्र मोदी तैयार करते हैं। कोई भी राष्ट्रीय मुद्दा हो जाति, धर्म, अर्थव्यवस्था, विदेश नीति, सामाजिक न्याय, डिजिटल पहल या कल्याणकारी योजनाएं हर मोर्चे पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया 'उत्तर' के रूप में रही, 'प्रश्न' के रूप में नहीं। एक राष्ट्रीय पार्टी की पहचान उसके अपने प्रश्नों से बनती है, अपने विचार से, अपने संघर्षों से। लेकिन कांग्रेस ने लंबे समय से यह क्षमता खो दी है कि वह खुद कोई राष्ट्रीय विमर्श तय करे। यात्रा राजनीति के जरिए राहुल गांधी ने जो नई ऊर्जा पैदा की, वह ऊर्जा संगठन में रूपांतरित नहीं हो सकी। कन्याकुमारी से कश्मीर तक की उनकी यात्रा ने जिन युवाओं को, जिन सामाजिक समूहों को प्रेरित किया, उन्हें स्थाई संरचना में बदलने का कोई प्रबंध पार्टी नहीं कर सकी। ऐसे समय में जब जनमत नौकरी, महंगाई, शिक्षा और जीवन-स्तर से जुड़े वास्तविक प्रश्नों पर समाधान चाहता है, कांग्रेस के पास उन सवालों के जवाब देने के लिए एक व्यवस्थित रणनीति नहीं दिखी। समस्या का दूसरा पक्ष नेतृत्व का राज्यस्तरीय रिक्तता है। यदि कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व भीड़ जुटा लेता है, भावनाएं जगा लेता है, तो वही भावनाएं राज्यों में नेतृत्व और संगठन के अभाव के कारण वापस बिखर जाती हैं। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में कांग्रेस के पास ऐसा कोई चेहरा नहीं है जिस पर जनता भरोसा कर सके कि वह आने वाले समय में मुख्यमंत्री पद के योग्य नेता के रूप में खड़ा हो सकेगा। हरियाणा में नेतृत्व केवल खेमों की खींचतान तक सीमित है, जहां पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा का प्रभाव सीमांत होता जा रहा है और नया नेतृत्व आकार नहीं ले पा रहा। राजस्थान में सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच चलने वाला लंबा संघर्ष पार्टी की जड़ों को खोखला कर चुका है।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस लगातार कोई नया, आश्वस्त करने वाला नेतृत्व स्थापित नहीं कर सकी। दक्षिण भारत में उसकी स्थिति और भी जटिल है, जहां कई राज्यों में पार्टी न नेतृत्व दे पा रही है, न गतिशील संगठन। इन राज्यों की स्थिति इस बात का संकेत है कि समस्या अकेले शीर्ष नेताओं में नहीं, बल्कि संगठनात्मक ढांचे में है। कांग्रेस सेवा दल जैसी ऐतिहासिक विरासत कभी कांग्रेस की रीढ़ हुआ करती थी गांव-गांव जाकर लोगों को जोड़ने वाली, बूथ तक वोटर को पहुंचाने वाली, पार्टी की नीतियों को जनता के मन में उतारने वाली व्यवस्था। यह प्रणाली वर्षों में निष्क्रिय हो गई, और इसका परिणाम यह हुआ कि कांग्रेस के पास अब वह नेटवर्क ही नहीं बचा जो जनता से संवाद कर सके। चुनाव केवल लोकप्रिय चेहरे नहीं जीतते वे संगठन के बूते जीते जाते हैं। आज भी बीजेपी की सबसे बड़ी ताकत उसका बूथ स्तर तक फैला अनुशासित नेटवर्क है। कांग्रेस में इसके ठीक विपरीत, संगठन लगभग अस्तित्वहीन स्थिति में है। इसी संगठनात्मक कमजोरी ने कांग्रेस को क्षेत्रीय दलों की बैसाखियों पर निर्भर बना दिया है। जब भी कांग्रेस गठबंधन राजनीति में प्रवेश करती है, वह नेतृत्व छोड़कर साथी दलों के एजेंडे पर चलने लगती है। एक राष्ट्रीय पार्टी का अस्तित्व उसके स्वतंत्र एजेंडे पर निर्भर करता है, न कि दूसरों की शर्तों पर। लेकिन कांग्रेस ने पिछले एक दशक में इस निर्भरता को त्यागने की कोशिश ही नहीं की। बिहार या झारखंड में महागठबंधन हो, महाराष्ट्र में साझेदारी हो, तमिलनाडु में द्रविड़ दलों पर निर्भरता हो हर जगह वह सशक्त भूमिका न लेकर एक सहायक भूमिका में दिखाई देती है। यह स्थिति उसे न केवल कमजोर करती है, बल्कि उसके मूल मतदाता को भ्रमित करती है। कांग्रेस तभी राष्ट्रीय विकल्प बन सकती है जब वह स्वयं को क्षेत्रीय समीकरणों के बोझ से मुक्त करे और राष्ट्रीय नीति-संरचना को स्वयं गढ़े। राहुल गांधी को भी इस वास्तविकता को स्वीकार करना होगा कि उनकी लोकप्रिय छवि और यात्राएं तभी सार्थक हैं जब वे संगठन के पुनरूनिर्माण से जुड़ी हों। केवल भाषण, यात्रा, संवाद से कांग्रेस का पुनर्जन्म नहीं हो सकता। उसके लिए एक अनुशासित, सक्रिय, तकनीकी रूप से सक्षम और जन-संपर्क में निपुण संगठन की आवश्यकता है। कार्यकर्ताओं को केवल चुनाव के समय नहीं, बल्कि पूरे वर्ष निरंतर सक्रिय रखने की व्यवस्था बनानी होगी। यदि कांग्रेस अपने संगठन का पुनर्गठन नहीं करती, तो किसी भी राज्य में नेतृत्व गढ़ने का उसका प्रयास असफल रहेगा, क्योंकि नेतृत्व तभी प्रभावी होता है जब उसके पीछे एक मजबूत संरचना हो।

इसके साथ ही कांग्रेस के सामने मुद्दों की स्पष्टता का संकट भी है। आज के भारत में बेरा.`जगारी, कृषि संकट, महंगाई, शिक्षा की गुणवत्ता, स्वास्थ्य व्यवस्था, आर्थिक असमानता, महिलाओं की सुरक्षा और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता जैसे विषय जनता के मन में गहरे बैठे हैं। लेकिन इन मुद्दों पर कांग्रेस की नीति का कोई स्पष्ट, ठोस दस्तावेज जनता तक नहीं पहुंचता। यह स्थिति इसलिए भी गंभीर है क्योंकि बीजेपी के पास अब कोई नया विमर्श प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त विकल्प नहीं बचा है। पिछले दस वर्षों की अधिकांश घोषणाएं अब या तो स्थिर हो गई हैं या जनमानस में अपनी सीमा तक पहुंच चुकी हैं। ऐसे समय में यदि कांग्रेस वास्तविक मुद्दों पर निर्भीकता से चलती है, तो जनता उसे विकल्प के रूप में देखने लगेगी। परंतु इसके लिए उसे अपने संवाद को सक्रिय, स्थाई और विश्वसनीय बनाना होगा।

युवाओं को जोड़ना इस समय कांग्रेस के लिए सबसे बड़ा अवसर है। देश की विशाल युवा आबादी राजनीतिक रूप से सचेत है और रोजगार तथा शिक्षा से जुड़े मसलों पर अपनी भूमिका चाहती है। यदि कांग्रेस युवाओं को नेतृत्व देने का वास्तविक मंच तैयार करती है, उन्हें प्रदेश और जिला स्तर पर जिम्मेदारियां सौंपती है, संगठन को तकनीकी और डिजिटल स्तर पर आधुनिक बनाती है, तो यह नई पीढ़ी उसके पुनरुत्थान की सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। किंतु यदि कांग्रेस केवल पुरानी संरचनाओं में ही उलझी रहेगी, तो उसके पास भविष्य की कोई ठोस दिशा नहीं बचेगी।

कांग्रेस को यह समझना होगा कि लोकसभा चुनाव के लिए जनता विकल्प तभी चुनती है जब वह उस विकल्प पर भरोसा कर सके। आज कांग्रेस के लिए यह भरोसा दो कारणों से कमजोर है संगठन की निष्क्रियता और नेतृत्व का अस्पष्ट स्वरूप। यदि कांग्रेस स्वयं को मजबूत संगठन, स्पष्ट नेतृत्व और राष्ट्रीय मुद्दों पर दृढ़ नीति के रूप में प्रस्तुत करती है, तो उसके पास आने वाले वर्षों में विकल्प बनने की संभावना बनी रह सकती है। लेकिन यदि पार्टी क्षेत्रीय गठबंधनों की बैसाखियों पर ही चलती रही, अपने आंतरिक संघर्षों को हल नहीं कर सकी, और संगठन को पुनर्जीवित करने का साहस नहीं जुटा पाई, तो उसके लिए राजनीति की मुख्यधारा में लौट पाना अत्यंत कठिन हो जाएगा। भारत की राजनीति लोकतंत्र की हिमायत और हिफाजत में एक मजबूत विपक्ष की मांग करती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

सबसे तेज बनने के चक्कर में श्रद्धांजलि का पात्र मीडिया

सनी की टीम की ओर से आधिकारिक बयान जारी कर कहा गया कि मिस्टर धर्मेंद्र स्थिर हैं और ऑब्जर्वेशन में हैं। वे अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। झूठी अफवाहें न फैलाएं, प्राइवेसी का सम्मान करें और जल्द स्वस्थ होने की दुआ करें। इस अफवाहबाज गोदी मीडिया को सबसे अधिक जलालत व अपमान का सामना सोशल मीडिया में करना पड़ा। इतना आक्रोश तो उस समय भी देखना नहीं पड़ा था जब पहले भी कई बार यही गैर जिम्मेदार और झूठ परोसने वाला मीडिया कभी अमिताभ बच्चन तो कभी रजनीकांत कभी शाहरुख तो कभी फरीदा जलाल जैसे कई कलाकारों को जीवित रहते हुए भी मारने की खबरें चलाता रहा है।

तनवीर जाफरी

अन्य करोड़ों लोगों की तरह मैं भी फिल्म जगत में ही मैन के नाम से प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र का बचपन से ही प्रशंसक हूं। 1985-87 के मध्य इलाहाबाद में अमिताभ बच्चन के साथ काम करने का अवसर मिला। उसी दौर में मुंबई आना जाना रहा। उन दिनों मुझे संजय खान, दारा सिंह, रणजीत, देव कुमार उनकी सुपुत्री मिस इंडिया मनीषा कोहली सहित अन्य कई कलाकारों से व्यक्तिगत रूप से मिलने का अवसर मिला परन्तु इत्तेफाक से दो बार कोशिशों के बावजूद धर्मेंद्र से इसलिए न मिल सका क्योंकि मेरे मुंबई के प्रवास के दौरान वे शूटिंग पर कहीं बाहर होते। बहरहाल उनसे मिलने व उनके साथ बैठने की हसरत दिल में ही रही। इत्तेफाक से 2005 में जब मैं लोकसभा की कार्रवाई देखने के लिए दिल्ली गया था उसी दौरान संसद के मुख्य द्वार पर मेरी नजर इस महान अभिनेता पर पड़ी। उस समय वे 2004 से 2009 के मध्य बनी 14वीं लोकसभा में राजस्थान के बीकानेर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी की ओर से निर्वाचित हुए सांसद थे। मैं उन्हें देखकर जोर से बोल पड़ा अरे बीरू और धर्मेंद्र ने मेरी तरफ दोनों हाथ बढ़ाते हुए जोर से कहा आ जा मेरी जान। मैं उनकी तरफ तेजी से बढ़ा, उन्होंने बी आगे बढ़कर पूरी गर्मजोशी से मुझे दोनों हाथों से झप्पी डालते हुए इतनी जोर से उठाया कि मेरे दोनों पैर जमीन से ऊपर उठ गए। उस अविस्मरणीय क्षण को मैं आज भी भी याद करता हूं।

बहरहाल पिछले दिनों भारत के बदनाम जमाना गोदी मीडिया ने देश के उस हरदिल अजीज अभिनेता को उनके जीवनकाल में ही अपनी खबरों में श्रद्धांजलि दे डाली। गौर तलब है कि सांस लेने में दिक्कत होने के कारण उन्हें पिछले दिनों मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में उन्हें भर्ती कराया गया था। उनके अस्पताल में भर्ती होते ही टीआरपी के भूखे गोदी मीडिया ने अपने मुख्य वाक्य सबसे तेज को साकार करने के मकसद से मोर्चा संभाल लिया। और 10-11 नवंबर के बीच अच्छे खासे बोलते बात चीत करते इस लोकप्रिय अभिनेता की मौत की झूठी अफवाहें तेजी से फैला दीं। ऐसी अफवाहबाजी कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी, तेलुगु सुपरस्टार चिरंजीवी, अभिनेत्री भाग्य, गीतकार व पटकथा लेखक जावेद अख्तर यहां कि खुद गोदी मीडिया की ही एक चर्चित पत्रकार चित्रा त्रिपाठी तक ने इसी झूठी खबर पर विश्वास करते हुए धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि व श्रद्धासुमन अर्पित कर डाले। बाद में इनमें से कई हस्तियों ने अपने ऐसे ट्वीट डिलीट भी किए? यहां तक कि कई बड़े अखबारों ने भी इसी गोदी मीडिया की इस झूठी खबर पर विश्वास हुए मुख्य पृष्ठ पर खबरें प्रकाशित कर डालीं। उधर वही धर्मेंद्र अपनी मौत की झूठी खबर फैलने के अगले ही दिन यानी 12 नवंबर को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिए गए। अस्पताल से छुट्टी के बाद वे सजे संवरे सर पर हैट धारण किए अपने अभिनेता पुत्रों के साथ हंसते मुस्कुराते और उसी मीडिया का अभिवादन करते हुए अपने घर जाते नजर आए परन्तु पहले भी इस तरह की अफवाह फैलाते रहने वाले गोदी मीडिया को इस बार कुछ ज्यादा ही मुंह की खानी पड़ी। न केवल धर्मेंद्र के परिवार के सदस्यों ने बल्कि धर्मेंद्र के प्रशंसकों ने भी सोशल साइट्स पर गोदी मीडिया की धज्जियां उड़ाकर रख दीं।

धर्मेंद्र की बेटी अभिनेत्री ईशा देओल ने सबसे पहले अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि मीडिया हद से ज्यादा सक्रिय है और झूठी खबरें फैला रहा है। मेरे पापा स्थिर हैं और रिकवर कर रहे हैं। परिवार को प्राइवेसी दें। पापा के जल्द ठीक होने की दुआओं के लिए शुक्रिया। उसके फौरन बाद अभिनेत्री पत्नी व सांसद हेमा मालिनी ने ट्विटर पर गुस्से में लिखा कि जो हो रहा है वो अक्षम्य है। जिम्मेदार चैनल ऐसे व्यक्ति के बारे में झूठी खबरें कैसे फैला सकते हैं जो इलाज पर अच्छी प्रतिक्रिया दे रहा है और रिकवर कर रहा है? यह बेहद असम्मानजनक और गैर -जिम्मेदाराना है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

आखिर क्यों नहीं रुकते देश में आतंकवादी हमले

विनीत नारायण

एक बार फिर आतंकवादी हमलों ने देश की राजधानी दिल्ली को दहला दिया। लाल किले के भीड़ भरे इलाके में यह जानलेवा विस्फोट उस साजिश से कहीं कम थे जो पूरी दिल्ली को दहलाने के लिए रची गई थी। इन आतंकी हमलों के पीछे पढ़े लिखे ऐसे लोग शामिल हैं जिनसे ऐसी वैशियाना हरकत की उम्मीद नहीं की जा सकती। प्रश्न है कि जब देश की सुरक्षा एजेंसियां हर समय अपने पंजों पर रहती हैं उसके बावजूद भी देश की राजधानी जो कि सुरक्षा के लिहाज से काफी मुस्तैद मानी जाती है, वहां पर इतनी भारी मात्रा विस्फोटक सामग्री लेकर एक आतंकी कैसे घूम रहा था? कैसे इन विस्फोटक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पहुंचा? हमारी रक्षा और गृह मंत्रालय की खुफिया एजेंसियां क्या कर रही थी?

इन हमलों से सारा देश हतप्रभ है पहलगाम में हुई आतंकवादी वारदात के छह महीने बाद ही ए दूसरा बड़ा झटका लगा है। सवाल उठता है कि देश में आतंकवाद पर कैसे काबू पाया जाए? हमारा देश ही नहीं दुनिया के तमाम देशों का आतंकवाद के विरुद्ध इकतरफा साझा जनमत है। ऐसे में सरकार अगर कोई ठोस कदम उठाती है, तो देश उसके साथ खड़ा होगा। उधर तो हम सीमा पर लड़ने और जीतने की तैयारी में जुटे रहें और देश के भीतर आईएसआई के एजेंट आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देते रहें तो यह लड़ाई नहीं जीती जा सकती। मैं पिछले 30 वर्षों से अपने लेखों में लिखता रहा हूं कि देश की खुफिया एजेंसियों को इस बात की पुख्ता जानकारी है कि देश के 350 से ज्यादा शहरों और

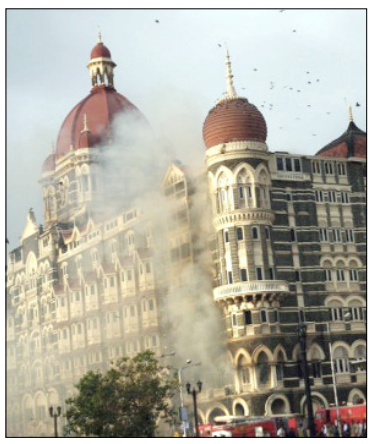

कस्बों की सघन बस्तियों में आरडीएक्स, मादक द्रव्यों और अवैध हथियारों का जखीरा जमा हुआ है जो आतंकवादियों के लिए रसद पहुंचाने का काम करता है। प्रधानमंत्री को चाहिए कि इसके खिलाफ एक 'आपरेशन क्लीन स्टार' या 'अपराधमुक्त भारत अभियान' की शुरुआत करें और पुलिस व अर्धसैनिक बलों को इस बात की खुली छूट दें जिससे वे इन बस्तियों में जाकर व्यापक तलाशी अभियान चलाएं और ऐसे सारे जखीरों को बाहर निकालें।

गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली में हुए धमाके के बाद अपने बयान में यह साफ कहा कि आतंकियों को ऐसा सबक सिखाया जाएगा कि पूरी दुनिया देखेगी। उल्लेखनीय है कि कश्मीर के खतरनाक आतंकवादी संगठन 'हिजबुल मुजाईदीन' को दुबई और लंदन से आ रही अवैध आर्थिक मदद का खुलासा 1993 में मैंने ही अपनी विडियो समाचार पत्रिका 'कालचक्र' के 10वें अंक में किया था। इस घोटाले की खास बात यह थी कि आतंकवादियों को मदद देने वाले स्रोत देश के लगभग सभी प्रमुख दलों के बड़े नेताओं और बड़े अफसरों को भी यह अवैध धन मुहैया करा रहे थे। इसलिए सीबीआई ने इस कांड को दबा रखा था। घोटाला उजागर करने के बाद मैंने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और आतंकवादियों को आ रही आर्थिक मदद के इस कांड की जांच करवाने को कहा। सर्वोच्च अदालत ने मेरी मांग का सम्मान किया और भारत के इतिहास में पहली बार अपनी निगरानी में इस कांड की जांच करवाई। बाद में यही कांड 'जैन हवाला कांड' के नाम से मशहूर हुआ। जिसने भारत की राजनीति में भूचाल ला दिया। पर मेरी चिंता का विषय यह है कि इतना सब होने पर भी इस कांड की ईमानदारी से जांच आज तक नहीं हुई और यही कारण है कि आतंकवादियों को हवाला के जरिए, पैसा आना जारी रहा और आतंकवाद पनपता रहा।

उन दिनों हॉगकॉग से 'फार ईस्टर्न इकोनोमिक रिव्यू' के संवाददाता ने 'हवाला कांड' पर मेरा इंटरव्यू लेकर कश्मीर में तहकीकात की और फिर जो रिपोर्ट छपी, उसका निचोड़ यह था कि आतंकवाद को पनपाए रखने में बहुत से प्रभावशाली लोगों के हित जुड़े हैं। उस पत्रकार ने तो यहां तक लिखा कि कश्मीर में आतंकवाद एक उद्योग की तरह है। जिसमें बहुतों को मुनाफा हो रहा है। उसके दो वर्ष बाद जम्मू के राजभवन में मेरी वहां के तत्कालीन राज्यपाल गिरीश सक्सैना से चाय पर वार्ता हो रही थी। मैंने उनसे आतंकवाद के बारे में पूछा, तो उन्होंने अंग्रेजी में एक व्यग्यात्मक टिप्पणी की जिसका अर्थ था कि मुझे 'घाटी के आतंकवादियों' की चिंता नहीं है, मुझे 'दिल्ली के आतंकवादियों' से परेशानी है। अब इसके क्या मायने लगाए जाए?

आतंकवाद को रसद पहुंचाने का मुख्य जरिया है हवाला कारोबार। अमरीका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के तालि.बानी हमले के बाद से अमरीका ने इस तथ्य को समझा और हवाला कारोबार पर कड़ा नियन्त्रण कर लिया। नतीजतन तब से आज तक वहां आतंकवाद की कोई घटना नहीं हुई, जबकि भारत में हवाला कारोबार बेरोकटोक जारी है। इस पर नियन्त्रण किए बिना आतंकवाद की श्वासनली को काटा नहीं जा सकता। एक कदम संसद को उठाना है, ऐसे कानून बनाकर जिनके तहत आतंकवाद के आरोपित मुजरिमों पर विशेष अदालतों में मुकदमे चला कर 6 महीनों में सजा सुनाई जा सके। जिस दिन मोदी सरकार यह कदम उठा लेगी उस दिन से भारत में आतंकवाद का बहुत हद तक सफाया हो जाएगा। यह चिंता का विषय है कि तमाम दावों और आश्वासनों के बावजूद पिछले चार दशक में कोई भी सरकार आतंकवाद के खिलाफ कोई कारगर उपाय कर नहीं पाई है। हर देश के नेता आतंकवाद को व्यवस्था के खिलाफ एक अलोकतांत्रिक हमला मानतेरहे हैं और बेगुनाह नागरिकों की हत्याओं के बाद यही कहते रहे हैं कि आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पर कई दशक बीत जाने के बाद भी विश्व में आतंकवाद के कम होने या थमने का कोई लक्षण हमें दिखाई नहीं देता। नए हालात में जरूरी हो गया है कि आतंकवाद के बदलते स्वरूप पर नए सिरे से समझना शुरू किया जाए। हो सकता है कि आतंकवाद से निपटने के लिए बल प्रयोग ही अकेला उपाय न हो। क्या उपाय हो सकते हैं उनके लिए हमें शोधपरख अध्ययनों की जरूरत पड़ेगी। अगर सिर्फ 70 के दशक से अब तक यानी पिछले 40 साल के अपने सोच विचार.ष्टि अपनी कार्यपद्धति पर नजर डालें तो हमें हमेशा तदर्थ उपायों से ही काम चलाना पड़ा है। इसका उदाहरण कंधार विमान अपहरण के समय का है जब विशेषज्ञों ने हाथ खड़े कर दिए थे कि आतंकवाद से निपटने के लिए हमारे पास कोई सुनियोजित व्यवस्था ही नहीं है।

यदि विश्वभर के शीर्ष नेतृत्त्व एकजुट होकर कुछ ठोस कदम उठाऐं, तो उम्मीद है कि हम आतंकवाद के साथ भ्रष्टाचार, साम्प्रदायिकता, शोषण और बेरोजगारी जैसी समस्याओं का भी समाधान पा लें। देश इस समय गंभीर हालत से गुजर रहा है। मातम की इस घड़ी में रोने के बजाए सीमा सुरक्षा पर गिद्धदृष्टि और दोषियों को कड़ा जबाब देने की कार्यवाही की जानी चाहिए पर यह भी याद रहे कि हम जो भी करें, वो दिलों में आग और दिमाग में बर्फ रखकर करें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत का जश्न मनाते भाजपा समर्थक।

साउथ कोरिया की न्यूक्लियर पनडुब्बियों में मदद करेगा अमेरिका

साउथ कोरिया और अमेरिका के बीच एक समझौता, साउथ कोरियाई मंत्री बोलेः यह किम जोंग की नींद उड़ा देगी

वाशिंगटन। साउथ कोरिया और अमेरिका के बीच एक समझौता हुआ है, जिसमें अमेरिका ने साउथ कोरिया को परमाणु ऊर्जा से चलने वाली हमलावर पनडुब्बियां (अटैक सबमरीन) बनाने की इजाजत दे दी है।

व्हाइट हाउस ने गुरुवार को जारी किए गए एक लेटर में बताया कि अमेरिका इन पनडुब्बियों के लिए फ्यूल देने के साथ तकनीकी सहयोग भी करेगा। पिछले महीने हुए व्यापार समझौते के तहत साउथ कोरिया, अमेरिका में 29.58 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। इसमें 16.9 लाख करोड़ रुपये नकद और 12.68 लाख करोड़ रुपये जहाज निर्माण में लगेंगे। अमे. रिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि ये पनडुब्बियां अमेरिकी राज्य पेंसिल्वेनिया के फिलाडेल्फिया के शिपयार्ड में बनेंगी, जो दक्षिण कोरियाई कंपनी हन्वा की अमेरिकी यूनिट है। हालांकि दक्षिण कोरियाई अधिकारी चाहते हैं कि ये पनडुब्बियां कोरिया में ही बनाई जाएं, क्योंकि वहां मौजूदा सुविधाएं इनका निर्माण तेजी से कर सकती हैं।

पिछले महीने हुए व्यापार समझौते के तहत साउथ कोरिया, अमेरिका में 29.58 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा

साउथ कोरियाई रक्षा मंत्री अहन ग्यू-बैक ने कहा कि यह उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की नींद उड़ा देंगी। अमेरिका और साउथ कोरिया के बीच यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब दोनों देशों के नेताओं ने पिछले महीने एक व्यापार समझौते पर सहमति जताई थी, जिसके तहत अमेरिका ने टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया था। अमे. रिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस वर्ष की शुरुआत में साउथ कोरिया पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दी थी। राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने 15 प्रतिशत तक कम करने के लिए बातचीत की थी। वर्तमान में सिर्फ 6 देशों के पास परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियां हैं। इसमें अमेरिका, चीन, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और भारत शामिल है। साउथ कोरिया के पास पहले से ही लगभग 20 पनडुब्बियां हैं, लेकिन वे सभी डीजल से चलती हैं और इसलिए उन्हें बार-बार सतह पर आना पड़ता है। इसके तुलना में परमाणु पनडुब्बियां लंबे समय तक पानी के अंदर रह सकती हैं, तेज गति से चल सकती हैं और दूर तक ऑपरेशन कर सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

रेस के दौरान कार के बाड़ से टकराने से नौ लोग घायल

सिडनी। सिडनी के उत्तर में एक रेस कार्यक्रम के दौरान एक कार के बाड़ से टकराने से नौ लोग घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) राज्य की पुलिस ने रविवार को एक बयान में कहा कि वाहन एक दौड़ में हिस्सा ले रहा था और शनिवार शाम लगभग 6:15 बजे सिडनी से 320 किलोमीटर उत्तर में स्थित वाल्चा के छोटे से शहर में एक बाड़ से टकराने के बाद एक मंच से टकरा गया। दर्शकों ने घायलों को एम्बुलेंस पैरामेडिक्स आने तक सहायता प्रदान की और 20 से 75 वर्ष की आयु के सात पुरुषों और दो महिलाओं को निकटवर्ती अस्पताल पहुंचाया।

आईएफएफआई ने इफिस्टा 2025 का किया शुभारंभ

नई दिल्ली। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) इस वर्ष दूरदर्शन द्वारा प्रस्तुत चार दिवसीय संगीत एवं प्रदर्शन कार्यक्रम इफिस्टा 2025 के साथ अपने सांस्कृतिक प्रभाव को व्यापक बनाने के लिए तैयार है। यह कार्यक्रम गोवा के श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऑडिटोरियम में 21 से 24 नवम्बर तक प्रतिदिन शाम 6:00 बजे से 8:00 बजे तक चलेगा। वेव्स कल्चरल्स एंड कॉन्सर्ट्स के तहत तैयार किया गया।

कॉप-30 में हरित औद्योगिकरण के लिए बेलेम घोषणा पत्र जारी

बेलेम। ब्राजील के बेलेम में चल रहे संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन (कॉप-30) में 35 देशों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और संस्थाओं के समर्थन से हरित औद्योगीकरण के लिए बेलेम घोषणापत्र जारी किया गया। यह दस्तावेज तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने और आर्थिक विकास के एक स्थाई मॉडल को स्थापित करने के लिए पर्यावरणीय, आर्थिक और सामाजिक लक्ष्यों की रूपरेखा प्रस्तुत करता है। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भागीदार देश साझा प्रयास करेंगें और समन्वित कार्रवाई करेंगे।

मेक्सिको में भ्रष्टाचार के खिलाफ GenZ का प्रदर्शन

120 घायल, मेयर की मौत से गुस्साए, राष्ट्रपति निवास की दीवारें गिराईं

मेक्सिको। मेक्सिको में हजारों जैन-जी बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार, हिंसा में मिल रही छूट, सार्वजनिक हत्या औरा सुरक्षा की कमी के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। यह गुस्सा एक मेयर की सार्वजनिक हत्या के बाद और भड़क गया। मेक्सिको के पश्चिमी राज्य मिचोआकेन में 1 नवम्बर को उरुअपन के मेयर कार्लोस मंजो की एक प्रोग्राम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

गुस्साए जैन-जी ने राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास नेशनल पैलेस की सुरक्षा दीवारों को गिरा दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थरों, हथौड़े, पटाखों, लाठियों और जंजीरों से हमला किया। इन्हें रोकने के लिए पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी। राजधानी के सुरक्षा सचिव पाब्लो वाजक्वेज ने द इंडिपेंडेंट को बताया कि प्रदर्शन में 120 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 100 पुलिस अधिकारी हैं। वहीं 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस साल कई देशों में जेन जेड युवा असमानता, लोकतंत्र की गिरावट और भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़कों पर उतरे हैं। नेपाल में सितम्बर में सोशल मीडिया बैन के बाद बड़ा प्रदर्शन हुआ, जिससे प्रधानमंत्री को इस्तीफा देना पड़ा।

मेक्सिको में भी युवा भ्रष्टाचार और हिंसक अपराधों में मिल रही छूट से परेशान हैं। 29 साल के बिजनेस कंसल्टेंट एंड्रेस मासा ने कहा कि हमें ज्यादा सुरक्षा चाहिए। प्रदर्शन में सिर्फ युवा ही नहीं, बल्कि मध्यम आयु और बुजुर्ग वर्ग के लोग भी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

43 वर्षीय चिकित्सक एरिजबेथ गार्सिया ने बताया कि हम सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए ज्यादा फंडिंग चाहते हैं। लेकिन सबसे बड़ी समस्या सुरक्षा है। डाक्टर भी असुरक्षित हैं। यहां कोई मारा जाता है और कुछ नहीं होता। मेक्सिको ने हाल में हुए कई हाई-प्रोफाइल हत्याकांडों ने राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम को लेकर जनता में गुस्सा भर दिया है। प्रदर्शन से कुछ दिन पहले शीनबाम ने दक्षिणपंथी विपक्षी दलों पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये दल जेन जेड आंदोलन में घुसपैठ कर रहे हैं और सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके प्रदर्शन को बड़ा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, इस हफ्ते कुछ जैन-जी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने प्रदर्शन से अपना समर्थन वापस ले लिया। दूसरी ओर, पूर्व राष्ट्रपति विसेंट फाक्स और मेक्सिको के अरबपति उद्योगपति रिकार्डो सालिनास प्लिजियो ने सोशल मीडिया पर प्रदर्शन का खुला समर्थन किया। विरोध में जेन-जी (18 से 29 साल के युवा) जापानी कामिक्स 'वन पीस' के केरेक्टर 'लूफी' को अपना प्रतीक बना रहे हैं। प्रदर्शनकारियों के हाथ में खोपड़ी वाली टोपी का निशान देखा जा रहा है, जो लूफी की पहचान है। एक छात्र नेता लियोनार्डो मुन्योस ने कहा कि लूफी जगह-जगह जाकर भ्रष्ट और तानाशाही शासकों से जनता को आजाद कराता है। यहां भी वही स्थिति है। अब और खामोश नहीं रहेंगे छात्र सैंटियागो जापाटा ने कहा हम इस बात से थक चुके हैं कि मौत और भ्रष्टाचार को सामान्य बना दिया गया है। हमारी पीढ़ी अब खामोश नहीं बैठेगी। सरकार को जनता से डरना चाहिए, न कि जनता को सरकार से। वन पीस जापान की मशहूर कामिक्स और ऐनिमे सीरीज है। इसकी कहानी समुद्री डाकुओं (पाइरेट्स) पर आधारित है, जो आजादी, दोस्ती और न्याय के लिए लड़ते हैं। यह सीरीज पूरी दुनिया में युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय है। जैन-जी ने प्रदर्शन के लिए जापानी कामिक्स 'वन पीस' के केरेक्टर 'लूफी' के मशहूर निशान खोपड़ी के झंडे लहराए। बांग्लादेश, नेपाल और अफ्रीकी महाद्वीप में भी जैन-जी प्रदर्शन हुए। बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और आर्थिक असमानता से त्रस्त यह युवा पीढ़ी अब केवल विरोध नहीं कर रही, वह सरकारें बदल रही है। पिछले एक साल में केन्या, मेडागास्कर, मोरक्को और बोत्सवाना जैसे देशों में जेन-जी के नेतृत्व में व्यापक प्रदर्शन हुए।

जापान में चीनी नागरिक सुरक्षित नहीं: चीन

बीजिंग। चीन ने रविवार को जापान पढ़ने जाने वाले चीनी छात्रों के लिए सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। चीन का कहना है कि जापान में इन दिनों सुरक्षा स्थिति ठीक नहीं है और वहां रहने वाले चीनी नागरिकों के लिए खतरा बढ़ गया है। चीन के मुताबिक, जापान में हाल ही में अपराध बढ़े हैं और चीनी छात्रों के लिए माहौल पहले जैसा सुरक्षित नहीं रहा। चीन की यह चेतावनी उस समय आई है जब जापान की नई प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने संसद में ताइवान को लेकर एक बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर चीन ने ताइवान पर हमला किया या उस पर दबाव बनाने की कोशिश की, तो जापान अपनी सैन्य कार्रवाई करेगा। चीन ने इस बयान को बेहद गैर-जिम्मेदार और उकसाने वाला करार दिया है। चीन का कहना है कि ताकाइची का यह बयान दोनों देशों के रिश्तों को नुकसान पहुंचा सकता है और पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ा सकता है। चीन ने इस बयान का विरोध करते हुए जापान के राजदूत को तलब किया और प्रधानमंत्री से अपने बयान को वापस लेने की मांग की। दूसरी तरफ, जापान ने भी चीन के एक राजनयिक की सोशल मीडिया पोस्ट पर आपत्ति जताई है। चीन के सरकारी मीडिया का कहना है कि जापान ताइवान मुद्दे में बेवजह दखल दे रहा है और ऐसा करके खुद अपने देश को खतरे में डाल रहा है। एक न्यूज एडिटोरियल में यह भी लिखा गया कि अगर जापान की सेना ने इस मामले में दखल दिया, तो पूरे क्षेत्र को नुकसान झेलना पड़ेगा।

जापान के प्रधानमंत्री अपने गैर-परमाणु सिद्धांतों में करेंगे बदलाव

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री अपने उन 3 गैर-परमाणु सिद्धांतों की समीक्षा करने पर विचार कर रहे हैं जो उसे परमाणु हथियार नहीं रखने, उसका उत्पादन नहीं करने और जापानी क्षेत्र में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं देते हैं। जापान के प्रधानमंत्री के इस कदम से देश की सुरक्षा नीति में एक बड़े बदलाव का संकेत मिल रहा है। जापान के प्रधानमंत्री साने ताकाइची देश में लंबे समय से चले आ रहे उन तीन गैर-परमाणु सिद्धांतों की समीक्षा करने पर विचार कर रहे हैं। क्योंकि न्यूज के अनुसार प्रधानमंत्री के इस विचार से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विवाद तय है।

प्रधानमंत्री के इस विचार से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विवाद तय है

ताकाइची जापान की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति और दो संशोधित दस्तावेजों को अद्यतन करते हुए तीसरे सिद्धांत को भी संशोधित करने पर विचार कर रहे हैं क्योंकि वे परमाणु हथियारों को जापान के क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति नहीं देते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर इस सिद्धांत में बदलाव किया जाता है तो यह देश की सुरक्षा नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव होगा और इस पर घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विवाद होना तय है। गौरतलब है कि वर्ष 1967 में जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री ईसाकु सातो ने देश की संसद डाइट में अपने तीन परमाणु सिद्धांतों की घोषणा करते हुए कहा था कि उनका देश अब न तो परमाणु हथियार रखेगा, न ही उनका उत्पादन करेगा और न ही जापानी क्षेत्र में परमाणु हथियारों के प्रवेश की अनुमति होगी। जापान में तब से इसे एक राष्ट्रीय सिद्धांत माना जाता है। जापान में वर्ष 1922 में कैबिनेट द्वारा जब राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति अनुमोदित की गई, तब उस समय भी कहा गया कि तीन गैर-परमाणु सिद्धांतों का पालन करने की मूल नीति भविष्य में भी अपरिवर्तित रहेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि ताकाइची का परमाणु हथियार न रखने या उनका उत्पादन न करने के जापान के रुख को संशोधित करने का कोई इरादा नहीं है लेकिन उनका मानना है कि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की अनुमति न देने से अमेरिकी परमाणु-सशस्त्र जहाजों के बंदरगाहों पर आने-जाने में बाधा आ सकती है, जिससे अमेरिकी परमाणु प्रतिरोध कमजोर हो सकता है।

ताइवान के जल क्षेत्र में देखे गए चीनी विमान और नौसेना जहाज

ताइपे। ताइवान के राष्ट्रीय जलक्षेत्र के आसपास रविवार सुबह 6 बजे तक चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 30 विमानों और सात नौसेना (पीएलएएन) के जहाजों के साथ-साथ एक चीनी आधिकारिक जहाज को सक्रिय देखा गया।

ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि आज सुबह 6 बजे तक ताइवान के आसपास 30 पीएलए विमान, 7 पीएलए के जहाज और 1 आधिकारिक जहाज सक्रिय देखे गए। 17 उड़ानें मध्य रेखा को पार करके ताइवान के उत्तरी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी एडीआईजेड में प्रवेश कर गईं। हमने स्थिति पर नजर रखी है और जवाबी कार्रवाई की है। ताइवान ने चीन की गतिविधियों का मुकाबला करने के लिए विमान और नौसैनिक जहाज तैनात किए और चीनी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए तट-आधारित मिसाइल प्रणालियों को सक्रिय किया। चीन की गतिविधियों में वृद्धि को ताइवान और अमेरिका की हालिया रक्षा खरीद की पृष्ठभूमि में देखा जा सकता है। उल्लेखनीय है कि 13 नवम्बर को ही अमेरिका ने 33 करोड़ अमेरिकी डॉलर के लड़ाकू विमानों और विमानों के पुर्जों को ताइवान को बेचने पर सहमति जताई थी।

जलवायु जिम्मेदारी निभाते हुए विकास कर रहा भारत

यूएनडीपी प्रमुख हाओलियांग शू बोलेः भारत ने ये दिखायाः आर्थिक विकास और सामाजिक समावेश एक साथ आगे बढ़ सकते हैं

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि भारत ने ये दिखाया है कि आर्थिक विकास और सामाजिक समावेश एक साथ आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि समतापूर्ण विश्व बनाने के लिए दुनिया को भारत से सीखने की जरूरत है। यूएनडीपी के कार्यवाहक प्रशासक हाओलियांग शू ने कहा कि भारत के विकास की कहानी न केवल आर्थिक प्रगति के बारे में नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए भी है कि प्रौद्योगिकी और सहभागी शासन साथ-साथ चल सकते हैं।

शू ने कहा कि जलवायु अनुकूलन, नवीकरणीय ऊर्जा और समावेशी डिजिटल वित्त के प्रति भारत की प्रतिबद्धता विकास और स्थिरता के बीच संतुलन बनाने का एक उदाहरण पेश करती है। उन्होंने कहा कि भारत इस तरह विकास कर रहा है जो आर्थिक रूप से मजबूत और जलवायु-उत्तरदाई दोनों हों। डिजिटलीकरण और जलवायु कार्रवाई सहित सहयोग के नए क्षेत्रों को मजबूत करने और उनकी पहचान करने के लिए हाओलियांग शू भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आए हुए हैं। यूएनडीपी के नवीनतम मानव विकास सूचकांक से पता चलता है कि मानव विकास में वैश्विक प्रगति 35 वर्षों के निचले स्तर पर आ गई है और पिछले दो वर्षों से यह लगभग स्थिर है। शू ने जलवायु परिवर्तन और गरीबी सहित विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए भारत के विकास माडल की सराहना की। यूएनडीपी प्रमुख ने कहा कि भारत ने दिखाया है कि तेज विकास को लोगों, विशेष रूप से ऐतिहासिक रूप से पिछड़े लोगों में सोच-समझकर किए गए निवेश से जोड़ा जा सकता है। शू ने खासकर भारत के प्रमुख कार्यक्रमों जैसे मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) और आयुष्मान भारत का उल्लेख किया और कहा कि ये कार्यक्रम आजीविका सुरक्षा को सामाजिक सुरक्षा के साथ जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और वित्तीय समावेशन प्लेटफार्मों, जिनमें जन धन, आधार, मोबाइल (जेएएम) ट्रिनिटी और यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) शामिल हैं, ने करोड़ों लोगों तक पारदर्शी और सीधे लाभ पहुंचाने में मदद की है।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, सात लोग मरे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिणी सिंध प्रांत में एक पटाखा फैक्ट्री में हुए शक्तिशाली विस्फोट में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। राहत एवं आपातकालीन बचाव टीम 1122 सिंध के प्रवक्ता हसन उल हसीब ने बताया कि यह विस्फोट शनिवार शाम हैदराबाद जिले के लगहारी गोठ में हुआ। उन्होंने कहा कि विस्फोट के बाद भीषण आग ने देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया।

टेम्स नदी में इंडियन के पैर धोने से विवाद

सोशल मीडिया यूजर बोलेः गंगा-यमुना काफी नहीं, टेम्स को भी वैसा बनाना चाहते हो

लंदन। लंदन की मशहूर टेम्स नदी में एक भारतीय युवक के पैर धोने से विवाद छिड़ गया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि उसने नदी में नहाने की भी कोशिश की थी।

टेम्स नदी लंदन की पहचान मानी जाती है और इसके किनारे संसद भवन, लंदन आई और टावर ब्रिज जैसी मशहूर जगहें हैं। जब यह वीडियो इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर सामने आया, तो लोगों की तीखी प्रतिक्रियाएं दी। एक सोशल मीडिया यूजर ने कहा कि गंगा-यमुना काफी नहीं थीं, अब टेम्स को भी वैसा बनाना चाहते हो। एक अन्य ने लिखा कि इंडियन आदमी टेम्स में पैर धो रहा है, लोग नाराज हैं। ये कैसी हरकतें हैं? कई सोशल मीडिया यूजर्स ने युवक के सपोर्ट में भी ट्वीट किए हैं। एक

यूजर ने लिखा कि पैर धोने में आखिर समस्या क्या है। सम्मान के साथ पूछ रहा हूं, इसमें दिक्कत क्या है? एक यूजर ने पूछा-क्या पानी में पैर डालना गैरकानूनी है? एक यूजर ने लिखा कि नदी का रंग ही बता रहा है कि इसमें कुछ भी धोना ठीक नहीं। दूसरे ने मजाक में कहा-भाई, पैर मत धोओ, लोग यही पानी पीते हैं। टेम्स नदी लंदन शहर के बीच से गुजरती है और सदियों से शहर के विकास, व्यापार और परिवहन का मुख्य आधार रही है। रोमन साम्राज्य के समय से ही यह नदी महत्वपूर्ण रही है। लंदन शहर की स्थापना भी इसी नदी के किनारे हुई थी। टेम्स नदी पर लंदन ब्रिज, टावर ब्रिज, वेस्टमिंस्टर पैलेस, लंदन आई और टेम्स बैरियर जैसे फेमस ब्रिज हैं। नदी के किनारे कला, संगीत, थियेटर और त्योहारों से जुड़ी कई एक्टिविटी होती हैं। टेम्स पर की जाने वाली क्रूज यात्राएं लंदन के प्रमुख आकर्षणों में से हैं। इस विवाद के बीच, नदी की सफाई और प्रदूषण पर भी चर्चा शुरू हो गई। 'द गार्जियन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, टेम्स नदी के कई हिस्सों में ई.कोली बैक्टीरिया और सीवेज के प्रदूषण की मात्रा काफी बढ़ गई है। जांच में यह भी पाया गया कि नदी में गीले वाइप्स और प्लास्टिक का कचरा जमा होकर वेट वाइप आइलैंड्स जैसी बड़ी ढेरियां बन चुकी हैं। ऐसा ही एक बड़ा ढेर हेमरस्मिथ ब्रिज के पास मिला है।

मादुरो ने अमेरिकी धमकियों के खिलाफ लामबंदी का आह्वान किया

काराकास। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने कैरिबियाई क्षेत्र में अमेरिका और त्रिनिदाद एवं टोबैगो द्वारा संयुक्त सैन्य अभ्यास की घोषणा के बाद देश के पूर्वी क्षेत्र में स्थाई तौर पर सतर्कता बरतने और लामबंदी का आह्वान किया है। मादुरो ने उत्तरी राज्य मिरांडा के पेटारे में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान कहा कि मैं एक बार फिर पूर्वी राज्यों-दक्षिणी बोलिवर, डेल्टा अमाकुरो, मोनागास, सूक्रे, एंज़ोएटेगुई और नुएवा एस्पार्टा-के सभी लोगों से नागरिकों, सैन्य बलों और पुलिस के बीच पूर्ण एकता बनाए रखने, सतर्कता बरतने और वेनेजुएला का झंडा ऊंचा करके सड़कों पर मार्च करने का आह्वान करता हूं।